CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 17-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMHJK1 User: cci Time: 01-16-2026 22:17 Color:

महानगर > मुंबई > शनिवार, 17 जनवरी 2026 > पौष 28, शक संवत 1947, माघ कृष्ण चतुर्दशी, विक्रम संवत 2082 WATCH GOD WATCHDOG वर्ष 77, संख्या 15 > मूल्य ₹6.00 > पेज 18 > आर. एन. आई. पंजीयन नंबर 1613/57 www.nbt.in

NBT नवभारत टाइम्स

वेनेजुएला की नेता मचाडो ने ट्रंप को सौंपा अपना नोबेल

▶ देखें अंदर

नगर निगम के नतीजों में छाई BJP, मोदी बोले- थैंक्यू महाराष्ट्र

▶ देखें अंदर

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

युद्ध नशे विरुद्ध 2.0

दूसरे चरण की शुरुआत

स.भगवंत सिंह मान
मुख्यमंत्री, पंजाब

पिंडां दे पहरेदार

पंजाब का हर व्यक्ति अब बन सकता है अपने गाँव और समाज का रक्षक

पिंडां दे पहरेदार की भूमिका और ज़िम्मेदारियाँ

- जहाँ नशा बेचा या सप्लाई किया जाता है, उसकी सूचना देना
- यदि कोई व्यक्ति नशा छोड़ना चाहता है तो उसे नज़दीकी नशा मुक्ति केंद्र (ओ.ओ.ए.टी केंद्र) लेकर जाना

फेज 1: 300 दिन में असल नतीजे

29,978 एफ.आई.आर
एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज

43,276 गिरफ्तारियाँ
राज्यभर में

30,595 किलोग्राम
नशा ज़ब्त

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 17-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTM6 User: cci Time: 01-16-2026 23:44 Color:

210 सीटें ठाणे और नवी मुंबई मिलकर BJP और शिंदे सेना ने एकसाथ मिलकर झटकी है।

इलेक्शन ब्रीफ

मनपा चुनाव मे मैथिल समाज को भी मिले हैं 3 नगरसेवक

■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई :** एमएमआर मे लाखों की तादात मे रहने वाले मैथिल समाज को इस बार 3 नगरसेवक मिले है। इनमे कांदिवली के प्रभाग-23 से बीजेपी के शिवकुमार झा, विरार के प्रभाग-7 से बविआ से मिनू धनजय झा और मीरा-भाईंदर से नवीन सिंह शामिल हैं। मैथिल समाज से दर्जन भर लोगो ने बीजेपी, कांग्रेस, शिंदे सेना और बविआ से पर्चे भरे थे। उनकी उपलब्धि से मैथिल समाज खुश है।

नवीन सिंह बने 'जॉइंट किलर'

■ **NBT न्यूज, मीरा-भाईंदर :** प्रभाग-16 मे बीजेपी के नवीन सिंह अपने ही गठबंधन मे शिंदेसेना के जिलाप्रमुख राजू भोईर के लिए 'जॉइंट किलर' साबित हुए। नवीन ने तीन बार के नगरसेवक राजू भोईर को न केवल हराया, बल्कि तीसरे नबर पहुंचा दिया। नवीन ने भोईर को हराकर नरेंद्र मेहता की कसम मे पूरी कर दी।

दल-प्रभाग बदला, फिर भी जीते

NBT न्यूज, मीरा-भाईंदर : प्रभाग-8 से ध्रुवकिशोर पाटील ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को करीब 6500 मतो से हराकर लगातार छठी जीत दर्ज की। 1999 के उपचुनाव मे एनसीपी से राजनीति शुरू करने वाले पाटील 2017 मे बीजेपी से जीते थे। इस बार दल और प्रभाग (6 से 8) बदलने के बावजूद वे अजेय रहे।

ठाणे में फिर लहराया शिवसेना का भगवा

DCM एकनाथ शिंदे का दबदबा रहा बरकरार

■ अनिल कुमार शुक्ला, ठाणे

ठाणे मनपा मे पिछले 30 सालों से शिवसेना का भगवा लहरा रहा है। दिवंगत आनंद दिघे के कार्यकाल मे 1987 से 1993 के दौरान यहां कांग्रेस की सत्ता रही, बाकी समय मे ठाणे शिवसेना का अविभाज्य गढ़ रहा। DCM एकनाथ शिंदे ने इसे बरकरार रखते हुए करीब 75 सीटें खींची हैं। अब ठाणे मे शिंदे सेना और BJP की महायुति का महापौर बनना लगभग तय है। दूसरी तरफ उद्धव ठाकरे की शिवसेना को मुंह की खानी पड़ी है। मुंब्रा मे दोनों NCP के बीच हुई लड़ाई मे AIMIM को फायदा हुआ। वहीं, 3 नगरसेवकों वाली कांग्रेस का यहां सूपड़ा साफ हो गया है। जबकि, मनसे का खाता भी नहीं खुल पाया। साल 2017 मे हुए मनपा चुनाव मे यहां अविभाजित शिवसेना के 67, अविभाजित एनसीपी के 34, BJP के 23 और कांग्रेस के 3 नगरसेवक थे।

फोकस सिर्फ डिवलपमेंट: शिंदे

NBT न्यूज, ठाणे : उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि राज्य के सीएम देवेंद्र फडणवीस और उनका एक ही मुद्दा है, वह है 'मुंबई एमएमआर का डिवलपमेंट' और हमे उसी पर फोकस करना है। मुंबई और ठाणे मनपा मे महायुति की जीत के बाद ठाणे मे मीडिया से बातचीत मे उन्होंने कहा कि ठाणे मे हमने 100 के पार का नारा दिया, जिसे पूरा कर दिखाया है। केंद्र और राज्य दोनों जगह महायुति की सरकार है, जिसका फायदा मुंबई और ठाणे के विकास को मिलेगा। अब मुंबई को इंटरनैशनल सिटी बनाने मे कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। एआईएमआईएम की जीत पर उन्होंने कहा कि समाज विरोधी बात करने और जहर उगलने वालों का जीत कर आना चिंता की बात है।

'अब की बार 100 के पार' का नारा हुआ सफल

ठाणे मनपा चुनाव मे शिंदे शिवसेना और BJP ने 'अब की बार 100 के पार' का नारा दिया था। चुनावी रिजल्ट ने शिंदे-BJP गठबंधन का नारा सही साबित किया है। शिंदे शिवसेना ने मनपा मे सत्ता बनाने के जादुई आंकड़े 67 को पार करते हुए 75 सीटें जीतीं। वहीं, BJP मे 28 लोग विजयी हुए। महायुति मे शिंदे ने 87 और BJP ने 40 उम्मीदवार मैदान मे उतारे थे। यहां शिंदे शिवसेना के 6 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए है। चर्चा है कि जो करिश्मा दिवंगत आनंद दिघे नहीं कर पाए थे, उनके शिष्य एकनाथ शिंदे कर दिखाया है।

कांग्रेस, MNS का सूपड़ा साफ

ठाणे मनपा चुनाव मे कांग्रेस और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना दोनों का सूपड़ा साफ हो गया है। दोनों पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली है। यहां तक कि BJP शिंदे शिवसेना महायुति की आंधी मे मनसे के शहर अध्यक्ष रविंद्र मोरे और कांग्रेस के शहर अध्यक्ष विक्रांत चव्हाण खुद की सीट नहीं बचा पाए। मनपा के कुल 131 वॉर्डों मे कांग्रेस के 64 तथा मनसे के 28 उम्मीदवार मैदान मे थे।

नवी मुंबई में नाईक का दबदबा

ठाकरे ब्रांड को नकारा, UBT को 2, MNS को 1 सीट

■ पुरुषोत्तम कनौजिया, नवी मुंबई

नवी मुंबई मनपा चुनाव मे एकबार फिर गणेश नाईक का परचम लहराया है। उनके नेतृत्व मे बीजेपी का दबदबा बरकरार रहा, जबकि शिंदे की शिवसेना दूसरे नंबर पर रही। वहीं, नवी मुंबईकरों ने उद्धव और राज की सेनाओं को लगभग नकार दिया है। कुल 111 सीटों मे बीजेपी ने सर्वाधिक 65 सीटें और शिंदे सेना ने 42 सीटें झटकी है। शिवसेना यूबीटी को महज 2 और मनसे को मात्र एक सीट मिली, वहीं प्रभाग-14 मे निर्दलीय उम्मीदवार भरत भोईर जीते है।

> सबसे बड़ी पार्टी बनी BJP को 65 सीटें, शिंदे सेना ने पाईं 42 सीटें, 1 निर्दलीय

करीब 10 साल बाद हुए चुनाव मे फिर एक बार नाईक परिवार ने अपना दम दिखा दिया। पूरे चुनाव मे मुख्यमंत्री की एक सभा के अलावा नवी मुंबई मे किसी अन्य बड़े नेता ने बीजेपी के लिए प्रचार नहीं किया था। पूरी बागडोर नाईक परिवार ने संभाली और खुद को साबित किया। वहीं, शिवसेना की ओर से एकनाथ शिंदे ने कई बार नवी मुंबई का दौरा किया, सांसद नरेश म्हस्के सहित शिवसेना के कई अन्य मंत्रियों, विधायकों ने यहां प्रचार किया था।

जीत के बाद वन मंत्री गणेश नाईक ने कहा कि आज की जीत बीजेपी की नहीं, बल्कि जनता की जीत है। हमने पीएम मोदी के नेतृत्व मे जनता के मुद्दे उठाए थे, जिन्हें जनता ने स्वीकार किया। कुछ लोग बिल्डरों के कहने पर चल रहे थे, वह गलत थे और आगे जरूरत पड़ी, तो मै उनके खिलाफ कोर्ट भी जाऊंगा। मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट मेरे मुताबिक ही होगा, क्योंकि मै जनता के हित की बात कर रहा हूं। मेरी किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है।

'तांगा पलट गया' का बैनर

नवी मुंबई के वाशी मे बीजेपी के एक समर्थक अजित कांडर ने डिजिटल बैनर लगाया कि 'तांगा पलट गया' है। बता दें कि चुनाव के समय गणेश नाईक ने कहा था कि अगर एकनाथ शिंदे मेरे चक्कर मे पड़े, तो तांगा पलटकर घोड़े लापता कर दूंगा। जीत के बाद उक्त बैनर को शिवसेना के लिए एक तंज के तौर पर देखा जा रहा है।

नहीं चले भाई-भाई, चाचा-भतीजा

मनपा चुनाव मे ठाकरे बंधुओं की सफलता नगण्य रही, वहीं पवार चाचा-भतीजा का जादू भी नवी मुंबईकरों पर नहीं चला। नामांकन से पहले तक नवी मुंबई मे एमवीए की चर्चा थी, जिसमे शिवसेना यूबीटी, एनसीपी एसपी, कांग्रेस और मनसे शामिल थीं। लेकिन, नामांकन के समय शिवसेना और मनसे साथ हो गए। जबकि, अन्य दोनों दलों ने कहा कि हम ठाकरे ब्रांड के साथ नहीं लड़ेंगे। कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद जिला अध्यक्ष रामचंद्र दलवी ने प्रदेश अध्यक्ष को अपनी इस्तीफा भेज दिया। वहीं, एनसीपी (एसपी) के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने खुद प्रचार की कमान संभाली थी। उन्हें भी निराशा हाथ लगी और एक भी सीट नहीं जीते।

राजन विचारे को झटका, पत्नी हारी

■ **NBT न्यूज, ठाणे :** शिवसेना मे टूटफाड़ के बाद ठाणे मे पूर्व सांसद राजन विचारे उद्धव ठाकरे के साथ बने थे। उनकी पत्नी नंदिनी विचारे नगरसेविका थी और वह भी पति के साथ बनी थी। इस बार का मनपा चुनाव विचारे परिवार के लिए अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई थी। लेकिन विचारे के गढ़ मे BJP ने उन्हें जोरदार झटका दिया है। वॉर्ड नंबर 12 मे BJP की कानोल गुणीनन ने नंदिनी विचारे को 2111 मतों से पराजित किया है। कानोल को 12355 तथा नंदिनी विचारे को 10244 मत मिले। लोकसभा ,विधानसभा चुनाव के बाद मनपा चुनाव मे विचारे को लगातार तीसरी हार मिली है।

जय ठाकुर की जीत

■ **NBT न्यूज, मीरा-भाईंदर :** प्रभाग-9 मे पत्रकार जय ठाकुर ने अपने नजदीकी प्रतिद्वंद्वी अमनद शेख को लगभग 6000 वोटों से हराकर जीत हासिल किया। विगत डेढ़ दशक से पत्रकारिता मे सक्रिय जय इस बार जीत हासिल करने वाले एकमात्र पत्रकार हैं। जय के अलावा पत्रकार रमेश शर्मा की पुत्री मानसी शर्मा भी बीजेपी के टिकट पर जीत हासिल किया है।

भिवंडी मनपा में किसी पार्टी को नहीं मिला पूर्ण बहुमत

■ **NBT न्यूज, भिवंडी :** भिवंडी मनपा के आम चुनाव मे किसी भी राजनीतिक दल को बहुमत हासिल नहीं हो सका है। इसके चलते मनपा मे त्रिशंकु सदन की स्थिति बन गई है। इस चुनाव मे कांग्रेस ने 30 सीटें जीतकर खुद को सबसे बड़ी पार्टी के रूप मे स्थापित किया है।

- मनपा मे त्रिशंकु सदन की स्थिति बन गई है, कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी
- राजनीतिक दलों की आपसी खींचतान मे बिगड़ा भिवंडी का सियासी माहौल

इस चुनाव मे कई प्रमुख और बड़ी राजनीतिक पार्टियों की अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। उद्धवसेना, मनसे, एनसीपी (एपी) और एआईएमआईएम को एक भी सीट जीतने मे नाकाम रही। यह इन दलों के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है।

मनपा चुनाव मे बीजेपी और शिंदेसेना का एकमात्र गठबंधन अंत तक कायम रहा, जो सफल भी रहा। बीजेपी को 22 और शिंदेसेना को 12 सीटें मिलने के बाद दोनों को मिलाकर कुल 34 सीटें प्राप्त हुईं। इसके बावजूद यह गठबंधन बहुमत से 12 सीटें पीछे रह गया।

BJP नेता को BJP के ही बागी ने हराया

■ **NBT न्यूज, भिवंडी :** भिवंडी मनपा चुनाव मे बीजेपी के पूर्व विपक्ष नेता श्याम अग्रवाल को बीजेपी के ही बागी निर्दलीय उम्मीदवार नितेश ऐनकर ने 21 वोटों से पराजित किया। बीजेपी के बागी उम्मीदवार को 6,075 वोट मिले। वहीं बीजेपी के नारायण रतन चौधरी सबसे बड़े अंतर से जीत हासिल करने वाले उम्मीदवार रहे। उन्होंने 7,038 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें कुल 9,641 वोट मिले। जबकि उनके मुकाबले निर्दलीय उम्मीदवार रविकांत पाटील को मात्र 2,603 वोटों पर संतोष करना पड़ा। वहीं पूर्व महापौर विलास पाटील के पुत्र ऐड. मयूरेश पाटील एवं बीजेपी विधायक महेश चौघुले के पुत्र मित चौघुले पहली बार मनपा का चुनाव लड़ रहे थे और दोनों उम्मीदवार आमने -सामने थे। इसमें दोनों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी, जिसमें मयूरेश पाटील ने मित चौघुले को 1697 वोटों से पराजित किया है।

मनोरंजन

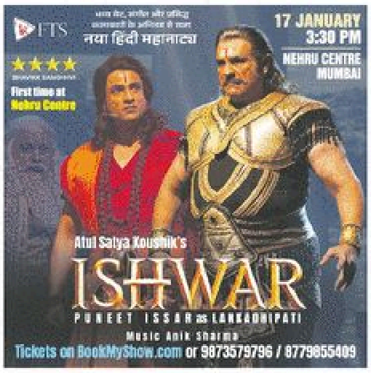

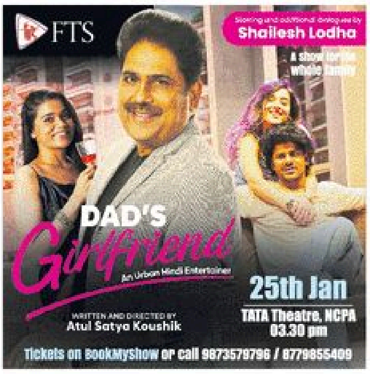

प्रतिष्ठा बचाने में सफल रहे भिवंडी मनपा के तीनों महापौर

■ **विजय कुमार सिंह, भिवंडी :** भिवंडी मनपा के हुए चुनाव मे तीन पूर्व महापौर एवं एक उपमहापौर सहित कई पूर्व वरिष्ठ नगरसेवकों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। इनमे तीनों महापौर एवं उपमहापौर सहित कई वरिष्ठ नगरसेवक अपनी परंपरागत सीट बचाने मे सफल रहे। वहीं, बीजेपी विधायक महेश चौघुले अपने पुत्र मित चौघुले को जीत नहीं दिला सके।

शहर मे सबसे अधिक चर्चा वाली सीट प्रभाग क्रमांक-1 थी, जहां पूर्व महापौर विलास पाटील, उनकी पत्नी पूर्व महापौर प्रतिभा पाटील एवं पुत्र ऐड. मयूरेश पाटील सहित उनके पैनल मे चार लोग चुनाव लड़ रहे थे। काफी कड़े संघर्ष के बीच विलास पाटील स्वयं, अपनी पत्नी प्रतिभा पाटील एवं पुत्र ऐड. मयूरेश पाटील सहित चारो उम्मीदवारों को जीत दिलाने मे सफल रहे। विलास पाटील ने फिर साबित किया कि वह भिवंडी मनपा के अब भी किंग मेकर है।

इसी तरह भिवंडी विकास आघाडी (एकता मंच) के अध्यक्ष एवं पूर्व महापौर जावेद दलवी भी चुनाव जीत गए है। उनके पैनल की ऐड. ऋषिका प्रदीप राका सहित तीन उम्मीदवार जीत गए है। पूर्व उपमहापौर मनोज काटेकर, उनकी पत्नी वंदना काटेकर, संतोष शेट्टी, नीलेश चौधरी, बालाराम चौधरी भी चुनाव जीते है। हालांकि, यहां बीजेपी के पूर्व नगरसेवक श्याम अग्रवाल, आरपीआई के विकास निकम, एनसीपी (एसपी) मोहम्मद हलीम अंसारी सहित कई दिग्गज चुनाव हार गए है।

सपा की उम्मीदों पर फिरा पानी

मनपा चुनाव मे समाजवादी पार्टी से नाराज विधायक रईस शेख ने स्वयं अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगा दी थी। यह सर्वाधिक चर्चा समाजवादी पार्टी की थी, जिसके कार्यालय मे टिकट मांगने वालों की भीड़ जुटी थी। समाजवादी पार्टी ने इस बार अपना महापौर बनाने का दावा तक कर डाला था, लेकिन रईस शेख की नाराजगी से सपा प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी की उम्मीदों पर पानी फिर गया। सपा से नाराज रईस शेख ने सपा के 30 उम्मीदवारों को कांग्रेस से टिकट दिला दिया, जिनमे 24 जीत गए हैं। इसी तरह 12 उम्मीदवारों को राष्ट्रवादी एनसीपी (एसपी) का टिकट दिलाया और वह सभी चुनाव जीत गए। ऐसे मे, समाजवादी पार्टी के सिर्फ छह सदस्य चुनाव जीते है। शेख ने कहा कि इस चुनाव मे उनका स्ट्राइक रेट 85% रहा। हम जनसेवक हैं, जिधर जाएंगे, जनता भी साथ जाएगी।

आजमी पर सबकी नजर

सपा के प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने एक कार्यक्रम मे कहा था कि चुनाव के बाद विधायक रईस शेख के विरुद्ध कार्रवाई करेंगे। अब रिजल्ट के बाद समाजवादी पार्टी को छह सीट पर समेटने वाले विधायक शेख के विरुद्ध आजमी कार्रवाई करेंगे या अपनी पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए रईस शेख से समझौते करेंगे? इस पर सबकी निगाहे है।

12 राशियां और आपका दिन

ARIES (21 Mar - 19 Apr) आज आपको किसी संस्था द्वारा सम्मानित किए जाने की संभावना रहेगी। पुराने मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा एवं अच्छे मित्र भी बनेंगे। आज परिवार से उत्तम सहयोग प्राप्त हो सकता है। मधुर वाणी से संबंधों मे मधुरता आएगी। सायंकाल से रात्रि तक का समय परिजनों के साथ हास्य-विनोद मे बीतेगा।

TAURUS (20 Apr - 20 May) आज का दिन आप बहुत व्यस्त रहेंगे, ज्यादा भागदौड़ मे सावधानी बरतें, शारीरिक कष्ट होने का भय है। आपकी निर्णय लेने की क्षमताओं का आपको आज लाभ मिल सकता है। आज रुके हुए कार्यों की पूर्ति होगी। किसी काम मे जोखिम लेना पड़े तो जरूर लें, आगे चलकर उसका भरपूर लाभ मिलेगा।

GEMINI (21 May - 21 Jun) आज आप फिजूल के खर्चों से बचें। यदि आप किसी रोग से पीड़ित हैं, तो आज कष्ट की वृद्धि हो सकती है। सामाजिक क्रियाकलापों मे रुकावटें आएंगी। अचानक धन लाभ होने से आपकी धर्म, अध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। संतान पक्ष से हर्षवर्धक समाचार मिलेगा और समाज मे भी सम्मान बढ़ेगा।

CANCER (22 Jun - 22 Jul) भाग्य की दृष्टि से आज का दिन उत्तम रहेगा। आपके परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। संतान के प्रति आपका विश्वास और अधिक मजबूत होगा। आज ससुराल पक्ष से विशेष सहयोग मिलने की संभावना है। आज आप सांसारिक सुख-भोगों के लिए धन खर्च करेंगे, जिससे आपके शत्रु परेशान होंगे।

LEO (23 Jul - 22 Aug) आज का दिन मिश्रित फलकारक है। मानसिक अशांति, खिन्नता एवं उदासीनता के कारण आप भटक सकते हैं। माता-पिता के सहयोग और आशीर्वाद से दिन के उत्तरार्ध मे राहत मिलेगी। ससुराल पक्ष से आज नाराजगी के संकेत मिलेंगे। अपनी मधुवाणी का प्रयोग करें।

VIRGO (23 Aug - 22 Sep) आज आपमे निर्भीकता का भाव रहेगा तथा साहसपूर्वक अपने कठिन कार्यों को संपन्न करने मे सक्षम रहेंगे। आपको अपने माता-पिता का आशीर्वाद भी प्राप्त होगा। व्यर्थ व्यय का योग भी है। आप मन से लोगों का भला सोचेंगे किंतु लोग इसको आपकी मजबूरी या स्वार्थ ही समझेंगे। व्यापार मे धनलाभ होगा।

LIBRA (23 Sep - 22 Oct) आज का दिन आपके लिए शुभफलदायक है। आपके अधिकार व संपत्ति मे वृद्धि होगी। आप दूसरों के भले की सोचेंगे एवं दिल से सेवा भी करेंगे। दशम कर्म भाव मे बृहस्पति कर्क राशि का होकर विराजमान है। अतः आज आप अपने गुरु के प्रति पूर्ण भक्ति भाव व निष्ठा रखें। आज नए कार्यों मे इन्वेस्ट करना पड़ेगा।

SCORPIO (23 Oct - 21 Nov) आज सुबह से ही किसी बात को लेकर आपका मन अशांत रहेगा। व्यापार वृद्धि के लिए किए गए प्रयास निष्फल हो सकते है। सायंकाल तक आप अपने धैर्य तथा प्रतिभा से शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करने मे सफल रहेंगे। यदि कोई वाद-विवाद कोर्ट मे लंबित है तो उसमे सफलता मिलने की पूर्ण संभावना है।

SAGITTARIUS (22 Nov - 21 Dec) आज आपके ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके अंदर दान-पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी। आप धार्मिक अनुष्ठानों मे रुचि लेकर पूर्ण सहयोग करेंगे। भाग्य की ओर से भी आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। सायंकाल मे स्वास्थ्य के संबंध मे कष्ट संभव है।

CAPRICORN (22 Dec - 19 Jan) आज आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति होगी। साथ ही दिन के एक हिस्से मे ऐसे अनावश्यक खर्चों भी सामने आएंगे जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी मे करने पड़ेंगे। ससुराल पक्ष से मान-सम्मान मिलेगा। अपने व्यवसाय मे भी आपका मन लगेगा एवं बहुत दिनों से रुके हुए कार्य पूर्ण हो जाएंगे।

AQUARIUS (20 Jan - 18 Feb) आज का दिन नई-नई खोज करने मे व्यतीत होगा। आप संचित एवं आवश्यकतानुसार ही व्यय करें। आपको अपने अतिथियों से ही विश्वासघात मिलने की संभावना है। सांसारिक सुख-भोग की वस्तुओं के लिए धन खर्च करेंगे। सायंकाल से लेकर रात्रि तक समीप की यात्रा भी हो सकती है।

PISCES (19 Feb - 20 Mar) आज पंचम भाव मे कर्क राशि का बृहस्पति होने के कारण बहुत समय से लटका हुआ पुत्र या पुत्री से संबंधित किसी विवाद का हल निकल आएगा। खुशमिजाज व्यक्तित्व होने के कारण अन्य व्यक्ति आपसे संबंध बनाने की चेष्टा करेंगे। सामाजिक सम्मान मिलने से आपका मनोबल बढ़ा रहेगा।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

मंगल, चंद्रमा और राहु वर्ष के स्वामी हैं। जनवरी के शेष दस दिनों मे अच्छी नौकरी के योग हैं। यदि आप किसी पुराने विवाद, मुकदमे अथवा उलझन मे व्यस्त होंगे तो फरवरी मे उन सबसे छुटकारा मिल जाएगा। कुछेक जातक जिनके जन्म कालीन ग्रह पेचीदा हैं और वर्तमान मे शनि राहु, केतु की दशाओं से ग्रस्त है, उनके लिए आगामी मार्च अप्रैल तक विशेष परिश्रम के उपरांत संतोषजनक आर्थिक सफलता मिल जाएगी। जबकि व्यापारियों को प्रतिस्पर्धा और आर्थिक तेजी-मंदी का प्रकोप मई महीने की शुरुआत से लेकर जून महीने के अंत तक झेलना पड़ेगा। हालांकि इसके बाद स्थिति मे धीरे-धीरे सुधार आने लगेगा। कुछ लोगों को जुलाई माह की शुरुआत से लेकर अगस्त माह तक अपने वाहन मशीनरी आदि का लाभ होगा। इस दौरान कहीं घूमने-फिरने का मन बनाएंगे। इस समय की गई यात्रा सफल होगी और यात्रा के दौरान नई जानकारी भी मिलेगी। सितंबर-अक्टूबर मे पुनः व्यापार मे शैथिल्य रहेगा। नवंबर से लेकर दिसंबर मे व्यापार तेज होकर लाभ मिलेगा। 1 जनवरी से 11 जनवरी 2027 तक महिलाओं की महत्वाकांक्षा पूर्ण होगी। विद्यार्थियों के लिए भी यह वर्ष सिद्धिकारक है। उनको सामान्य परिश्रम से ही अच्छी सफलता प्राप्त होगी। बृहस्पति वार पीली वस्तुओं का दान करते रहें।

-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग

(रविवार, 18 जनवरी 2026)

राष्ट्रीय मिति पौष 29, शक संवत 1947, माघ कृष्ण, अमावस्या, रविवार, विक्रम संवत 2082। सौर माघ मास प्रविष्टे 5, रज्जब 27, हिजरी 1447 (मुस्लिम) तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 18 जनवरी 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहुकाल सायं 4 बजकर 30 मिनट से 6 बजे तक। अमावस्या तिथि अर्धरात्रोत्तर 1 बजकर 22 मिनट तक उपरांत प्रतिपदा तिथि का आरंभ। पूर्वाषाढ़ नक्षत्र प्रातः 10 बजकर 14 मिनट तक उपरांत उत्तराषाढ़ नक्षत्र का आरंभ। हर्षण योग रात्रि 9 बजकर 11 मिनट तक उपरांत वज्र योग का आरंभ। चतुष्पाद करण दोपहर 12 बजकर 16 मिनट तक उपरांत किस्तुघ्न करण का आरंभ। चंद्रमा सायंकाल 4 बजकर 41 मिनट तक धनु उपरांत मकर राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार-शब्बे मिराज (मु.)।

सुडोकू

			3	1	7			
3	8	7				9	6	1
9				8				5
	4	3		9		7	8	
5				2				9
6	1	4				5	3	8
			5	3	8			

TELEVISION

big magic

09:00	बबलू डबलू
10:00	[illegible]
11:00	रुद्र के रक्षक
12:00	चक्रधारी अजेय कृष्णा
12:30	हम पांच
13:00	रुद्र के रक्षक
13:30	भ से भाड़े
14:00	चक्रधारी अजेय कृष्णा
15:00	[illegible] कृष्णा
17:00	बबलू डबलू
19:00	चक्रधारी अजेय कृष्णा

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 17-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTM7 User: ajay.karekar Time: 01-16-2026 22:09 Color:

सत्यमेव जयते

₹3250 करोड़ से अधिक की रेल और सड़क परियोजनाओं से

पश्चिम बंगाल और असम में एक नए युग का शुभारम्भ

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

मालदा टाउन रेलवे स्टेशन से

हावड़ा – गुवाहाटी (कामाख्या)

कामाख्या रेलवे स्टेशन से

गुवाहाटी (कामाख्या) – हावड़ा

अमृत भारत एक्सप्रेस

न्यू जलपाईगुड़ी – नागरकोविल

न्यू जलपाईगुड़ी – तिरुच्चिराप्पल्लि

अलीपुरद्वार – एसएमवीटी बेंगलुरु

अलीपुरद्वार – मुंबई (पनवेल)

मेल एक्सप्रेस

बालुरघाट – एसएमवीटी बेंगलुरु

राधिकापुर – एसएमवीटी बेंगलुरु

का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

4 लेनिंग

एनएच-27 के धुपगुड़ी – फालाकाटा खण्ड

नई रेल लाइन

बालुरघाट – हिली के बीच

लोको शेड का उन्नयन

सिलीगुड़ी में

मालगाड़ियों की अत्याधुनिक रख-रखाव सुविधा

न्यू जलपाईगुड़ी में

वंदे भारत ट्रेनों के लिए

जलपाईगुड़ी में रखरखाव सुविधाओं का उन्नयन

का शिलान्यास

रेल लाइन का विद्युतीकरण

न्यू कोचबिहार – बामनहाट

न्यू कोचबिहार – बक्सिरहाट

का राष्ट्र को समर्पण

परियोजनाओं के प्रमुख लाभ

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन:
- सस्ती और आरामदायक यात्रा
- यात्रा समय में लगभग 2.5 से 3 घंटे की कमी
- 180 किमी/घंटा तक की गति
- डिसइंफेक्टेंट तकनीक से युक्त शौचालय

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें:
- यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी
- सुरक्षित, आरामदायक और भरोसेमंद यात्रा

मेल एक्सप्रेस ट्रेनें:
- आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित
- पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा

रेल लाइनों का विद्युतीकरण:
- तेज़ और अधिक भरोसेमंद रेल सेवाएं
- बेहतर समयपालन और कम यात्रा समय
- स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल रेल यात्रा

एनएच-27 सड़क परियोजना:
- महत्वपूर्ण चिकन नेक कॉरिडोर सहित पूर्वोत्तर राज्यों से कनेक्टिविटी बेहतर होगी
- सिलीगुड़ी और गुवाहाटी के बीच यात्रा में लगभग 1 घंटे की बचत होगी

द्वारा

नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

शनिवार, 17 जनवरी 2026 | मालदा टाउन स्टेशन | 11:00 बजे

गरिमामयी उपस्थिति

डॉ. सी. वी. आनंद बोस
राज्यपाल, पश्चिम बंगाल

लक्ष्मण प्रसाद आचार्य
राज्यपाल, असम

ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा
मुख्यमंत्री, असम

नितिन जयराम गडकरी
केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री

अश्विनी वैष्णव
केन्द्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

शान्तनु ठाकुर
केन्द्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री

डॉ. सुकांत मजूमदार
केन्द्रीय शिक्षा और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री

भारतीय रेल

DD NEWS डीडी न्यूज पर कार्यक्रम को लाइव देखें | www.indianrailways.gov.in | हमें फॉलो करें /RailMinIndia

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 17-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTM8 User: cci Time: 01-16-2026 22:35 Color:

संवाद

नवभारत टाइम्स

नवभारत टाइम्स । मुंबई । शनिवार, 17 जनवरी 2026

यूरोप से ख़ुशख़बरी

भारत और EU ट्रेड डील के करीब

भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। यह डील दोनों ही पक्षों के लिए जरूरी है, इससे व्यापार में संतुलन आएगा और अमेरिकी टैरिफ के दबाव से निपटने में मदद मिलेगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि 27 तारीख को भारत-EU सम्मेलन के दौरान डील फाइनल हो जाएगी।

लंबा इंतजार । इस करार के लिए दोनों पक्षों ने लंबा इंतजार किया है। बरसों की धैर्यपूर्ण बातचीत के बाद अब जाकर 24 में से 20 चैप्टर पर सहमति बनी है और बाकियों को लेकर भी उम्मीदें प्रबल हैं। 9 साल की रुकावट के बाद जून 2022 में इस डील पर दोबारा वार्ता शुरू हुई थी। इसे अंजाम तक पहुंचाने का यह सबसे सही मौका है, जब भारत और यूरोपीय यूनियन - दोनों ही व्यापार में अमेरिका और चीन से मिलती चुनौती का सामना कर रहे हैं।

दोनों के लिए जरूरी ये समझौता

व्यापार बढ़ेगा । गुड्स में भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर EU है। 2024-25 में दोनों के बीच 136.53 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ था। भारत ने 75.85 बिलियन डॉलर का निर्यात, जबकि 60.68 अरब डॉलर का आयात किया। भारत के कुल निर्यात का करीब 17% यूरोप के बाजार में पहुंचता है। ट्रेड डील के बाद ज्यादातर सामान टैरिफ के दायरे से बाहर होगा, तो व्यापार बढ़ने की उम्मीद है। पेट्रोलियम प्रॉडक्ट्स, टेक्सटाइल, मशीनरी, जूलरी, फार्मा सेक्टर को छूट मिल सकता है - नए निवेश का रास्ता खुलेगा।

अमेरिका से बातचीत । ग्लोबल जियो-पॉलिटिक्स को देखते हुए भारत को अपने व्यापार साझेदारों में विविधता चाहिए। अच्छी बात है कि सरकार लगातार इस दिशा में काम कर रही है। पिछले साल ब्रिटेन, ओमान और EFTA के साथ ट्रेड डील फाइनल हुई थी। EU के साथ-साथ नजरें अमेरिका संग चल रही वार्ता पर भी हैं। कुछ तल्ख बयानबाजी के बाद नई दिल्ली-वॉशिंगटन के बीच वार्ता फिर से पटरी पर आती दिख रही है, जिसे अच्छी खबर कहा जाएगा। EU डील का असर भी अमेरिका से चल रही बातचीत पर पड़ सकता है।

चीन को जवाब । अमेरिका की अस्थिर नीतियों की वजह से भारत और यूरोप, दोनों को ही नए मजबूत दोस्तों की जरूरत है। इसके अलावा एक बड़ी साझा चुनौती चीन की है। दोनों का ही चीन के साथ व्यापार घाटा रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। चीन की वजह से भारत और यूरोप के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में गिरावट आई है। दोनों एक-दूसरे का साथ देकर इस ट्रेड डेफिसिट को पाटने में मदद कर सकते हैं।

अंतर्दृष्टि

दुख से भागने की कोशिश मत करो, उसका संदेश समझो

मनुष्य के जीवन में दुख कोई नई घटना नहीं है। वह हर युग में रहा है, हर समाज में रहा है और हर व्यक्ति के भीतर किसी न किसी रूप में उपस्थित रहा है। फिर भी आज का मनुष्य दुख से सबसे अधिक घबराया हुआ दिखाई देता है। वह दुख से भागना चाहता है, उसे दबाना चाहता है, उससे बच निकलना चाहता है। पर सच यह है कि हम दुख से भागते नहीं, हम उसे समझना नहीं चाहते। जब दुख आता है, तो हम तुरंत उसका समाधान खोजने लगते हैं। कोई कहता है कि खुद को व्यस्त रखो, कोई कहता है कि सकारात्मक सोचो, कोई कहता है कि समय सब ठीक कर देगा। पर बहुत कम लोग यह कहते हैं कि दुख को थोड़ी देर बैठकर देखो। उसे महसूस करो। उससे यह पूछो कि तुम क्यों आए हो। क्योंकि दुख केवल पीड़ा नहीं होता, वह एक संदेश भी होता है।

सुंदर चंद ठाकुर

दुख तब जन्म लेता है, जब जीवन हमारी अपेक्षाओं के अनुसार नहीं चलता। हम चाहते हैं कि लोग वैसा व्यवहार करें जैसा हमने सोचा था। हम चाहते हैं कि मेहनत का फल तुरंत मिले। हम चाहते हैं कि रिश्ते कभी न बदलें। और जब जीवन इन चाहतों को पूरा नहीं करता, तो भीतर एक कसक उठती है। यही कसक दुख का पहला रूप है। समस्या दुख में नहीं, हमारी प्रतिक्रिया में है। यदि हम ईमानदारी से देखें, तो दुख हमें रोकने आता है। वह कहता है कि ठहरो। कुछ गलत दिशा में चल रहा है। कुछ भीतर अनसुना रह गया है। दुख आत्मा की वह आवाज है, जो हमें खुद की ओर लौटने के लिए बुलाती है। पर हम उस आवाज को सुनने के बजाय शोर बढ़ा देते हैं। जब हम यह स्वीकार कर लेते हैं कि हां, इस समय मैं दुखी हूं और इसके पीछे कारण है, तब दुख अपनी तीव्रता खोने लगता है। वह स्थायी नहीं रह पाता।

दुख को समझने का एक सरल मार्ग है साक्षी बनना। इसका अर्थ है अपने दुख को देखना, बिना उसे अच्छा या बुरा कहे। समाज ने हमें यह सिखाया है कि मजबूत वही है जो कभी न टूटे। पर सच्चाई यह है कि मजबूत वही है, जो टूटने को समझ ले। जो अपने दुख से लड़े नहीं, बल्कि उसे समझदारी से देखे। ऐसा व्यक्ति भीतर से परिपक्व हो जाता है। उसमें करुणा आती है। वह दूसरों के दुख को भी हल्के में नहीं लेता। आध्यात्मिक दृष्टि से दुख अज्ञान का परिणाम है। हम स्वयं को केवल शरीर और मन मान लेते हैं। जब शरीर थकता है या मन निराश होता है, तो हम कहते हैं कि मैं दुखी हूं। पर जो देख रहा है, वह दुखी नहीं होता। देखने वाला शांत रहता है। यही पहचान धीरे-धीरे दुख को कम करती है। शायद जीवन हमें यही सिखाना चाहता है कि हर अनुभव को समझ के साथ जिया जाए। सुख को पकड़कर नहीं, दुख से भागकर नहीं।

ऑफ दि ट्रैक

इसलिए ख़ूनी बने मच्छर

दिलीप लाल

जंगल कट रहे हैं, लेकिन मच्छर नहीं घट रहे। वे बस अपना रास्ता बदल रहे हैं। ब्राजील के अटलांटिक फॉरेस्ट पर हुए एक नए वैज्ञानिक अध्ययन ने चौंकाने वाली सच्चाई सामने रखी है। जैसे-जैसे जंगल सिमटते जा रहे हैं, मच्छर इंसानों के खून की ओर ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं। एक समय अटलांटिक फॉरेस्ट जैव-विविधता का खजाना हुआ करता था। वहां पक्षी, उभयचर, सरीसृप और स्तनधारी बड़ी संख्या में पाए जाते थे। लेकिन लगातार बढ़ते मानवीय दखल, शहरीकरण और विकास परियोजनाओं के कारण यह जंगल अब अपने मूल आकार से लगभग एक-तिहाई तक सिमट चुका है। जंगल घटने के साथ-साथ वे जानवर भी तेजी से कम हो रहे हैं, जिनसे मच्छर पहले रक्त लेते थे। ऐसे में मच्छरों के सामने भोजन का संकट खड़ा हुआ और उन्होंने सबसे आसानी से उपलब्ध विकल्प चुना- इंसान। जब मच्छरों का संपर्क इंसानों से बढ़ता है, तो जंगलों के आसपास बसे क्षेत्रों में इसका खतरा बढ़ जाता है। ऐसा ही रहा तो मच्छर और भी ज्यादा इंसानी खून के आदी हो जाएंगे। इसलिए जंगलों का संरक्षण प्रकृति को बचाने के लिए ही नहीं, महामारियों को रोकने के लिए भी जरूरी है। यह अध्ययन अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिका Frontiers in Ecology and Evolution में प्रकाशित हुआ है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व बताता है इतिहास का एक कालचक्र पूरा हुआ

ग्लानि नहीं, संस्कृति का गौरव

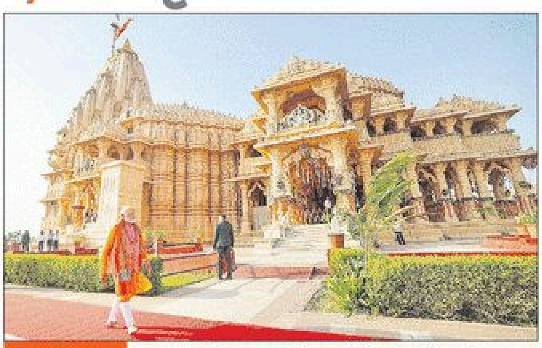

नजरिए का अंतर

- स्वतंत्रता के बाद दो दृष्टियों का हुआ टकराव
- सोमनाथ मंदिर पुनरुद्धार को लेकर था मतभेद
- नेहरू की गलत इतिहास दृष्टि से पटेल का विरोध

भारत जनसंख्या में सबसे बड़ा, सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, Digital Transaction में सबसे आगे और अनेक पैमानों पर शानदार प्रदर्शन करता हुआ, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के लक्ष्य की तरफ बढ़ रहा है। अब यह प्रश्न है कि यह किन मूल्यों के आधार पर विकसित होगा। ध्यान रहे, भारत सिर्फ आधुनिक विश्व की उभरती शक्ति नहीं बल्कि विश्व की एक मात्र जीवंत प्राचीन सभ्यता है। इसका यह स्वरूप इसकी दुर्धर्ष जीवनी शक्ति से बचा है। अनेक बर्बर आक्रमणों के बाद भी अद्भुत संघर्ष करते हुए इसने अपने को अनादिकाल से जीवित रखा है।

सुधांशु त्रिवेदी

संविधान निर्माताओं में मतभेद । स्वतंत्रता के समय यह प्रश्न महत्वपूर्ण था कि स्वतंत्रता की यात्रा सांस्कृतिक गौरव, स्वाभिमान की दिशा में आगे बढ़ेगी या गुलामी की ग्लानि के बोझ में दबी रहेगी। इस पर हमारे संविधान निर्माताओं में मतभेद था। सोमनाथ मंदिर का पुनरुद्धार उसका मुख्य बिंदु था। जहां सरदार पटेल, राजेंद्र प्रसाद, के.एम. मुंशी जैसे लोग सोमनाथ के पुनरुद्धार के पक्ष में थे वहीं पंडित नेहरू इसके विरुद्ध थे। पंडित नेहरू को लगता था कि हिंदू धर्म का पुनरुत्थान secularism के लिए खतरा होगा।

सरदार पटेल का मत । इसके विपरीत सरदार पटेल का मानना था कि इतिहास के हर आक्रमण के बाद सोमनाथ दोबारा खड़ा हुआ है तो स्वतंत्र भारत में इसे पूरे वैभव, गौरव के साथ पुनर्स्थापित होना चाहिए। के.एम. मुंशी का मानना था कि ऐसी स्वतंत्रता का क्या अर्थ जो हमसे गीता छीन ले और मंदिरों का सम्मान करने से रोके (पुस्तक Pilgrimage to freedom)। आश्चर्य की बात यह है कि सोमनाथ के पुनरुद्धार पर secular विरोध मस्जिदों और दरगाहों की मरम्मत सरकारी खर्चे पर नेहरू की सरकार के द्वारा किए जाने पर आड़े नहीं आ रहा था जिसका उल्लेख वी.एन. गाडगिल ने अपनी पुस्तक Government from within में किया है।

धार्मिक उन्माद पर नकाब । यह विरोध सिर्फ राजनीतिक नहीं था, सैद्धांतिक भी था। नेहरू ने अपनी पुस्तक Discovery of India में महमूद गजनी को एक योद्धा और पैसे की चाह में भारत पर आक्रमण करने वाला बताकर उसके धार्मिक उन्माद पर सेकुलर नकाब डालने का काम किया जबकि मध्ययुगीन लेखक फरिश्ता ने अपनी किताब तारीख-ए-फरिश्ता (अंग्रेजी अनुवाद जॉन ब्रिग्स, पेज-43, 44) में स्पष्ट रूप से लिखा है कि गजनी लाखों स्वर्ण मुद्राएं मिलने के प्रस्ताव के बाद भी मूर्ति तोड़ना ही चाहता था ताकि वह एक बुतशिकन (मूर्तिभंजक) बने न कि बुतफरोश (मूर्ति व्यापारी)।

गलत चित्रण । वह मथुरा की इमारतों और मंदिरों को देखकर कहता है कि इनको बनाने में 10 करोड़ दिनार और 200 साल लगे होंगे। लगता है कि ये आदमी ने नहीं जिन्नातों ने बनाए हैं। ये उसके साथ आए इतिहासकार उत्बी ने लिखा है। नेहरू ने Discovery of India में सिर्फ इतना बताकर कहा कि वह एक कला प्रेमी था जबकि उत्बी आगे लिखता है कि महमूद ने सारे मंदिरों को ध्वस्त कर आग लगा देने को कहा (तारीख-ए-यामिनी)।

सबसे रक्तरंजित अध्याय । ये आक्रमण हिंदू समाज के लिए कितने पीड़ादायी थे कि विल डुरांट ने अपनी किताब Story of Civilization में इस घटना उल्लेख किया है और कहा है कि भारत पर मुस्लिम आक्रमण सबसे रक्तरंजित अध्याय है। इसके बाद भी इस कलंक को ढोते हुए कोई राष्ट्र स्वाभिमानी नहीं हो सकता। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ पुनर्स्थापना के 75वें वर्ष और 1026 में सोमनाथ के विध्वंस के सहस्राब्दी वर्ष पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाने का निर्णय लिया।

संयोग या दैवयोग । आज अयोध्या में श्रीराम लला विराजमान की प्राण-प्रतिष्ठा होने और धर्म ध्वजा स्थापित करने के बाद उत्तर प्रदेश से संसद में प्रतिनिधित्व करते हुए प्रधानमंत्री के रूप में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का श्रीगणेश 2026 में कर रहे हैं। मतलब यह कि भारत के इतिहास का एक काल चक्र पूर्ण हो गया है। इसके निमित्त मोदी बने हैं। इसे संयोग मानिए या दैव योग यह आपकी आस्था और विवेक पर निर्भर है। यह पर्व मानो मोदीजी के नेतृत्व में digital और AI की ओर बढ़ते देश की युवा पीढ़ी को यह संदेश दे रहा है कि 'Zen-Z के युवाओ जागो, पुनः नया युग आया है, भारत मां की शक्ति जगी है, धर्म ध्वजा लहराया है।'

(लेखक राज्यसभा सांसद और BJP के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं)

चीन की डंपिंग नीति

5 पॉइंट

चीन का ट्रेड सरप्लस पिछले साल रेकॉर्ड 1.2 ट्रिलियन डॉलर रहा। निर्यात बढ़ाने के लिए चीन ने अपनी मुद्रा युआन को भी कमजोर कर दिया, कीमतें कम की हैं। चीन की इस रणनीति से दूसरे देशों को नुकसान हो रहा।

1 अमेरिका से होड़
चीन अपना सस्ता सामान कई देशों में डंप कर रहा है। मकसद है अपने सामानों की बिक्री के लिए अमेरिकी बाजार पर निर्भरता घटाना और दूसरे मार्केट में जगह बनाना। इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा।

2 कई देशों को नुकसान
चीन की इस रणनीति से उसके प्रतिस्पर्धी देशों - फ्रांस, जर्मनी और जापान को नुकसान उठाना पड़ रहा है। पूर्वी यूरोप और अफ्रीका को भी सस्ते चीनी आइटम से होड़ मुश्किल हो रही।

3 भारत पर असर
GDP में मैन्युफैक्चरिंग की हिस्सेदारी घटकर लगभग 14% रह गई है। भारत ने चीन से होने वाले डंपिंग की जांच के बाद केमिकल्स, इलेक्ट्रिकल स्टील्स समेत कुछ उद्योगों में कड़े शुल्क लगा दिए हैं।

4 कई जगह जांच
दूसरे देशों ने भी चीन की रणनीति के खिलाफ जवाबी शुल्क का रास्ता अपनाया है। डंपिंग को लेकर 120 से अधिक व्यापार जांच चल रही है। जापान, कनाडा, मेक्सिको और थाईलैंड ने टैरिफ लगाना शुरू किया है।

5 मेड इन यूरोप
यूरोप में चीन पेंट, प्लास्टिक, पेपर, टेक और ऑटो इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाली चीजें डंप कर रहा है। इसके लिए यूरोपीय संघ अब 'मेड इन यूरोप' जैसे नियमों पर विचार कर रहा।

प्रस्तुति: अभिषेक मिश्रा

आज लेखक जल्दी में हैं, इसलिए गुणवत्ता घटी

*हिंदी साहित्य की सबसे चर्चित और बेबाक लेखिकाओं में शामिल मैत्रेयी पुष्पा अपने साहसी लेखन और ग्रामीण जीवन के सजीव चित्रण के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने सभी विधाओं में सशक्त लेखन किया है। इनको साहित्य सम्मान सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित मैत्रेयी पुष्पा से **संध्या रानी** ने बातचीत की। प्रस्तुत हैं मुख्य अंश:*

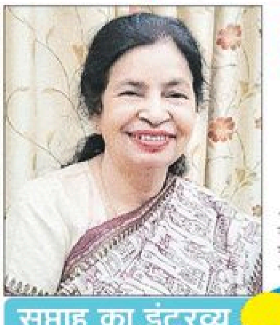

सप्ताह का इंटरव्यू

मैत्रेयी पुष्पा

> **आज प्रेमचंद की तरह नहीं लिखा जा रहा है। समय के साथ काफी बदलाव आया है। आज के लेखक शॉर्टकट अपना रहे हैं। इसके साथ उनकी इच्छा जल्दी प्रसिद्धि पाने और शोहरत कमाने की रहती है। यही कारण है कि लेखन की गुणवत्ता धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है।**

■ **पिछले दशक में हिंदी साहित्य में कई बदलाव देखने को मिले। इन बदलावों को लेकर साहित्य जगत में काफी गहमागहमी भी रही। आप इस पर क्या कहेंगी?**
समय के साथ बदलाव आता है। प्रेमचंद ने जैसा लिखा है, वैसा आज नहीं लिखा जा रहा। आज के लेखक शॉर्टकट अपना रहे हैं। वे जल्दबाजी में लिखना और फिर उसे छपवाना चाहते हैं। इतना ही नहीं वे जल्दी प्रसिद्धि और शोहरत कमाना चाहते हैं। यही कारण है कि लेखन की गुणवत्ता धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है।

■ **आज के लेखक प्रचार को लेकर भी काफी सक्रिय दिखाई देते हैं। ऐसा क्यों?**
हां, ऐसा हो रहा है। इसके लिए फेसबुक को अच्छा माध्यम बनाया गया है। इसका फायदा यह है कि जो बातें आप कहना चाहते हैं, वे आसानी से लोगों तक पहुंच जाती हैं। लेकिन इसका नुकसान यह है कि वहां लिखी गई चीजों को कोई संपादित नहीं करता है।

■ **कुछ समय पहले पुरस्कार वापसी का सिलसिला चला था। इस पर आप क्या कहेंगी?**
सबसे बड़ी बात है कि अगर पुरस्कार लौटाना ही रहता है, तो उसे स्वीकार ही क्यों किया जाता है। उस वक्त ही मना कर देना चाहिए। एक नामी लेखक ने जब अपना पुरस्कार वापस किया तो उनकी देखा-देखी कई लोग ऐसा करने लगे। कुछ लोगों ने तो सच में पुरस्कार वापस कर दिया। मगर, कई इसी उधेड़बुन में रहे कि वापस करें या न करें।

■ **आपने ग्रामीण परिवेश, समाज और खेती को काफी करीब से देखा है। क्या आप किसी ऐसे अनुभव पर लिखना चाह रही हैं?**
आज का किसान पहले जैसा नहीं रह गया है। आज किसान अनपढ़ नहीं है, जिसे कोई आसानी से फुसला सके। आज के किसान पढ़-लिख गए हैं और अपने अधिकारों को बखूबी समझ रहे हैं। धोती-कुर्ता की जगह अब वे भी जींस पहनने लगे हैं। उन्हें दुनिया-जहान की पूरी जानकारी रहती है। आज किसानी का तरीका भी बदल गया है। हल की जगह ट्रैक्टर से खेत जोते जा रहे हैं। अब तो मजदूर भी खुद से अपनी मजदूरी तय कर रहा है। आज के मजदूरों से आप जबरन काम नहीं करवा सकते हैं। प्रेमचंद के जमाने का घीसू और माधव जैसा किसान अब इतिहास है।

■ **क्या आज भी आपका मन गांव की स्मृति में खोया रहता है?**
लोकगीतों से बहुत ताकत मिलती है। मेरी दादी खूब गीत गाती थीं। वह मुझसे भी कहती थीं कि सीख लो और ससुराल में गाना। मैंने एक उपन्यास में भी दादी के गीतों को लिखकर श्रद्धांजलि दी। साथ ही मेरी कलावती चाची के जीवन से प्रेरित होकर भी मैंने एक कहानी लिखी है। हमारे गांव में एक काफी सुंदर बहू थी, लेकिन उसका पति कुरूप था। उस रिश्ते पर भी मैंने एक कहानी लिखी थी।

■ **आप स्त्री लेखन के लिए प्रसिद्ध हैं, लेकिन आप खुद को किस रूप में देखती हैं?**
मुझे जो जरूरी लगा और जिसे समाज में लाना मैंने जरूरी समझा उसी पर लिखा। अक्सर मुझ पर आक्षेप लगाया जाता है कि मैं गांव की औरतों का पक्ष लेती हूं। मगर, सच्चाई है कि मैंने कभी उनका पक्ष नहीं लिया, बल्कि हमेशा उनका उदाहरण दिया है। ग्रामीण औरतों में जो साफगोई और निर्भीकता है, वह किसी और में नहीं है।

■ **आपको सामाजिक रूढ़ियों पर प्रहार करने वाली लेखिका भी कहा जाता है। क्या ये आपकी लेखकीय चेतना का स्वाभाविक हिस्सा है?**
जब मैं छोटी थी, तो अपने सामने हो रहे गलत को देखती थी। लेकिन, तब समझ नहीं पाती थी। जैसे-जैसे बड़ी हुई, समझदारी बढ़ी, तब मैंने अपने लेखन के जरिये उसका विरोध किया।

■ **इन दिनों क्या लिख-पढ़ रही हैं?**
डॉक्टर साहब के जाने के बाद (पति के निधन) मेरी कलम ठहर गई है, क्योंकि जो भी मैं लिखती थी, सबसे पहले डॉक्टर साहब को ही सुनाती थी।

■ **क्या कोई ऐसा सपना या लक्ष्य है, जिसे आप पूरा करना चाहती हैं?**
जीवन में बहुत सी बातें होती हैं, लेकिन हम सब कुछ नहीं लिख सकते। किसी भी तरह के लेखन के लिए कहानी की मांग जरूरी होती है। महज लंबा लिख देने से कुछ नहीं होता है। पाठक तक वही कहानी पहुंचती है, जो उन्हें बांधकर रख सके। जिस व्यक्ति को कहानी या उपन्यास काटना, छांटना और जरूरत के अनुसार जोड़ना आ जाता है वह सही मायने में लेखक बन जाता है।

www.nbt.in

पाउच में मिला ख़ास प्रसाद

खुद अपनी आंख से

शैलेन्द्र श्रीवास्तव

पिछले दिनों आदि कैलाश और ओम पर्वत दर्शन का सुअवसर मिला। पिथौरागढ़ के धारचूला से चलकर हम बर्फीली वादियों, ग्लेशियर और रेत की तरह बिखरी बर्फ की सफेद चादरों के बीच पहुंचे। कंपकंपाती सनसनाती हवाओं ने स्वागत किया। हाथ-पैर सुन्न हो गए थे। लेकिन आदि कैलाश पर्वत के रूप में भोलेनाथ के दर्शन से मन भावुक हो उठा। दंडवत, प्रणाम और सेल्फी का दौर चला। वहां से और भी ऊंचाई पर गौरीकुंड जाने के लिए दो किलोमीटर की फिसलन और ढलान वाली संकरी पगडंडी है।

फिसलन से बचते हुए हम एकदम ऊपर पहुंच गए। सख्त बर्फ जमी हुई थी। आदि कैलाश के एकदम समीप से दर्शन हो रहे थे। बर्फीले सुनसान में वाकई ऑक्सिजन की कमी महसूस हो रही थी। सारी उंगलियां सुन्न थीं। शरीर थोड़ा सा अकड़ गया था। बोला भी नहीं जा रहा था। लेकिन वहां तक पहुंचने की खुशी और उत्साह में आत्मविश्वास, गर्व और संतुष्टि के अद्भुत सकारात्मक भाव उमड़ते रहे। युवा साथी पवन सोनार भी हमारे साथ था। वह हमसे कुछ आगे तक गया। उसने झुक कर भोलेनाथ को प्रणाम किया। लगभग डेढ़ घंटे में हम बर्फीली पहाड़ी से नीचे आ गए। अंधेरा हो गया था।

ठिठुरते हुए हम होमस्टे तक पहुंचे और अलाव की आंच में हाथ-पांव सेंकने लगे। तभी पवन सोनार ने बताया कि पैसों वाला पाउच नहीं मिल रहा है। सुनते ही सबके होश उड़ गए। पिकनिक के सारे पैसे उसी पाउच में थे। रकम बड़ी थी। फौरन खोज और पूछताछ शुरू हुई। कहां गिर गया? जीप में तो नहीं छूटा? कुछ पता नहीं चल रहा था। आखिरकार सभी निराश होकर बैठ गए। मन में तरह-तरह के विचार आ रहे थे। कहीं अनजाने में हमसे हुई किसी किसी गलती से भगवान नाराज तो नहीं। तभी अचानक रोशन के मोबाइल के एक विडियो में पवन सोनार पाउच को आदि कैलाश के समीप बर्फीली जमीन पर रखता हुआ दिखा। अब वहां फिर जाकर ढूंढने की नई चुनौती थी। अगली सुबह छह बजे कंपकंपाती ठंड में पवन सोनार और पवन चव्हाण फिर से आदि कैलाश की ओर रवाना हुए। हम बाकी 16 लोग गुंजी होते हुए ओम पर्वत के दर्शन को निकल गए। करीब एक बजे हम ओम पर्वत देखकर गुंजी लौटे। मोबाइल की रेंज मिल चुकी थी। संदेश आया कि वह पाउच आदि कैलाश के पास सही-सलामत मिल गया है।

सबने कहा कि भगवान नाराज नहीं, बल्कि खुश हैं। उन्होंने रकम थोड़ी देर अपने पास रखकर प्रसाद के रूप में वापस लौटा दिया है। सबने अपने पास से रुपये दिए और पाउच का वह प्रसाद आपस में बांट लिया। हमें भी मिला है वह प्रसाद, जिसे हमने आदि कैलाश का आशीर्वाद मान संजो रखा है।

चलते-चलते...

माना जाता है कि सोशल मीडिया या विडियो गेम पर ज्यादा समय बिताने से किशोरों में अवसाद और चिंता जैसी मानसिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं, लेकिन यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के शोधकर्ताओं ने इसे खारिज किया है। स्टडी के मुताबिक, समस्या स्क्रीन टाइम नहीं, बल्कि ऑनलाइन क्या देखते हैं - यह है।

रीडर्स मेल

▸ आवारा कुत्तों से सावधान

शहरी और ग्रामीण इलाकों में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ गई है। ये कुत्ते न केवल यातायात में बाधक बनते हैं, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी जोखिम बनते जा रहे हैं। इनसे रेबीज नाम की बीमारी फैलती है। ये बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों पर हमले करते हैं। ये पर्यावरणीय अस्वच्छता फैलाते हैं। इनके सड़कों पर घूमने से दुर्घटना का भी अंदेशा रहता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा आवारा कुत्तों पर चिंता वाजिब है। राज्य सरकारों ने इनके काटने से उपचार और मौत के केस में मुआवजे की रकम बढ़ानी चाहिए। इन आवारा कुत्तों की संख्या से बचने के लिए इनकी जनसंख्या पर नियंत्रण करना होगा। आवारा कुत्तों के लिए शेल्टर होम बनाना होगा। विदेशों में तो इसे लेकर बहुत जागरूकता है, जिसका भारत में अभाव दिखता है।

-भगवानदास छारिया, ईमेल से

▸ गिग वर्कर्स का आत्मसम्मान

केंद्र सरकार द्वारा क्विक कॉमर्स कंपनियों को 10 मिनट में डिलिवरी की बाध्यता खत्म करने का निर्देश एक आवश्यक और समयोचित कदम है। यह फैसला केवल विज्ञापन नीति में बदलाव भर नहीं, बल्कि गिग वर्कर्स की सुरक्षा, सम्मान और कार्यदशाओं से जुड़े एक बड़े सवाल को सामने लाता है। हाल के वर्षों में क्विक कॉमर्स सेक्टर ने अभूतपूर्व गति से विस्तार किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत में गिग इकॉनमी से जुड़े कामगारों की संख्या 2029-30 तक 2.3 करोड़ तक पहुंच सकती है। इनमें बड़ा हिस्सा डिलिवरी वर्कर्स का होगा। 10 मिनट डिलिवरी की होड़ ने इस सेक्टर में अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा को जन्म दिया। तेज डिलिवरी के दबाव में डिलिवरी पार्टनर्स को ट्रैफिक नियमों की अनदेखी, तेज रफ्तार और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता था। हालांकि चुनौती अभी खत्म नहीं हुई है।

-विभूति बुपक्या, ईमेल से

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 17-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTM9 User: cci Time: 01-16-2026 23:37 Color:

2017 में MBMC में अविभाजित शिवसेना के 22 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी।

MBMC में BJP का दबदबा, तीन चौथाई सीटों पर पार्टी का कब्जा

22 से 3 सीटों पर आई शिवसेना, कांग्रेस ने 13 सीटों पर विजय पाई

■ अमित तिवारी, मीरा-भाईंदर

मीरा-भाईंदर में बीजेपी ने खुद की उम्मीदों से उम्दा प्रदर्शन करते हुए तीन चौथाई सीटों पर कब्जा जमाया है। मनपा चुनावों में बीजेपी ने 78 सीटों पर जीत हासिल की है। चुनाव से पहले यहां बीजेपी ने 70 पार का नारा दिया था, हालांकि टिकट वितरण से अंदरूनी नाराजगी के चलते 70 पार के समीकरण पर प्रश्नचिन्ह लगने लगे थे। चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान मीरा-भाईंदर में लगातार सक्रिय रहे प्रताप सरनाईक की मेहनत फीकी पड़ गई। यहां शिंदेसेना के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है, क्योंकि 2017 में अविभाजित शिवसेना में 22 नगरसेवक चुने गए थे, वहीं इस बार केवल 3 नगरसेवक चुनकर आए। जबकि, कांग्रेस ने पिछली बार के मुकाबले 1 सीट ज्यादा हासिल करते हुए अपना टैली 13 तक पहुंचाया। वहीं, बीजेपी के बागी अनिल भोसले ने निर्दलीय जीतने में कामयाब हुए।

चुनाव से पहले बीजेपी ने 70 पार का लगाया था नारा, 78 पर जीत हासिल की

कई दिग्गज हारे, नए चेहरों को मौका

बदले राजनीतिक समीकरण में जहां कई दिग्गज नेताओं को हार का सामना करना पड़ा, वहीं कई नए चेहरों ने अप्रत्याशित जीत दर्ज कर राजनीति में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। पूर्व महापौर केटलिन परेरा, पूर्व उपमहापौर प्रवीण पाटील, जिलाप्रमुख राजू भोईर के अलावा दिनेश नालावडे, राजू वेलेरकर जैसे दिग्गज नेताओं को हार झेलनी पड़ी। बता दे कि बीजेपी विधायक नरेंद्र मेहता ने राजू भोईर को हराने की कसम खाई थी। बीजेपी के जीत की सुनामी में नए चेहरों को सबसे ज्यादा फायदा हुआ। मानसी शर्मा, किमाया रकवी, कोमल नावन्धर, मेबल कोरिया, कविता त्रिपाठी जैसे ताजातरीन उम्मीदवारों ने जीत का परचम लहराया। इनमें कुछ उम्मीदवार ऐसे भी थे, जिनका पार्टी में प्रवेश किसी समीकरण के तहत नामांकन से कुछ घंटे, कुछ दिन अथवा कुछ महीने पहले हुआ था।

राजनीतिक फेरबदल तीन प्रमुख कारण

1. नए वोटर्स पर BJP की पकड़

वर्ष 2017 के मनपा चुनावों के मुकाबले 2026 मनपा चुनाव में 3 लाख नए मतदाता जुड़े हैं। नए मतदाताओं में बड़ा हिस्सा शहरी भाग में है, जो कि परंपरागत रूप से बीजेपी का मतदाता है। इसके अलावा नए मतदाताओं में बड़ी संख्या हिंदीभाषी मतदाताओं की है, जो कि बीजेपी समर्थक माने जाते हैं।

2. बड़ा संगठन, कार्यकर्ताओं की फौज

बीजेपी की जीत में एक सबसे बड़ा कारण बीजेपी का संगठन और कार्यकर्ताओं की बड़ी फौज भी है। जहां बीजेपी की मुख्य प्रतिद्वंद्वी शिंदेसेना में पास अपेक्षाकृत छोटा संगठन और कम कार्यकर्ता हैं। जिसके परिणामस्वरूप बीजेपी के जिन प्रभागों में बागी खड़े थे, उनका लाभ शिंदेसेना लेने में कामयाब नहीं रही। इसी कारण कुछ प्रभागों में शिंदेसेना कई हार 15 वोट से लेकर 500 वोट के बीच में हुई।

3. UBT और MNS ने बिगाड़ा शिंदेसेना का गणित

बागियों के बावजूद बीजेपी न केवल अपने गढ़ में जलवा बरकरार रखा, बल्कि शिंदेसेना के अब तक अभेद किलों को भी ध्वस्त कर दिया। शिंदेसेना के वर्चस्व व प्रभाव वाले प्रभाग 3, 4, 10, 11 और 16 के कुल 20 सीटों में 19 पर बीजेपी ने अपना परचम लहरा दिया। प्राथमिक आंकड़ों में एक बात सामने आई है कि शिंदेसेना जितने वोटों से हारी है, उससे ज्यादा वोट उद्धव सेना और मनसे के उम्मीदवार को मिले हैं। ऐसे में, उद्धव सेना और मनसे ने शिंदेसेना का पूरा गणित बिगाड़ दिया।

NMMC: परिवारवाद की परीक्षा में कई उम्मीदवार फेल

■ NBT न्यूज, नवी मुंबई: नवी मुंबई महानगरपालिका चुनाव में बीजेपी और शिवसेना ने कई प्रभागों में एक परिवार के दो से तीन उम्मीदवार मैदान में उतारे। कुछ परिवारों को छोड़कर ज्यादातर उम्मीदवार हार गए। हालांकि गणेश नाईक परिवार के तीनों सदस्य चुनाव जीतने में सफल रहे।

प्रभाग 1 और 2 में बीजेपी और शिवसेना के दो परिवारों के बीच मुकाबला था। इसमें बीजेपी के नाईक गवते परिवार के तीनों सदस्य हार गए, जबकि शिवसेना के विजय चौगुले परिवार के चारों उम्मीदवार विजयी रहे। चौगुले परिवार के विजय चौगुले, बेटे शुभम चौगुले, ममिता चौगुले और बेटी चांदनी चौगुले जीत गए। प्रभाग 4 और 5 में शिवसेना की टिकट पर चुनाव लड़ रहे

एम. के माढ़ी परिवार के तीनों सदस्य हार गए। प्रभाग 14 से शिवसेना उम्मीदवार सुरेश कुलकर्णी के बेटे महेश कुलकर्णी हार गए। हालांकि प्रभाग 20 से सुरेश कुलकर्णी और उनकी बहू श्रद्धेनी कुलकर्णी विजयी रहीं।

एक परिवार के तीन उम्मीदवार हारे

इसी प्रभाग से भाजपा के अमित मोहरकर परिवार के तीनों उम्मीदवार हार गए। प्रभाग 15 में शिवसेना के विलास मोहरे और उनकी पत्नी उषा मोहरे को हार मिली। इसी प्रभाग में डी.आर पाटील परिवार की शुभांगी पाटील और शशिकाल पाटील बीजेपी तथा कविता पाटील शिवसेना से चुनी गईं। कविता के पति चंद्रकांत पाटील हार गए।

प्रभाग 17 से अविनाश लाड की पत्नी प्रगती लाड, सोनवी लाड जीतीं। 22 वर्षीय सोनवी लाड नवी मुंबई की सबसे युवा नगरसेवक बनी हैं। प्रभाग 18 से दशरथ भगत परिवार के तीनों सदस्य जीते, जबकि प्रभाग 19 से शिवसेना के सेमनाथ वाशकर परिवार के तीनों उम्मीदवारों हार गए। यह परिवार पिछले करीब 30 वर्षों से यहां जीत दर्ज करता आ रहा था। प्रभाग क्रमांक 23 से शिवसेना के नामदेव भगत और उनकी पत्नी भी पराजित हुए।

जीत के जश्न पर सख्ती, भिवंडी में विजय जुलूसों पर लगी रोक

■ NBT न्यूज, भिवंडी : मनपा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद भिवंडी शहर के कई इलाकों में तनावपूर्ण स्थिति देखने को मिली, जिसके चलते पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। कुछ क्षेत्रों से मामूली झड़पों की सूचना मिली थी, हालांकि समय रहते पुलिस के हस्तक्षेप से हालात पर काबू पा लिया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार प्रभाग क्रमांक 15 में शिंदेसेना के उम्मीदवारों की जीत के बाद कल्याण रोड स्थित लकड़ा मार्केट

पुलिस हाई अलर्ट पर

इलाके में दो राजनीतिक दलों के समर्थकों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने के बाद इलाके में तनाव फैल गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

पुलिस की गश्त बढ़ी

चुनावी परिणामों के मद्देनजर प्रभाग क्रमांक 1, 10, 15 और 21 सहित अन्य संवेदनशील इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। डीसीपी शशिकांत बेवारे ने बताया कि लकड़ा मार्केट क्षेत्र में पथराव की घटना हुई, जिसमें दो लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि इस मामले में भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया जा रहा है और घटना में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीसीपी बेवारे ने स्पष्ट किया कि शहर में विजय जुलूस निकालने पर रोक लगाई गई है। किसी भी राजनीतिक दल को जुलूस निकालने के लिए पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति जुलूस निकालने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विज्ञापन संख्या: 6/2026
भारत सरकार
लोक उद्यम चयन बोर्ड

बीईएमएल लिमिटेड
में
निदेशक (खनन एवं निर्माण)

पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।
आवेदकों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि
05 फ़रवरी, 2026 (15.00 बजे तक) है।
नोडल अधिकारियों द्वारा आवेदनों को लोक उद्यम चयन बोर्ड में अग्रेषित करने की अंतिम तिथि
16 फ़रवरी, 2026 (17.00 बजे तक) है।
जानकारी के लिए वेबसाइट https://pesb.gov.in में लॉग इन करें।

नेरुल में आग, 15 झुग्गियां जली

■ NBT न्यूज, नवी मुंबई : नेरुल गांव के पास स्थित झोपड़ियों इलाके में शुक्रवार दोपहर अचानक भीषण आग लग गई, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते 10 से 15 झुग्गियां इसकी चपेट में आ गईं। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। बताया गया है कि आग लगने पर झुग्गियों में रखे 5 से 7 घरेलू गैस सिलेंडरों में एक के बाद एक जोरदार धमाके हुए।

मुंबई मैराथन के लिए चलेगी 5 स्पेशल ट्रेनें

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: रविवार को होने जा रही मुंबई मैराथन में हिस्सा लेने वाले रनर्स की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे ने 3 और मध्य रेलवे ने 2 विशेष लोकल ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। पश्चिम रेलवे पर 18 जनवरी को रात 2.15 बजे एक विशेष धीमी लोकल ट्रेन विरार से चलेगी और 3.55 बजे चर्चगेट पहुंचेगी। दूसरी विशेष धीमी ट्रेन रात 3.05 बजे बोरीवली से चलेगी और 4.13 बजे चर्चगेट पहुंचेगी। तीसरी विशेष धीमी लोकल रात 3 बजे चर्चगेट से चलेगी और 3.34 बजे बांद्रा पहुंचेगी।

पश्चिम रेलवे 3 और मध्य रेलवे ने 2 ट्रेनें चलाने की घोषणा की

वहीं मध्य रेलवे की मेन लाइन पर विशेष धीमी लोकल ट्रेन कल्याण से रात 2.30 बजे चलेगी और 4 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई पहुंचेगी। हार्बर लाइन के पनवेल स्टेशन से रात 2.25 बजे प्रस्थान करने वाली विशेष धीमी लोकल 4 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई पहुंचेगी।

बस मार्गों में बदलाव: मैराथन के मद्देनजर मुंबई यातायात पुलिस द्वारा यातायात प्रतिबंध लागू किए जाएंगे। इस रेस का मुख्य मार्ग छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस–हुतात्मा चौक–चर्चगेट–मरीन ड्राइव–पेडर रोड–हाजी अली–बांद्रा–वर्ली सी लिंक–माहिम–प्रभादेवी–हाजी अली होते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस रहेगा। परिणामस्वरूप, इन मार्गों से गुजरने वाली सभी बस सेवाएं सावन-डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मार्ग–ने.जे. अस्पताल–सिंधु पुल (कर्नाक बंदर), पी. डी'मेलो रोड सहित भागतसिंह मार्ग तथा शिव यशवंत मार्ग–सेनापति बापट मार्ग–डॉ. ई. मोसेस मार्ग–महालक्ष्मी स्टेशन–मातरुता मार्ग पर डायवर्ट की जाएंगी। बस मार्ग क्रमांक ए-76, ए-77, ए-78, ए-105, ए-106, ए-108, ए-112, ए-123, ए-118, ए-132, ए-137 और ए-155 का संचालन रेस के दौरान अस्थायी रूप से स्थगित किया जाएगा।

फटाफट खबरें

बजट के दिन शेयर बाज़ार खुला रहेगा

NBT रिपोर्ट, मुंबई: शेयर बाजार आमतौर पर शनिवार और रविवार को बंद रहता है। लेकिन इस बार 1 फरवरी को रविवार होने के बावजूद बाजार खुला रहेगा। NSE और BSE ने शुक्रवार को बताया कि वे 1 फरवरी (रविवार) को 'लाइव ट्रेडिंग' करेंगे। इस दिन केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश का आम बजट पेश करेंगी।

टाइगर ग्लोबल से होगी टैक्स वसूली

पीटीआई, नई दिल्ली: इनकम टैक्स विभाग अब टाइगर ग्लोबल कंपनी मामले में टैक्स वसूलने की प्रक्रिया को पूरा करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने टैक्स विभाग के पक्ष में फैसला सुनाते हुए साफ कर दिया है कि टाइगर ग्लोबल को अपनी 14,500 करोड़ रुपये की कमाई पर भारत में टैक्स देना होगा। यह मामला 2018 में हुई फ्लिपकार्ट और वॉलमार्ट की बड़ी डील से जुड़ा है।

'बीज बिल से किसानों की रक्षा'

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बीज विधेयक के मसौदे को लेकर उठ रहे सवालों को खारिज करते हुए शुक्रवार को कहा कि इससे किसानों के हितों की रक्षा के प्रावधान है। उन्होंने कहा कि जहां नकली बीज बेचने वाली कंपनियों पर सख्त कार्रवाई के नियमों का प्रस्ताव इसमें है, वहीं किसान परंपरागत तरीके से आपस में बीजों का जो आदान-प्रदान करते रहे हैं, उस पर कोई रोकटोक नहीं होगी।

'ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट को मिलेगा बढ़ावा'

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स ने शुक्रवार को कहा कि ड्यूटी ड्रॉबैक और RoDTP जैसी निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ 15 जनवरी से पोस्टल शिपमेंट्स में भी मिलेगा। FIEO के प्रेसिडेंट एस सी रल्हन ने कहा, इससे MSME और ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट में सहूलियत होगी।

अब फीस और टैक्स को अलग-अलग बताएंगे MF

Sebi लाया BER फॉर्म्युला, निवेशकों की होगी बचत

AI Image

NBT रिपोर्ट, मुंबई: बाजार नियामक सेबी (Sebi) ने म्यूचुअल फंड के नियमों में बड़े बदलावों का ऐलान किया है। सेबी ने खर्चों को दिखाने के लिए बेस एक्सपेंस रेशियो (BER) का नया तरीका पेश किया है। अब फंड हाउस को मैनेजमेंट फीस और सरकार को जाने वाले टैक्स (GST और STT) को अलग-अलग दिखाना होगा। इससे निवेशकों को साफ-साफ पता चलेगा कि उनका कितना पैसा फंड चलाने में खर्च हो रहा है और कितना टैक्स में जा रहा है। अभी तक फंड हाउस टोटल एक्सपेंस रेशियो (TER) के नाम पर सारा खर्च एक साथ दिखाते थे। ये नए नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे।

सेबी ने साफ कर दिया है कि म्यूचुअल फंड स्कीम के सभी खर्चे स्कीम से ही दिए जाने चाहिए और उनकी एक तय सीमा होगी। अगर फंड चलाने का खर्च सेबी द्वारा तय की गई सीमा से ज्यादा होता है, तो वह एक्स्ट्रा पैसा निवेशकों की जेब से नहीं, बल्कि असेट मैनेजमेंट कंपनी (AMC) को अपनी जेब से देना होगा।

शेयरों की खरीद-फरोख्त पर लगने वाले ब्रोकरेज चार्ज को भी सेबी ने घटा दिया है। कैश मार्केट के लिए इसे 0.12% से घटाकर 0.06% और डेरिवेटिव्स के लिए 0.05% से घटाकर 0.02% कर दिया गया है। 2018 में शुरू किया गया 0.05% का अतिरिक्त एग्जिट लोड भी अब खत्म कर दिया गया है।

सेबी का प्रस्ताव, बार-बार डॉक्युमेंट्स देने से मिलेगी निजात

सेबी ने शुक्रवार को एक प्रस्ताव पेश किया, जिसका मकसद ग्राहकों के लिए खाता खोलने की प्रक्रिया को सरल बनाना और केवाईसी रजिस्ट्रेशन एजेंसियों (KRAs) के रिस्क मैनेजमेंट सिस्टम को मजबूत करना है। सेबी का प्रस्ताव है कि ग्राहकों द्वारा दी जाने वाली अतिरिक्त जानकारियों को अब KRA के पास एक ही जगह सेंट्रलाइज किया जाएगा। इसका फायदा यह होगा कि निवेशकों को अलग-अलग ब्रोकरों या संस्थानों के पास जाने पर बार-बार वही जानकारी नहीं देनी पड़ेगी। सेबी ने बार-बार होने वाली वेरिफिकेशन को भी कम करने का सुझाव दिया है। आधार से लिंक मोबाइल नंबर और अपडेटेड पैन-आधार होने पर अलग से वेरिफिकेशन या सबूत की जरूरत नहीं होगी। वहीं, भारत में 182 दिनों से ज्यादा समय से रहने वाले OCI कार्ड धारकों के लिए विदेशी एड्रेस देना जरूरी नहीं होगा।

FPIs के लिए नियम आसान

विदेशी निवेशकों (FPIs) को लुभाने के लिए सेबी ने 'SWAGAT-FI' सिस्टम के तहत नियमों को बेहद आसान कर दिया है। अब विदेशी निवेशकों को अलग-अलग श्रेणियों में रजिस्ट्रेशन के लिए अलग-अलग फॉर्म नहीं भरने होंगे। रजिस्ट्रेशन और केवाईसी की वैधता को 5 साल से बढ़ाकर 10 साल कर दिया गया है। यह बदलाव जून 2026 से लागू होगा।

लेबर कोड में गिग वर्कर्स के लिए नरम होंगे नियम!

Akhilesh.Singh1@timesofindia.com

नई दिल्ली: लेबर कोड में गिग वर्कर्स को सोशल सिक्योरिटी बेनेफिट्स देने के लिए जिन शर्तों का प्रस्ताव किया गया है, उन्हें नरम बनाया जा सकता है। इनमें गिग वर्कर्स के लिए साल में एक एग्रीगेटर के पास कम से कम 90 दिन काम करने की शर्त प्रस्तावित है। श्रम मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि नियम में ढील दी जा सकती है।

मंत्रालय ने 31 दिसंबर को सोशल सिक्योरिटी कोड सहित चारों लेबर कोड के मसौदा नियम प्री-पब्लिश किए थे और सार्वजनिक प्रतिक्रिया लेने के लिए 45 दिनों का समय तय किया था। इसमें कहा गया है कि एक एग्रीगेटर के पास साल में कम से कम 90 दिन और कई एग्रीगेटर के मामले में कम से कम 120 दिन काम करने वालों को सोशल सिक्योरिटी बेनेफिट मिलेंगे। गिग वर्कर एक ही दिन में 2 प्लैटफॉर्म्स के लिए काम करे तो उसे दो दिन का काम गिना जाएगा।

सोशल सिक्योरिटी बेनेफिट के लिए एक प्लैटफॉर्म पर मिनिमम 90 के बजाय 60 दिन काम की सीमा हो सकती है

AI Image

हालांकि इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (IFAT) के नैशनल जनरल सेक्रेटरी शेख सलाउद्दीन ने NBT से कहा, 'जोमाटो के दीपिंदर गोयल ने पिछले दिनों पूरी जिम्मेदारी से कहा था कि उनके यहां गिग वर्कर्स साल में अमूमन 30-35 दिन काम करते हैं। दूसरों के यहां भी ऐसा ही हाल हो सकता है। सरकार को रियल टाइम डेटा मैच करना चाहिए और 90 दिनों की सीमा पर विचार करना चाहिए।'

गिग वर्कर्स की हड़ताल के मद्देनजर जोमाटो के CEO गोयल ने 3 जनवरी को कहा था, '2025 में जोमाटो पर ऐवरेज डिलीवरी पार्टनर ने साल में 35 दिन काम किया। केवल 2.3% पार्टनर्स ने साल में 250 दिन से ज्यादा काम किया। गिग रोल्स के लिए PF या गारंटीड सैलरी जैसे फुल टाइम एंप्लॉयी बेनेफिट इस मॉडल के साथ फिट नहीं होते।'

मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, '90 दिनों की लिमिट अभी प्रस्ताव के रूप में है। संबंधित पक्षों की प्रतिक्रियाएं मिलने के बाद जरूरी हुआ तो फाइनल रूल्स में इसे घटाकर 60 दिन किया जा सकता है।'

पॉजिटिव बदलाव की ओर बढ़े कदम

NBT Lens — खबरों के अंदर की बात

इकॉनमी के बदलते स्वरूप में गिग वर्क तेजी से बढ़ रहा है और नीति आयोग के मुताबिक, साल 2029-30 तक गिग वर्कर्स की संख्या 2.35 करोड़ हो सकती है। ऐसे आम हिस्से के लिए आधार लिंक्ड यूनिवर्सल अकाउंट नंबर के जरिए PF सहित सोशल सिक्योरिटी के इंतजाम की ओर बढ़ना एक सकारात्मक बदलाव है। लेबर कोड के मुताबिक, एग्रीगेटर्स को सालाना टर्नओवर का 1-2% तक इन वर्कर्स की सोशल सिक्योरिटी के लिए देना होगा।

RBI ने शिकायतों के निपटारे के लिए जारी किए नए नियम

NBT रिपोर्ट, मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने शुक्रवार को अपनी एकीकृत लोकपाल योजना 2026' का नया और बेहतर वर्जन जारी किया है। इस योजना का मकसद बैंक और वित्तीय संस्थानों के ग्राहकों की शिकायतों को और भी तेजी से दूर करना है। आरबीआई के ये नए नियम 1 जुलाई 2026 से लागू होंगे। लोकपाल के पास होने वाली सुनवाई फास्ट-ट्रैक किस्म की होगी। इसमें कागजी सबूतों और कानूनी बारीकियों के नाम पर मामले को लटकाया नहीं जाएगा। अगर शिकायतकर्ता को बैंक की गलती से कोई आर्थिक नुकसान होता है, तो लोकपाल 30 लाख रुपये तक का मुआवजा दिला सकता है। ग्राहक को मानसिक परेशानी देने पर हर्जाना दिलाया जा सकता है।

रिटेल में सुस्ती, पर जियो में रिलायंस को मज़बूती

AI Image

NBT रिपोर्ट, मुंबई: दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे घोषित किए। कंपनी का शुद्ध मुनाफा (नेट प्रॉफिट) पिछले साल के मुकाबले लगभग स्थिर रहा और यह 18,645 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। पिछले साल इसी दौरान यह 18,540 करोड़ रुपये था।

इसकी मुख्य वजह रिलायंस के रिटेल (खुदरा) कारोबार में आई सुस्ती रही, जिसने दूसरे सेक्टरों से हुए मुनाफे के असर को कम कर दिया। हालांकि, कंपनी के एनर्जी और डिजिटल (जियो) कारोबार ने अच्छा प्रदर्शन किया और मुनाफे को गिरने से बचा लिया। वहीं, इस दौरान कंपनी के कुल रेवेन्यू में 11 प्रतिशत का जोरदार उछाल देखा गया और यह 2.69 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा, रिलायंस अब एआई (AI) और न्यू एनर्जी के क्षेत्र में काम शुरू कर रही है, जिससे कंपनी की वैल्यू और बढ़ेगी। मुझे पूरा भरोसा है कि रिलायंस इन नई तकनीकों को भारत और पूरी दुनिया के लिए बड़े स्तर पर उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाएगी।

JIO ने दिखाई दमदार ग्रोथ

रिलायंस इंडस्ट्रीज की टेलीकॉम इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स ने FY2025-26 की तीसरी तिमाही (Q3) में शानदार प्रदर्शन किया है। जियो का EBITDA सालाना आधार पर 16.4% बढ़कर 19,303 करोड़ रुपये हो गया, जबकि शुद्ध लाभ 11.2% बढ़कर 7,629 करोड़ रुपये रहा। तिमाही के दौरान जियो ने 89 लाख नए ग्राहक जोड़े और दिसंबर 2025 तक कंपनी का कुल सब्सक्राइबर बेस 51 करोड़ 53 लाख पहुंच गया। प्रति व्यक्ति डेटा खपत 40.7 जीबी प्रति माह रही, जबकि कुल डेटा ट्रैफिक सालाना आधार पर 34% बढ़कर 62.3 अरब जीबी पहुंच गया।

Wipro का लाभ 7% गिरा

आईटी सेक्टर की कंपनी Wipro ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे जारी किए। इस तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 7 प्रतिशत गिरकर 3,119 करोड़ रुपये रहा। वहीं, लग्जरी होटल चलाने वाली लीला पैलेस होटल्स एंड रिसॉर्ट्स का नेट प्रॉफिट 147.88 करोड़ रुपये रहा। टाटा टेक्नोलॉजीज का शुद्ध मुनाफा (PAT) 96% गिरकर 6.64 करोड़ रुपये रह गया है।

अब पेट्रोल स्कूटर की कीमत में ई-स्कूटर

Khalid.Amin@timesofindia.com

AI Image

नई दिल्ली: इलेक्ट्रिक टू-वीलर बाजार में अब एक साफ और मजबूत ट्रेंड बनता दिख रहा है। जो ई-स्कूटर कुछ साल पहले तक महंगे और सीमित ग्राहकों के लिए माने जाते थे, वे अब पेट्रोल स्कूटर की कीमत के आसपास आ गए हैं। 85 से 95 हजार रुपये की रेंज में बजाज, टीवीएस और हीरो मोटोकॉर्प जैसी बड़ी और स्थापित कंपनियों के किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटर आना इस बात का संकेत है कि ईवी अब मेन स्ट्रीम की ओर तेजी से बढ़ सकती है।

हाल ही में बजाज ऑटो ने चेतक सीरीज का सबसे सस्ता मॉडल Chetak C25 01 करीब 91 हजार रुपये में लॉन्च किया है। टीवीएस और हीरो मोटोकॉर्प पहले से ही इसी रेंज में अपने किफायती ई-स्कूटर पेश कर चुके हैं। इसका सीधा मुकाबला अब पेट्रोल स्कूटर से हो रहा है, न कि सिर्फ दूसरे ई-स्कूटर से। ऑटो इंडस्ट्री से जुड़े जानकार मानते हैं कि यह कीमत का स्तर ईवी को तेजी से अपनाने में बड़ा रोल निभा सकता है। जब ग्राहक के सामने 90 हजार रुपये में पेट्रोल और इलेक्ट्रिक, दोनों का विकल्प हो, तो वह खर्च, मेंटेनेंस और भविष्य को देखकर फैसला करेगा। इस स्थिति में ई-स्कूटर ज्यादा मजबूत दावेदार बन जाता है, क्योंकि इसमें फ्यूल का खर्च न के बराबर होता है और सर्विसिंग भी सस्ती पड़ती है।

बजाज चेतक C25 01 इसका एक ताजा उदाहरण है। कीमत को काबू में रखने के लिए इसमें कुछ प्रीमियम फीचर्स को सिंपल बनाया गया है, लेकिन जरूरी टेक्नोलॉजी और सेफ्टी पर समझौता नहीं किया गया। इसमें 2.5 kWh की बैटरी, 113 किमी की क्लेम्ड रेंज, एलईडी लाइट्स, 25 लीटर का स्टोरेज और बेसिक स्मार्ट फीचर्स दिए गए हैं।

यही सोच दूसरी कंपनियों में भी दिख रही है। टीवीएस अपने आईक्यूब के जरिए किफायती सेगमेंट में मजबूत मौजूदगी बना चुका है, जबकि हीरो मोटोकॉर्प ने VIDA सीरीज के दाम घटाकर मुकाबला और तेज कर दिया है।

हालांकि, चुनौतियां अभी भी हैं। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर अभी हर जगह मजबूत नहीं है। बैटरी की लाइफ और रीसेल वैल्यू को लेकर भी ग्राहक अभी पूरी तरह श्योर नहीं हैं। लेकिन कीमत के स्तर पर जो बदलाव आया है, वह इन चिंताओं को काफी हद तक संतुलित कर रहा है। कुल मिलाकर, पेट्रोल स्कूटर की कीमत में इलेक्ट्रिक स्कूटर का आना इंडस्ट्री के लिए टर्निंग पॉइंट माना जा सकता है।

EU के साथ ट्रेड पर सुपर डील होगी: गोयल

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि यूरोपियन यूनियन के साथ होने वाला फ्री ट्रेड एग्रीमेंट अब तक किए गए तमाम व्यापार समझौतों से बड़ा होगा। उन्होंने कहा कि 'हमें सुपर डील मिलने जा रही है।' इस FTA पर अभी दोनों पक्षों में बातचीत चल रही है। गणतंत्र दिवस के मौके पर EU के टॉप लीडर्स मुख्य अतिथि के रूप में आ रहे हैं और 27 जनवरी को इंडिया-EU समिट में FTA का ऐलान हो सकता है। गोयल ने कहा कि उनके नेतृत्व में अब तक 7 व्यापार समझौते विकसित देशों के साथ किए गए हैं, लेकिन EU के साथ समझौता सबसे बड़ा होगा।

नवभारत टाइम्स

Enterटेनमेंट masalamix

अपने विवादित शब्दों पर हनी सिंह ने मांगी माफी

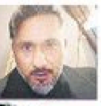

रैपर यो यो हनी सिंह एक कॉन्सर्ट के दौरान अश्लील टिप्पणी करके विवादों में फंस गए। अब हनी ने वीडियो जारी कर माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि उनका इरादा युवाओं को सुरक्षित सेक्स का संदेश देने का था पर शब्दों का चयन गलत हो गया। वह आगे सावधान रहेंगे।

इस साल OTT पर हिट रहेंगे पुराने शोज के नए सीजन!

> अब कम ही ऐसे शोज आ रहे हैं जिनके नए सीजन आ पाएं। यहां भी एक ठहराव आ गया है।
> - हुमा कुरैशी, ऐक्टर

2026 में इन नए सीजन का इंतजार

कोहरा 2, द रॉयल्स 2, सिंगल पापा 2 (संभावित)	(नेटफ्लिक्स)
अनदेखी 4, गुल्लक 5	(सोनी लिव)
पंचायत 5	(प्राइम विडियो)
बिंदिया के बाहुबली 2	(एमएक्स प्लेयर)

Upma.Singh@timesofindia.com

ओटीटी के कॉन्टेंट को समृद्ध बनाने में पुराने हिट शोज के नए-नए सीजन का बड़ा योगदान रहा है। यही वजह है कि यह सिलसिला साल दर साल जारी है। ऐसे में, साल 2026 में भी अनदेखी, गुल्लक और पंचायत जैसी OTT की चर्चित वेब सीरीज के नए सीजन दर्शकों का मनोरंजन करेंगे।

हिट शोज के सीक्वल का सिलसिला रहेगा जारी

नए साल में पुराने हिट शोज की नई कड़ियां जुड़ने का सिलसिला सोनी लिव के शो फ्रीडम ऐट मिडनाइट 2 के साथ शुरू हो चुका है। देश के विभाजन पर आधारित 2024 में आए निखिल आडवाणी निर्देशित इस शो को काफी पसंद किया गया था, वहीं इसके दूसरे सीजन को भी काफी तारीफें मिलीं। इस प्लैटफॉर्म पर शार्क टैंक इंडिया और मास्टरशेफ इंडिया के नए सीजन के अलावा अनदेखी 4 और गुल्लक 5 जैसे चर्चित शो के नए सीजन भी देखने को मिलेंगे। इसी तरह, प्राइम विडियो पर पंचायत का 5वां सीजन दर्शकों को लुभाएगा तो एम एक्स प्लेयर पर रणवीर शौरी और विनीत कुमार स्टारर बिंदिया के बाहुबली का दूसरा सीजन आएगा। जबकि, नेटफ्लिक्स पर बरुण सोबती और सुविंदर विकी स्टारर चर्चित शो कोहरा का दूसरा सीजन, जीनत अमान, भूमि पेडनेकर, ईशान खट्टर, डीनो मोरिया, चंकी पांडे जैसे स्टार से सजे द रॉयल्स का सेकंड सीजन और कुणाल खेमू की मुख्य भूमिका वाली वेब सीरीज सिंगल पापा का दूसरा सीजन भी आ सकता है। हालांकि, अभी इन शोज की रिलीज डेट्स की अनाउंसमेंट बाकी है।

2025 में भी रहा नए सीजन का दबदबा

बीते साल भी ओटीटी पर पुराने शोज के नए सीजन का काफी दबदबा रहा। जियो हॉटस्टार पर केके के स्पेशल ऑप्स का सीजन 2, काजोल के द ट्रायल का सीजन 2, पंकज त्रिपाठी के हिट शो क्रिमिनल जस्टिस का सीजन 4 चर्चा में रहा, तो सोनी लिव पर हुमा कुरैशी की मुख्य भूमिका वाली सीरीज महारानी का चौथा सीजन आया। नेटफ्लिक्स पर भी दिल्ली क्राइम 3, राणा नायडू 2, खाकी: द बंगाल चैप्टर जैसे नए सीजन आए। इसी तरह, प्राइम विडियो पर भी बीते साल पाताल लोक 2, पंचायत 4, फैमिली मैन सीजन 3, फोर मोर शॉट्स प्लीज 4 जैसे कई हिट शोज के सीक्वल आए। वहीं, एमएक्स प्लेयर पर बॉबी देओल के एक बदनाम आश्रम और सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ अभिनीत क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज हंटर: टूटेगा नहीं तोड़ेगा 2 भी चर्चा में रहा।

शो हिट, तो सीजन फिट

ओटीटी पर सीरीज के नए सीजन की ये कड़ियां तभी जुड़ती हैं, जब शो हिट हो, वरना कई बार धूमधाम से आए पहले सीजन के नए चलने पर आगे की कहानी डब्बे में ही बंद रह जाती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण अनुराग कश्यप का चर्चित शो सेक्रेड गेम्स है, जिसके दूसरे सीजन को दर्शकों की सुस्त प्रतिक्रिया मिलने के बाद तीसरे सीजन को हरी झंडी ही नहीं मिली। इसी तरह, शाहरुख खान की इमरान हाशमी स्टारर बार्ड ऑफ ब्लड, माधुरी दीक्षित की द फेम गेम, तिग्मांशु धूलिया की द ग्रेट इंडियन मर्डर सरीखी कई वेब सीरीज को दर्शकों की ठंडी प्रतिक्रिया मिलने के चलते पहले सीजन के बाद ही बंद कर दिया गया, जबकि शो के अंत में कहानी आगे बढ़ाने का इशारा साफ तौर पर किया गया था। इस लिहाज से ओटीटी के शुरुआती दौर में आए पंचायत, मिर्जापुर, अनदेखी, महारानी, देल्ही क्राइम, गुल्लक जैसी शोज के ही सीजन दर सीजन आ रहे हैं, जबकि हाल के सालों में आए कुछ ही कहानियां नए सीजन तक पहुंच पाई हैं।

गोल्डन ग्लोब्स फैशन में सेलेना-प्रियंका टॉप पर

अपने फैंस के दिलों पर राज करने वाली सेलेना गोमेज और प्रियंका चोपड़ा गोल्डन ग्लोब्स को लेकर जारी की गई रेड कार्पेट पावर रैंकिंग में भी टॉप पर हैं। टॉप 5 वुमन्स ऑन द रेड कार्पेट की इस कैटेगरी में पहले नंबर पर सेलेना गोमेज हैं। उन्हें और उनके फैशन को 7.2 मिलियन डॉलर एमआईवी (मीडिया इम्पैक्ट वैल्यू) मिली है। जबकि प्रियंका के फैशन और ज्वेलरी को दूसरा व चौथा स्थान प्राप्त हुआ। उन्हें 5.9 मिलियन और 4.9 मिलियन डॉलर एमआईवी मिली।

सिर चकरा देगी वीर दास की यह खतरनाक जासूसी

Upma.Singh@timesofindia.com

'मैं टीम को भूत चाहता हूं। टीम को डिक कर भूत अच्छा लगता है।' बात समझ में आई? पढ़कर मजा आया? अगर हां, तभी आपको वीर दास की फिल्म हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस रास आएगी। वरना सिर के ऊपर से निकल जाएगी, क्योंकि फिल्म में हैप्पी की जासूसी ही नहीं, हिंदी भी खतरनाक है। अंतरराष्ट्रीय एमी अवॉर्ड विजेता वीर दास स्टैंड अप कॉमिडी में बड़ा नाम है। उनकी एक ऑडियंस है- अंग्रेजी स्लैंग बोलने, डबल मीनिंग जोक्स पर हंसने और बीच में आए सोशियो पॉलिटिकल तंज पर वाह-वाह करने वाली। यह फिल्म बस उसी ऑडियंस के लिए है।

फिल्म
हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस
रेटिंग ★★☆☆☆
निर्देशक: वीर दास, कवि शास्त्री
कलाकार: वीर दास, मोना सिंह, मिथिला पालकर, शारिब हाशमी, आमिर खान, इमरान खान, सृष्टि तावड़े आदि।
जॉनर: डार्क कॉमिडी, एक्शन
अवधि: 2 घंटे 1 मिनट

कहानी 90 के दशक में गोवा में शुरू होती है, जहां गैंगस्टर जिम्मी (आमिर खान) और दो अंतरराष्ट्रीय एजेंट्स के बीच मुठभेड़ होती है। मुठभेड़ में जिम्मी तो मारा जाता है, पर इन एजेंट्स के जिम्मे एक अनाथ बच्चा भी आ जाता है। कहानी तीस साल बाद आज में पहुंचती है, जहां वह बच्चा हैप्पी (वीर दास) अपने एजेंट्स पिता की राह पर चलना चाहता है, मगर वह एमआई 7 (यूके की एजेंसी का स्पूफ) का एग्जाम 7 बार फेल हो चुका है। इसके बावजूद, एजेंसी उसे उसकी जन्मभूमि गोवा में एक गोरी साइंटिस्ट को ढूंढने के मिशन पर भेज देती है। गोवा में हैप्पी की मुलाकात लोकल कोऑर्डिनेटर गीत (शारिब हाशमी), उसकी जूनियर रोश्नी (सृष्टि तावड़े), एक लोकल डांसर रूपा (मिथिला पालकर) और मामा (मोना सिंह) से होती है। मामा असल में इलाके की डॉन और जिम्मी की बेटी है, जिसने उस साइंटिस्ट को कैद कर रखा है। अब हैप्पी अपने मिशन में कामयाब होता है या नहीं? यह जानने के लिए फिल्म देखनी होगी।

वीर ने फिल्म में ऐक्टिंग के अलावा लेखन (अमोघ रानडिवे के साथ) और निर्देशन (कवि शास्त्री के साथ) का जिम्मा भी संभाला है। सारे किरदार एक से बढ़कर एक अतरंगी हैं। शुरू से आखिर तक अजीबोगरीब चीजें चलती हैं। इसके बीच हैप्पी की हिंदी की कमजोरी के बहाने डबल मीनिंग जोक्स की बौछार भी जारी रहती है, पर साथ ही वीर अंग्रेजी की बॉलिवुड फिल्मों के आधार पर गढ़ी भारत की इमेज, एल्फा मेल, हिंदुस्तानी के रुपये आदि पर व्यंग्य भी करते हैं। वैसे, ऐक्टिंग वीर ने बढ़िया की है। हैप्पी के रूप में उनका मासूम अंदाज लुभाता है। मोना सिंह दमदार ऐक्ट्रेस हैं, पर उनका किरदार ही बेहद अटपटा लगता है। शारिब हाशमी और सृष्टि तावड़े ने मजबूत सहयोग दिया है। जबकि, मिथिला पालकर अच्छी लगी हैं। आमिर खान और इमरान खान के कैमियो असरदार हैं। तकनीकी रूप से फिल्म ठीकठाक है। जबकि, गाने बेमाने से हैं जो याद नहीं रहते।

क्यों देखें
अंग्रेजी वाली स्टैंड अप कॉमिडी के शौकीन हैं, तभी इस फिल्म का टिकट कटाएं।

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 17-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMARTH User: cci Time: 01-16-2026 22:43 Color:

इंडियन प्रीमियर लीग में जैसे ही युवा खिलाड़ी इंटरनैशनल क्रिकेटर्स के साथ खेलने लगे और उनसे सीखने लगे, उनका खेल एक अलग ही स्तर पर पहुंच गया। आज देखिए कि भारतीय क्रिकेट में इतनी गहराई है। -मार्क बाउचर, पूर्व विकेटकीपर, साउथ अफ्रीका

200

रन के अंतर से हराया था न्यूजीलैंड ने भारत को साल 2010 में ढाकुला में खेले गए वनडे मैच में। यह दोनों देशों के बीच हुए वनडे में किसी टीम की द्वारा रन के लिहाज से दर्ज की गई सबसे बड़ी जीत का रेकॉर्ड है। इस मैच में भारत 288 रन का पीछा करते हुए 88 रन पर आउट हो गया था

स्पोर्ट्स QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. भारत और बांग्लादेश की अंडर-19 क्रिकेट टीमों के बीच कुल कितने मैच हुए हैं?
A) 28 B) 26 C) 18 D) 21

2. टाटा स्टील मास्टर्स चेस टूर्नामेंट 2026 में गुकेश पहले राउंड में किससे भिड़ेंगे?
A) आर प्रग्गानंद B) जावोखिर सिदारोव C) मैग्नस कार्लसन D) अर्जुन एरिगैसी

कल के जवाब
1. C) बुलावायो 2. A) मिचेल स्टार्क 3. A) फ्रांस

लकी WINNERS

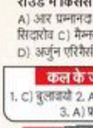

1 आयुष सक्सेना, लखनऊ, यूपी

2 यशिका शर्मा, संत नगर, दिल्ली

3 पूजा नाथ, द्वारका, दिल्ली

4 शैलेंद्र सिंह, कांदिवली, मुंबई

5 मानवी ग्रोवर, फरीदाबाद

आप अपने जवाब हमें 9319282367 पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

वेतन कटौती स्वीकारी

■ नई दिल्ली: भारतीय फुटबॉलर संदेश झिंगन समेत एफसी गोवा के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ ने आगामी इंडियन सुपर लीग (ISL) सीजन के लिए वेतन में कटौती स्वीकार कर ली है। क्लब ने इसे निरवार्थ फैसला बताया। एफसी गोवा के खिलाड़ियों ने एकजुटता दिखाते हुए क्लब का साथ दिया।

स्पिन बोलिंग के मोर्चे पर कीवी टीम भारत से दिखी है बेहतर

फिरकी की रणनीति पर फोकस

■ एजेंसियां, इंदौर: भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ मंडे को होने वाले तीसरे और निर्णायक वनडे इंटरनैशनल मैच के लिए अपने बोलिंग कॉम्बिनेशन पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है, क्योंकि पहले दो मैचों में उसके स्पिनर अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए। बैटर्स को भी मेहमान टीम के धीमी गति के बोलर्स के सामने संघर्ष करते हुए देखा गया। राजकोट में खेले गए दूसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड ने आसानी से जीत हासिल कर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली, जिसमें भारत की बीच के ओवर्स की कमनीयियां उजागर हो गईं। सीरीज का फैसला करने वाले मैच में भारत का फोकस फिरकी के मोर्चे पर अपनी रणनीति पर होगा। वैसे भारतीय टीम ने शुक्रवार को यहां अभ्यास नहीं किया, जबकि न्यूजीलैंड की टीम ने ऑप्शनल प्रैक्टिस सेशन होने के बावजूद जमकर पसीना बहाया।

कुलदीप का संघर्ष: सबसे अधिक संघर्ष कुलदीप यादव को करना पड़ा जो न्यूजीलैंड के बोलर्स के सामने ना तो कंट्रोल बना सके और ना ही विकेट लेने का खाता पैदा कर सके। दूसरे वनडे मैच में सेमुरी जड़ने वाले डेरिल मिचेल ने उनकी गेंदों पर आसानी से रन बटोरे। कुलदीप की 'लेंथ और लाइन' दोनों पर हमला किया गया, जिसमें विशेष रूप से मिचेल ने अपने पैरों का अच्छा इस्तेमाल करते हुए गेंद के टर्न को बेअसर किया और बीच के ओवर्स में भारतीय रणनीति को नाकाम कर दिया। कीवी बैटर्स ने उनकी गेंदों को बहुत प्रभावी ढंग से खींच किया। यह रणनीति उनके लिए टेस्ट मैचों में भी कारगर साबित हुई थी। भारत के स्पिनर बल्लेबाजों पर लगातार दबाव नहीं बना पाए। इसके विपरीत न्यूजीलैंड के स्पिनर्स ने भारतीय बैटर्स को खुलकर नहीं खेलने दिया।

बढ़ोनी का विकल्प: राजकोट वनडे में वॉशिंगटन सुंदर की अनुपस्थिति निस्संदेह महसूस की गई। सुंदर चोटिल है और सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनके स्थान पर इलेवन में शामिल किए गए नितीश कुमार रेड्डी ने केवल टी ओवर ही गेंदबाजी की। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए ऑफ स्पिन बोलिंग करने वाले आयुष बदोनी शायद रेड्डी की तुलना में बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। बदोनी ने हालांकि लिस्ट-ए मैचों में ज्यादा बोलिंग नहीं की है। उनके नाम 27 लिस्ट-ए मैचों में 18 विकेट हैं। फर्स्ट क्लास के 21 मैचों में वह 22 विकेट ले चुके हैं। वह एक सरप्राइज पैकेज हो सकते हैं। साथ ही बैटिंग में भी योगदान देने में सक्षम हैं।

पेस अटैक में भी बदलाव संभव: भारतीय टीम मैनेजमेंट स्पिन बोलिंग से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए फास्ट बोलिंग अटैक को मजबूत करने पर भी विचार कर सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि बुमरा हाथ के बोलर अर्शदीप सिंह को मौका दिया जाता है या नहीं। अगर अर्शदीप को टीम में दिया जाता है तो प्रसिद्ध कृष्णा को बाहर होना पड़ेगा, लेकिन पिछले दो मैच में उनका प्रदर्शन खराब नहीं रहा है। प्रसिद्ध की बोलिंग को लेंथ उनके खिलाफ जा सकती है। उनकी स्वाभाविक लेंथ बैक ऑफ द लेंथ है, जिसका फायदा छोटे मैदानों पर उठाया जा सकता है, जबकि अर्शदीप अपनी फुल लेंथ बोलिंग से होलकर स्टेडियम में अधिक कारगर साबित हो सकते हैं। मोहम्मद सिराज निश्चित रूप से बोलिंग अटैक की अगुआई करेंगे, जबकि अंतिम कॉम्बिनेशन इस पर निर्भर कर सकता है कि क्या भारत एकमात्र स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा मौजूदगी में एक अतिरिक्त पेसर का विकल्प चुनता है या नहीं।

भारत Vs न्यूजीलैंड
वनडे सीरीज,तीसरा मैच

पिछले पांच वनडे में कुलदीप

49	321
ओवरर्स	रन खर्च
11	6.55
विकेट	इकॉनमी

193
विकेट है कुलदीप यादव के नाम 119 वनडे इंटरनैशनल मैचों में। उनकी इकॉनमी 5.06 है

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव

श्रेयस, बिश्नोई को जगह

न्यूजीलैंड के खिलाफ 21 जनवरी से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में दो खिलाड़ी जोड़े गए हैं। ये खिलाड़ी घॉटिल खिलाड़ियों की जगह लेंगे। रवि बिश्नोई और श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल किया गया है।

टी20 सीरीज

ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर की जगह स्पिनर रवि बिश्नोई को पूरी टी20 सीरीज के लिए चुना गया है। सुंदर को वडोदरा में सीरीज के पहले वनडे के दौरान पसलियों में खिंचाव की समस्या हुई थी। बिश्नोई ने अब तक 42 टी20 इंटरनैशनल मैचों में 61 विकेट झटके हैं। उधर, तिलक वर्मा के साइड स्ट्रेन के कारण बाहर होने पर श्रेयस अय्यर को पहले तीन टी20 मैचों के लिए टीम में जगह दी गई है। वॉशिंगटन अब रिकवरी के लिए बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जाएंगे। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला नागपुर में खेला जाएगा।

SOCIAL MEDIA

एक प्रैक्टिस सेशन के दौरान भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम

भारत का सामना आज बांग्लादेश से

■ एजेंसियां, ब्रुलावायो: पहले मुकाबले में आत्मविश्वास से भरी जीत दर्ज करने के बाद भारतीय अंडर-19 टीम शनिवार को यहां ICC U-19 वर्ल्ड कप के अपने दूसरे ग्रुप मैच में बांग्लादेश के खिलाफ जीत की प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। बारिश से प्रभावित उद्घाटन मैच में अमेरिका को 107 रन पर समेटकर छह विकेट से मिली जीत ने आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली टीम का हौसला बढ़ाया है।

पेसर्स ने दिखाया दम: अमेरिका के खिलाफ मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन किया। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेनिल पटेल ने मात ओवरों में 16 रन देकर पांच विकेट झटके और विपक्षी मध्यक्रम की कमर तोड़ दी। उनके अलावा डी दीपेश और अन्य तेज गेंदबाजों ने भी ओवरकास्ट परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाया। हालांकि बल्लेबाजों को ज्यादा समय क्रीज पर बिताने का मौका नहीं मिला, ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ टॉप ऑर्डर लंबी पारी खेलने की कोशिश करेगा।

बैटिंग ऑर्डर मजबूत: भारतीय बैटिंग बेहद मजबूत नजर आ रहा है। शुरुआत में कप्तान म्हात्रे और दुबा सनसनी वैभव सूर्यवंशी मोर्चा संभालेंगे। इसके बाद उप-कप्तान विहान मल्होत्रा, ऑलराउंडर आरोन जॉर्ज, वेदांत त्रिवेदी और विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू जैसे खिलाड़ी मध्यक्रम को मजबूती देते हैं।

आमना-सामना

अंडर-19 वर्ल्ड कप

टेलिकास्ट: दोपहर 1:00 बजे से जियोहॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर

22 शतक लगाए हैं भारतीय खिलाड़ियों ने अंडर-19 वर्ल्ड कप के इतिहास में। यह इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक है

स्पिनर्स का रोल अहम: गेंदबाजी में भारत के पास विविधता है। तेज गेंदबाजी विभाग में डी दीपेश, अंबरीष, हेनिल, किशन सिंह और उद्धव मोहन जैसे विकल्प हैं,वे स्पिन अटैक की कमान कनिष्क चौहान, खिलन पटेल और एनान संभाल रहे हैं। जिंबाब्वे की परिस्थितियों में जहां तेज गेंदबाजों को शुरुआती मदद मिलती है, वहीं बीच के ओवर्स में स्पिन अहम भूमिका निभा सकता है।

उधर, बांग्लादेश को हल्के में नहीं लिया जा सकता। कप्तान अजीजुल हकीम और उप-कप्तान जवाद अबरार के नेतृत्व में उसकी बल्लेबाजी मजबूत है। कलाम सिद्दीकी ने भी निरंतरता दिखाई है। गेंदबाजी में इकबाल हुसैन और अल फहद की तेज जोड़ी भारत के लिए चुनौती पेश कर सकती है।

संभावित प्लेइंग XI

भारत: आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, विहान मल्होत्रा, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), कनिष्क चौहान, हरवंश पनगलिया, अरएस अंबरीष, हेनिल पटेल, दीपेश देवेंद्रन, खिलन पटेल

बांग्लादेश: जवाद अबरार, रिफत बेग, अजीजुल हकीम तमीम (कप्तान), कलाम सिद्दीकी, मोहम्मद अब्दुल्लाह (विकेटकीपर), शेख परवेज जिबोन, फारीद हसन, समीउन बशीर, मोहम्मद सोबुज, साद अलाम, इकबाल हुसैन इमोन

रहना होगा सतर्क

मौजूदा फॉर्म को देखते हुए भारत का पलड़ा भारी है। हालांकि, भारतीय युवाओं को बांग्लादेश से सतर्क रहना होगा। दोनों के बीच हुए पिछले तीन मैच में बांग्लादेश ने दो में बाजी मारी है। बांग्लादेश ने बड़े मैच में भारत को चोट पहुंचाई है, जिसमें 2023 अंडर-19 एशिया कप सेमीफाइनल और 2024 अंडर-19 एशिया कप का फाइनल शामिल है। 2024 में भारत के खिलाफ जीतने वाली टीम के कप्तान अजिजुल ही थे, जो आज बांग्लादेश की अगुआई करेंगे।

NBT Lens
खबरों के अंदर की बात

विवाद सुलझाने ढाका जाएंगे ICC अधिकारी

■ एजेंसियां, दुबई: भारत में अगले महीने होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर गतिरोध को खत्म करने के लिए इंटरनैशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) का दो सदस्यीय दल शनिवार को ढाका जाएगा। ICC पहले ही संकेत दे चुकी है कि बांग्लादेश के मैच अन्यत्र आयोजित करा पाना संभव नहीं है। ICC का दल सुरक्षा को लेकर बांग्लादेश की आशंकाओं को दूर करने की कोशिश करेगा। बांग्लादेश के पेसर मुस्ताफिजुर रहमान का कोलकाता नाइटराइडर्स के साथ IPL करार रद्द किए जाने के बाद से बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने यह मांग उठाई है। एक सूत्र ने बताया, 'बातचीत चल रही है और मामले का हल निकालने के सभी तरीकों पर बात होगी। उम्मीद है कि बांग्लादेश सरकार के अधिकारी भी बातचीत में शामिल होंगे।'

उधर, बांग्लादेश के नाराज क्रिकेटरों ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) और क्रिकेटर्स के असोसिएशन के बीच सहमति बनने के बाद खेल के ब्यापक हित को ध्यान में रखते हुए बहिष्कार खत्म कर दिया। इससे शुक्रवार से बांग्लादेश प्रीमियर लीग के मैच फिर से शुरू हो गए।

टी20 वर्ल्ड कप 2026

बांग्लादेशी टीम के प्लेयर्स

मैं संगठन का अध्यक्ष हूं और अगर मैं प्लेयर्स के अधिकारों के बारे में नहीं बोलूंगा तो पद पर रहने का क्या फायदा। देश से ऊपर कोई नहीं है। हम नहीं चाहते कि कोई खतरा लेकर जाए। लेकिन हम यह भी चाहते हैं कि हम वर्ल्ड कप खेलें। -मोहम्मद मिथुन, अध्यक्ष, CWAB

चिन्नास्वामी में RCB लगाएगी AI कैमरे!

■ पीटीआई, बेंगलूरु: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में IPL मुकाबलों की मेजबानी सुनिश्चित करने के लिए भीड़ प्रबंधन को लेकर बड़ा कदम उठाने का प्रस्ताव रखा है। फ्रेंचाइजी ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (KSCA) को भेजे आधिकारिक पत्र में स्टेडियम परिसर में 300 से 350 AI से लैस कैमरे लगाने की पेशकश की है। खास बात यह है कि इस पूरे प्रोजेक्ट पर आने वाला अनुमानित 4.50 करोड़ रुपये का खर्च RCB स्वयं वहन करने को तैयार है।

बेहतर सुरक्षा का दावा : RCB के मुताबिक, यह उन्नत निगरानी प्रणाली KSCA और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भीड़ की अव्यवस्था पर रियल-टाइम नजर रखने में मदद करेगी। इससे अनुशासित कतार व्यवस्था, प्रवेश और निकास बिंदुओं की लाइव ट्रैकिंग, अनधिकृत प्रवेश की पहचान और समय रहते हस्तक्षेप संभव होगा। फ्रेंचाइजी का मानना है कि इस तकनीक से प्रशंसकों की सुरक्षा का स्तर काफी बेहतर किया जा सकता है।

फ्रेंचाइजी का प्रस्ताव

IPL के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम

जश्न के दौरान हुई दुर्घटना

दरअसल, पिछले साल बेंगलुरु की IPL ट्रॉफी जीत के बाद हुए जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 फैंस की मौत हो गई थी। इसके बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट गतिविधियों पर रोक लगा दी गई थी। जांच में सामने आया कि भीड़ प्रबंधन में गंभीर खामियां थीं। राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष कार्य बल शनिवार को अपनी रिपोर्ट सौंपने वाला है, जिसमें सुरक्षा कार्यों की समीक्षा की गई है। अगर एजेंसियों से समय पर अनुमति नहीं मिलती है, तो RCB घरेलू मैच रायपुर या पुणे में कराने के विकल्प पर भी विचार कर रही है।

प्रबल दावेदार के रूप में उतरेंगे भारतीय खिलाड़ी

■ एजेंसियां, विज्क आन जी (नीदरलैंड्स): वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश शनिवार से शुरू हो रहे प्रतिष्ठित टाटा स्टील मास्टर्स चेस टूर्नामेंट में 2025 की नाकामियों को पीछे छोड़कर नई शुरुआत के इरादे से उतरेंगे। पहले राउंड में उनका सामना उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिदारोव से होगा। गुकेश पिछले साल इस टूर्नामेंट में आर प्रग्गानंदा से ट्राईब्रेक में हारकर दूसरे स्थान पर रहे थे।

इस बार खिताब जीतना उनका प्रमुख लक्ष्य होगा। शीर्ष वरीय अर्जुन एरिगैसी भी खिताबी दौड़ में मजबूत दावेदार हैं, जबकि मौजूदा चैंपियन प्रग्गानंदा पहले राउंड में अर्जुन से भिड़ेंगे। चौथे भारतीय खिलाड़ी अरविंद चिदंबरम के लिए भी यह करियर की बड़ी चुनौती होगी।

चेस बोर्ड

FILE

वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश

चैंपियनशिप की चेन्नै कर सकता है मेजबानी:आनंद

जयपुर: फिडे उपाध्यक्ष विश्वनाथन आनंद का मानना है कि अगर प्रग्गानंदा कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर मौजूदा चैंपियन गुकेश को चुनौती देते हैं, तो वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेजबानी चेन्नै कर सकता है। आनंद ने कहा कि दो भारतीय खिलाड़ियों के आमने-सामने होने पर मैच बेहद खास होगा।

बून के दो गोल से रांची की हैटट्रिक

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: टॉम बून के दो गोल की बदौलत रॉची रॉयल्स ने शुक्रवार को होकी प्रीमियर लीग के 19वें मुकाबले में जेएसडब्ल्यू सूरमा होकी क्लब को 4-1 से हरा दिया। रॉची की यह लगातार तीसरी जीत है। वहीं, सूरमा की दो लगातार जीत का भी सिलसिला थम गया, जिसके बाद वह आठ टीम की अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। रॉची को एक स्थान का फायदा मिला है और अब वो तीसरे पर पहुंच गई है।

होकी इंडिया लीग

इससे पूर्व, मनमीत सिंह राय ने रॉची को शुरुआती बढ़त दिलाई। बून ने दो मिनट (20 और 22वें मिनट में) के अंतराल में एक के बाद एक गोल दागे और बढ़त को 3-0 कर दिया। मनदीप ने 47वें मिनट में रॉची के लिए चौथा गोल दागा।

लक्ष्य की हार के साथ भारतीय चुनौती खत्म

■ एजेंसियां, नई दिल्ली: लक्ष्य सेन शुक्रवार को इंडिया ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के मेंस सिंगल्स के क्वॉर्टर फाइनल में हार गए। चीनी ताइपे के लिन चुन यी को उन्होंने तीन गेम के मुकाबले में कड़ी चुनौती दी, मगर आखिरकार जीत उनके हाथ से फिसल गई। लक्ष्य की हार के साथ टूर्नामेंट में घरेलू चुनौती भी समाप्त हो गई। लक्ष्य ने आखिरी पलों में मिली बढ़त गंवा दी और दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी से 21-17, 13-21, 18-21 से हार गए।

शुरुआती गेम जीते: लक्ष्य ने जोरदार शुरुआत करते हुए लिन को तेज शॉट्स में उलझाया। शुरुआती दौर में स्कोर 4-4 से 7-7 तक बराबर रहा जिसके बाद लक्ष्य ब्रेक में आगे निकल गए। दो विनर ने लक्ष्य को 13-10 पर पहुंचा दिया और लिन की गलतियों की वजह से लगातार दबाव बनाकर उन्होंने इसे 16-11 तक बढ़ा लिया। फिर 54 शॉट्स की रैली लिन के बाहर शॉट मेलने के साथ खत्म हुई, जिसमें लक्ष्य को जल्द ही पांच गेम पॉइंट्स मिले और उन्होंने तीसरे मौके पर पहला गेम जीत लिया।

लिन ने पकड़ी लय: दूसरे गेम में परिस्थितियों ने शटल पर नियंत्रण करना मुश्किल बना दिया और लक्ष्य को अपनी लेंथ के साथ संघर्ष करना पड़ा जिससे ब्रेक में वह 11-5 से पीछे थे। धक्का देने वाली 56 शॉट्स की एक रैली के बाद स्कोर लिन के पक्ष में 18-13 हो गया। निर्णायक गेम में लक्ष्य ने 4-0 की बढ़त बना ली। लिन एक समय 15-15 से बराबरी पर आ गए। लिन ने यहां से तेजी पकड़ी और मुकाबले में जीत सुनिश्चित की।

इंडिया ओपन बैडमिंटन

Anushka Koota

क्वॉर्टर फाइनल में हारे लक्ष्य सेन

मिया ने फिर शिकायत की, उम्मीद भी जताई

डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट ने एक बार फिर इंडिया ओपन में मौजूद हालात को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए इन्हें 'अस्वीकार्य' और 'बहुत ही गैर पेशेवर' बताया और कहा कि 'यहां वर्ल्ड चैंपियनशिप आयोजित होना बहुत मुश्किल लगता है।' मिया ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'भारत में पिछले कुछ दिन बेहद कठिन रहे हैं, मैंने जो उम्मीद की थी उससे मैं ज्यादा मुश्किल। मैंने एक बार फिर खराब हालात के लिए खुद को मानसिक रूप से तैयार किया था। लेकिन हमारे आसपास की परिस्थितियां अस्वीकार्य और बेहद ही गैर-पेशेवर हैं।' मिया दूसरे ही राउंड में बाहर हो गईं। हालांकि, घर लौटने के बाद इस पोस्ट में उन्होंने उम्मीद भी जताई, 'मुझे खुशी है कि इस मुद्दे पर अंतिरकार ध्यान दिया जा रहा है। मैं उम्मीद करती हूं कि भविष्य में यहां बेहतर हालात होंगे।'

खाद्य सुरक्षा विभाग
(दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार)
8वीं मंज़िल, मयूर भवन, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

विज्ञापन सूचना

खाद्य सुरक्षा विभाग, दिल्ली सरकार में *संयुक्त पद्धति (प्रतिनियुक्ति एवं पदोन्नति)* द्वारा **खाद्य विश्लेषक** (Food Analyst), समूह 'A' के पद पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

पद का नाम: खाद्य विश्लेषक (Food Analyst)
रिक्तियों की संख्या: 01 (एक)
वेतनमान: लेवल-11, 7वां वेतन आयोग वेतन मैट्रिक्स (₹ 67,700 – 2,08,700/-)

आयु सीमा:

(a) पदोन्नति द्वारा नियुक्ति (विभागीय उम्मीदवार) के लिए आयु सीमा लागू नहीं।
(b) प्रतिनियुक्ति द्वारा नियुक्ति के लिए आयु 56 वर्ष से अधिक नहीं।

शैक्षणिक योग्यता:

- भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान, जैव-रसायन, सूक्ष्म जीव विज्ञान, डेयरी रसायन, खाद्य प्रौद्योगिकी, खाद्य एवं पोषण में स्नातकोत्तर उपाधि, या डेयरी/तेल प्रौद्योगिकी में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी; या पशु चिकित्सा विज्ञान में डिग्री; या इंस्टिट्यूशन ऑफ केमिस्ट (इंडिया) द्वारा आयोजित फूड एनालिसिस सेक्शन की परीक्षा उत्तीर्ण एसोसिएट सदस्यता; तथा खाद्य विश्लेषण में कम से कम पाँच वर्ष का अनुभव।
- तथा प्राधिकरण द्वारा नियुक्त और अधिसूचित बोरड द्वारा 'खाद्य विश्लेषक' के रूप में नियुक्ति हेतु अर्ह घोषित किया गया हो।

नोट:

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि आवेदन करने से पूर्व भर्ती की विस्तृत शर्तें, कार्य का स्वरूप आदि जानने के लिए विभाग की वेबसाइट https://foodsafety.delhi.gov.in पर अवश्य जाएँ।

आवेदन कैसे करें:

1. विभाग की वेबसाइट https://foodsafety.delhi.gov.in पर उपलब्ध निर्धारित आवेदन पत्र को आवश्यक दस्तावेजों सहित विज्ञापन के अवसान में प्रकाशन की तिथि से **60 दिवस** के भीतर केवल **स्पीड पोस्ट** के माध्यम से भेजा जाए।
2. अधूरा आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।
3. पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र एवं सभी संलग्न दस्तावेज निम्न पते पर 'कार्यालय प्रमुख' के नाम से भेजे जाएँ:

खाद्य सुरक्षा विभाग
(दिल्ली सरकार)
8वीं मंज़िल, मयूर भवन,
कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

नोट: पूर्ण आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 18.03.2026 शाम 17:00 बजे तक है।

(कार्यालय प्रमुख)
खाद्य सुरक्षा विभाग
दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार

DIP/Shabdarth/Classified/0395/25-26

विज्ञापन सूचना (ADVERTISEMENT NOTICE)

खाद्य सुरक्षा विभाग, दिल्ली सरकार, में उप विधि सलाहकार (Deputy Legal Advisor), समूह-"A" के पद पर *प्रतिनियुक्ति (Deputation) जिसमें अल्पावधि अनुबंध (Short Term Contract) भी शामिल है और इसके अवफल होने पर प्रत्यक्ष भर्ती (Direct Recruitment)* द्वारा 100% पदों की भरती हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

पद का नाम: उप विधि सलाहकार (Deputy Legal Advisor)
रिक्त पदों की संख्या: 01 (एक)
वेतनमान: लेवल-11, 7वाँ सीपीसी, वेतन मैट्रिक्स लेवल-11 (₹67,700–2,08,700/-)
आयु सीमा: प्रतिनियुक्ति (अल्पावधि अनुबंध सहित) द्वारा नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि तक 56 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

शैक्षणिक योग्यताएँ

अनिवार्य: (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विधि स्नातक (LLB) की डिग्री।

(ii) केंद्रीय सरकार/ राज्य सरकारों/ केंद्र शासित प्रदेशों/ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/ स्वायत्त या सांविधिक निकायों/ मान्यता प्राप्त संस्थानों/ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों, अथवा सूचीबद्ध कंपनियों, अथवा विधि फर्म, अथवा विधि व्यवसायी के रूप में *पाँच वर्षों का विधिक कार्य अनुभव*

वांछनीय: (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एलएलएम (LLM)।

अनुभव: लागू नहीं।

नोट: उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे आवेदन करने से पूर्व भर्ती की पद्धति, कार्यों की प्रकृति आदि के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए विभागीय वेबसाइट www.foodsafety.delhi.gov.in पर उपलब्ध विवरण अवश्य देखें।

आवेदन कैसे करें

1. विभागीय वेबसाइट www.foodsafety.delhi.gov.in पर उपलब्ध निर्धारित आवेदन पत्र को आवश्यक दस्तावेजों सहित केवल *स्पीड पोस्ट* के माध्यम से इस कार्यालय में समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापन की तिथि से *साठ (60) दिनों* के भीतर भेजा जाए।
2. अपूर्ण आवेदन पत्र विचारार्थ स्वीकार नहीं किए जाएंगे।
3. पूर्णतः भरे हुए आवेदन पत्र तथा सभी संबंधित दस्तावेज निम्नलिखित पते पर कार्यालय प्रमुख के नाम से भेजे जाएँ:

DEPARTMENT OF FOOD SAFETY
(दिल्ली सरकार)
8वीं मंज़िल, मयूर भवन,
कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

नोट: पूर्ण आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 18.03.2026 शाम 17:00 बजे तक है।

(कार्यालय प्रमुख)
खाद्य सुरक्षा विभाग
दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार

DIP/Shabdarth/Classified/0394/25-26

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 17-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMEDIT User: cci Time: 01-16-2026 22:31 Color:

NBT GOOD न्यूज़

खुशी देती है एक्सरसाइज़
रिसर्च से साबित हुआ है कि नियमित कसरत खुशी बढ़ाती है। एक्सरसाइज करने से मस्तिष्क में एंडोर्फिन का स्राव होता है, जो तनाव घटाता है और मूड सुधारता है।

विचार

खुशी आराम और सुविधा से नहीं, सार्थक प्रयास से जन्म लेती है। जब व्यक्ति किसी योग्य उद्देश्य के लिए परिश्रम करता है, चुनौतियों से भयभीत होने के बजाय स्वीकार करता है और भीतर की शक्ति को पहचानता है, तब जीवन संतोष से भर जाता है। संघर्ष से मिली उपलब्धि और आत्मसम्मान से उपजा आनंद ही सच्ची खुशी है।
-थियोडोर रूजवेल्ट
(Theodore Roosevelt)

ज़रा हंस लें

बॉस: हमारी कंपनी में वही टिक सकता है जो काम को अपना घर समझे। **चंटू:** ठीक है सर, तो फिर मुझे आज के बाद टोकना मत.... **बॉस:** क्यों? **चंटू:** क्योंकि घर में मैं किसी की नहीं सुनता!

कविता

पापा परदेश में

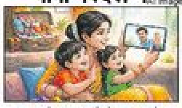
AI image

बचपन में सुना करते थे, पापा परदेश में है।
वह त्योहारों पर मिठाई और रंग लेकर आएंगे।
चाचा की शादी में, रंग बिरंगे जूते कपड़े लाएंगे।
ठंडी में भी वह गणतंत्र दिवस के बाद आएंगे।
उदास मां के चेहरे को बस वह देखा करते।
चिट्ठी में लिखे हर लफ्ज को वह अपना मानती।
बस वक्त और साल बदले है, मोबाइल हाथ में है।
पर आज भी वही सुनते हैं, पापा परदेश में है।
साथ में पापा का प्यार विडियो कॉल में नजर आता है।
हंसते हैं, कहते हैं, रखो फोन, बस दिखाओ मम्मी किधर है।
-जानू नागर, NBT रीडर

पॉजिटिव सोच के साथ आपने भी कोई कविता लिखी है, तो हमें ईमेल nbtreader@timesofindia.com पर भेजें। जिसे मिल सकता है अगले अंक में छपने का मौका।

अलजेब्रा और इतिहास पढ़ा रहे खेलों से, 'लर्निंग विदाउट लेसन' का नया मॉडल

बोर्ड गेम्स ने फिर से जोड़ा शहर

Niyati.Parikh@timesofindia.com

■ **अहमदाबाद:** करीब 10 साल पहले अहमदाबाद के कैफे की अलमारियों पर सजे बोर्ड गेम्स के डिब्बे सिर्फ सजावट का सामान लगते थे। लोग कॉफी पीने आते थे, लेकिन उन डिब्बों को कम ही खोलते थे। फिर 2016 के आसपास कुछ लोगों ने हर मंगलवार को कैफे में गेम खेलना शुरू किया। जो सिलसिला एक छोटी सी मुलाकात से शुरू हुआ था, वह आज बड़ा आंदोलन बन चुका है जो अहमदाबाद के सीखने, काम करने और खेलने के तरीके को बदल रहा है।

आज यह बोर्ड गेम्स क्लासरूम से ऑफिस के बोर्डरूम तक पहुंच गए हैं। शहर के स्कूलों में शिक्षक अब अलजेब्रा और इतिहास पढ़ाने के लिए इन गेम्स का सहारा ले रहे हैं, तो वहीं B-Schools के प्रोफेसर मैनेजमेंट और नेगोशिएशन की बारीकियां समझाने के लिए बोर्ड गेम्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

हाल ही में हुए 'अनबॉक्स्ड गेम फेस्ट' में 700 से ज्यादा लोगों की भीड़ यह बताने के लिए काफी थी कि यह कल्चर अब मैच्योर हो रहा है। स्कूल के बच्चे 'गेम कोच' बने नजर आए, तो यूनिवर्सिटी के छात्रों ने क्षेत्रीय संस्कृति पर आधारित खुद के बनाए गेम्स दिखाए। CEPT यूनिवर्सिटी में तो छात्र अब ऐसे गेम्स डिजाइन कर रहे हैं जो कल्चर से जुड़े हैं। इसे 'लर्निंग विदाउट लेसन' कहा जा रहा है, जहां समीकरण हल करना सीख जाते हैं।

अहमदाबाद में सीखने, काम करने और खेलने का तरीका बदल रहा है

स्क्रीन से दूरी और परिवार के करीब

कील हेतु सुदर्शन बताती है कि उन्होंने बच्चों का स्क्रीन टाइम कम करने के लिए बोर्ड गेम्स की शुरुआत की। पक्षियों पर आधारित एक गेम खेलने के बाद उनका 10 साल का बेटा असली चिड़ियों को पहचानने लगा। अब शुक्रवार की रात फिल्म देखने के बजाय पूरा परिवार बोर्ड गेम्स खेलता है।

हर साल छात्र केस स्टडीज को कम ध्यान से पढ़ रहे हैं। मैंने कुछ केसेस की जगह गेम्स को शामिल किया है। अब छात्र खेल-खेल में ही मैनेजमेंट के सिद्धांतों को बेहतर ढंग से सीख और लागू कर पा रहे हैं। **- शोभित अग्रवाल (प्रोफेसर, IIM उदयपुर)**

हम रोजमर्रा की जिंदगी से आइडिया लेते हैं। हमारा जोर गेम्स को विजुअल कम्युनिकेशन के टूल के रूप में इस्तेमाल करने पर है। **- जय ठक्कर (प्रोफेसर, CEPT यूनिवर्सिटी)**

दो घंटे के गेम में सब सामने आ जाता है। कॉर्पोरेट के लिए यह किसी भी रटे-रटाए टीम-बिल्डिंग एक्सरसाइज से ज्यादा ताकतवर है। **- श्रद्धा जैन (गेम एजुकेटर)**

NBT जन्मदिन मुबारक

जावेद अख्तर

जावेद अख्तर का जन्म 17 जनवरी 1945 को ग्वालियर में हुआ। वह फिल्मों में मशहूर होने से पहले एक असिस्टेंट और क्लैपर बॉय के रूप में काम करते थे फिर सलीम-जावेद की जोड़ी के रूप में पटकथा लेखन की दुनिया में आए। वह 5 बार नैशनल फिल्म अवॉर्ड विजेता रहे और पद्म भूषण से भी सम्मानित हो चुके हैं।

तुषार गांधी

तुषार गांधी का जन्म 17 जनवरी 1960 को मुंबई-कोलकाता ट्रेन में हुआ। वह व्यवसायी बनना चाहते थे, लेकिन अपने परदादा महात्मा गांधी के आदर्शों के प्रभाव में आकर लेखन की दुनिया में आए। वह महात्मा गांधी फाउंडेशन के अध्यक्ष और 'लेट्स किल गांधी' जैसी चर्चित पुस्तक के लेखक भी रहे।

अली अब्बास जफर

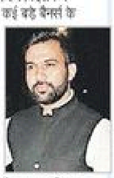

अली अब्बास जफर का जन्म 17 जनवरी 1982 को देहरादून में हुआ। वह फिल्म निर्देशन में आने से पहले कई बड़े बैनर्स के साथ बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम करते थे और शुरू में एक शिक्षक बनना चाहते थे। वह 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के निर्देशक रहे हैं।

रसिका दुग्गल

रसिका दुग्गल का जन्म 17 जनवरी 1985 को जमशेदपुर में हुआ। वह अभिनय में आने से पहले सोशल कम्युनिकेशन मीडिया की पढ़ाई कर रही थीं, लेकिन फिर वो FTII से पढ़कर एक्टिंग की दुनिया में आईं। वह 'मिर्जापुर' और 'दिल्ली क्राइम' जैसी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित वेब सीरीज का हिस्सा रही हैं।

पेड़ों पर उतरती नन्ही धुन

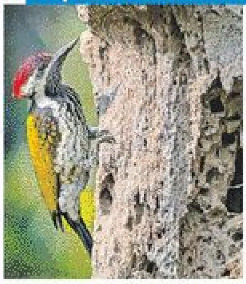
PTI

जंगल में पेड़ से चिपका ब्लैक रम्प्ड फ्लेमबैक लाल कलगी सजाए जैसे लिख रहा हो कविता। सुनहरी पंख चमकते हैं, लकड़ी बोल उठती है और हर ठक-ठक में जंगल की अनसुनी कहानी गूंजती नजर आती है।

खुदाई में मिला खज़ाना, बच्चे ने सौंपा सरकार को

Sangamesh.Menasinakai@timesofindia.com

■ **कर्नाटक:** कहते हैं ईमानदारी सबसे बड़ा धन होती है। गदग तालुक के ऐतिहासिक गांव लक्कुंडी में आठवीं कक्षा के छात्र 14 साल के प्रज्वल रित्ती ने इसे सच कर दिखाया। मजदूरी करने वाली विधवा मां गंगव्वा रित्ती घर बनाने के लिए जमीन की खुदाई करवा रही थीं। करीब पांच फीट गहराई में एक बर्तन मिला, जिसमें सोने के गहने, तांबे और कीमती पत्थरों से बने पुराने सामान थे।

करीब 466 ग्राम सोने के गहने और 634 ग्राम तांबे की वस्तुएं मिलने के बावजूद प्रज्वल ने खजाना पूजा कक्ष में सुरक्षित रखकर पूरा सामान गदग जिला प्रशासन को सौंप दिया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, "इस बच्चे की ईमानदारी किसी भी खजाने से बड़ी है।" कानून मंत्री एचके पाटिल ने भी परिवार से मुलाकात की। सरकार खजाने की कीमत का करीब 20 पर्सेंट मुआवजा देने पर विचार कर रही है। गंगव्वा रित्ती ने घर निर्माण की अनुमति और बेटे के लिए सरकारी नौकरी व आर्थिक मदद की मांग की है।

मजदूर मां का बेटा बन गया गांव में मिसाल

प्रशासन की जांच में बाद में और भी पुरानी वस्तुएं मिलीं, जिन्हें सरकार को सौंप दिया गया। जानकारी के मुताबिक ये वस्तुएं सौ साल से भी ज्यादा पुरानी हैं। इनमें सोने की चूड़ियां, अंगूठियां, कंगन, भारी हार, मोती, मूंगा, नीलम और अन्य कीमती पत्थर शामिल हैं।

सोना मिला, ईमानदारी रही कायम

खजाने को लेकर विवाद भी हुआ। एएसआई के एक अधिकारी ने इसे परिवार को देने की बात कही थी, लेकिन राज्य पुरातत्व विभाग ने साफ किया कि जमीन के नीचे मिलने वाली हर ऐतिहासिक वस्तु सरकारी संपत्ति है। लक्कुंडी गांव में पहले भी लोग धरोहरें सरकार को सौंपते रहे हैं। अब प्रज्वल की ईमानदारी इसे और मजबूत कर गई है।

NBT संग AI

AI के ताज़ा अपडेट्स

वट्सऐप पर बनाएं स्टिकर

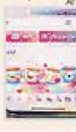
AI image

मेटा ने वट्सऐप पर AI से स्टिकर बनाने का फीचर शुरू किया है। लेटेस्ट वर्जन के वट्सऐप में किसी भी चैट को खोलें और मैसेज बॉक्स के पास इमोजी आइकन पर टैप करें। यहां स्टिकर टैब में AI स्टिकर के लिए क्रिएट या प्लस का ऑप्शन मिलेगा।

AI पर रिपोर्ट चेक करने वाले बढ़े

AI image

OpenAI ने एक स्टडी में बताया कि 4 में से एक यूजर हर हफ्ते हेल्थ से जुड़े सवाल पूछ रहा या रिपोर्ट के बारे में जानकारी मांग रहा है। 55% लोग बीमारी के सिम्पटम्स चेक करने और 40% से ज्यादा ट्रीटमेंट ऑप्शन्स जानने के लिए ChatGPT का इस्तेमाल कर रहे हैं।

Gmail में गूगल का बड़ा अपडेट

AI image

गूगल Gmail में Gemini पावर्ड AI फीचर्स का एक बड़ा सेट रोल आउट कर रहा है। Google ने AI पावर्ड इनबॉक्स भी पेश किया है, जहां यूजर्स को अपने प्रायॉरिटी ईमेल और To-Do लिस्ट अपने आप दिखेंगी। कुछ AI फीचर्स फ्री यूजर्स को भी मिलेंगे।

पूछें AI से जुड़ा कोई भी सवाल, हमारे एक्सपर्ट देंगे जवाब

AI image

AI से परफेक्ट लुक वाली प्रोफाइल पिक कैसे बनाएं? - कृष्ण मोहन, दिल्ली
जवाब: ChatGPT, Meta AI या Gemini ऐप पर तस्वीर अपलोड करें। तस्वीर अगर प्रोफेशनल लुक में चाहिए तो लिखें, 'इस इमेज को प्रोफेशनल लुक में बदल दें'। बेस्ट रिजल्ट Meta AI ऐप या ChatGPT पर मिल सकता है।

अगर आप भी AI से जुड़ी किसी जानकारी या सवाल का जवाब चाहते हैं, तो हमें nbtreader@timesofindia.com पर ईमेल करें। हमारे एक्सपर्ट आपके सवालों के जवाब देंगे। ईमेल के सब्जेक्ट में AI जरूर लिखें।

टेक्नॉलजी के सबसे बड़े शो CES 2026 में दिखे लाइफ बदलने वाले प्रॉडक्ट

हर साल टेक्नॉलजी की दुनिया का सबसे बड़ा मंच कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (CES) यह झलक देता है कि आने वाला कल कैसा होने वाला है। 9 जनवरी तक चले CES 2026 में इस बार 150 से ज्यादा देशों की कंपनियों और स्टार्टअप्स ने करीब 14 हजार ऐसे प्रॉडक्ट्स पेश किए, जो सिर्फ दिखने में फ्यूचरिस्टिक नहीं थे, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी को आसान, सुरक्षित और स्मार्ट बनाने का दावा कर रहे हैं। CES 2026 में दिखाए गए ऐसे ही 10 खास प्रॉडक्ट्स पर प्रदीप तिवारी की रिपोर्ट:

AI 20 सेकंड करें ब्रश बता देगा बीमारियां

ब्रश करते ही बीमारियां पता चलेगी

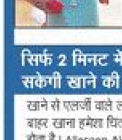

ब्रश करना रोज का काम है, लेकिन अगर उसी समय हेल्थ से जुड़े संकेत भी मिल जाएं तो? Y-Brush नाम की ओरल केयर स्टार्टअप ने अपना Halo स्मार्ट टूथब्रश दिखाया है, जो AI के साथ हेल्थ मॉनिटर जैसा काम करने का दावा करता है। इस ब्रश के हेड में गैस सेंसर लगे हैं, जो सांस में मौजूद कंपाउंड्स को देखकर 300 से ज्यादा बीमारियों के संकेत पकड़ सकता है। कंपनी ने लॉन्च डेट या कीमत के बारे में अभी नहीं बताया है।

सिर्फ 2 मिनट में हो सकेगी खाने की जांच

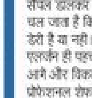

खाने से एलर्जी वाले लोगों के लिए बाहर खाना हमेशा चिंता का कारण होता है। Allergen Alert नाम की डिवाइस पॉकेट साइज लैब है, जिसे CES 2026 में दिखाया गया। इस डिवाइस में खाने का छोटा सा सैंपल डालकर कुछ मिनट में पता चल जाता है कि उसमें ग्लूटेन या डेरी है या नहीं। फिलहाल यह दो एलर्जन ही पहचानती है, लेकिन आगे और विकल्प जोड़े जाएंगे। प्रोफेशनल शेफ और रेस्टोरेंट्स में इसका ट्रायल चल रहा है।

स्मार्ट ओवन, कोई बटन या टच पैड नहीं

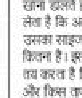

Apecoo कंपनी के AISO स्मार्ट ओवन ने इस बार सबका ध्यान खींचा। यह ओवन दिखने में छोटा है, लेकिन इसके अंदर लगा कैमरा और वेट सेंसर टेक्नॉलजी इसे खास बनाती है। AISO ओवन में खाना डालते ही यह खुद समझ लेता है कि अंदर क्या रखा गया है, उसका साइज क्या है और वजन कितना है। इसके आधार पर यह तय करता है कि खाना कितनी देर और किस तापमान पर पकाना सही रहेगा। अभी बिक्री के लिए नहीं है।

नेकलेस, जो समझेगा आपका मूड

Nirva नाम की कंपनी ने CES 2026 में एक ऐसा AI नेकलेस और ब्रेसलेट पेश किया है, जो आपके मूड और आदतों को समझने की कोशिश करता है। Nirva ज्वेलरी दिनभर आपकी आवाज और व्यवहार से संकेत लेती है और ऐप के जरिए आपकी मानसिक स्थिति, तनाव और दिनचर्या की जानकारी देती है। यह डिवाइस दो दिन तक बिना चार्ज के चल सकता है। कीमत करीब 4200 रुपये तक होगी।

हवा में हो सकेंगे मोबाइल चार्ज

वायरलेस चार्जिंग तो अभी भी है, इसमें नई बात क्या? तो नई बात ये है कि आने वाले दिनों में वायरलेस चार्जिंग का मतलब मोबाइल जेब में रखे रहने या हाथ में लिए होने तब भी चार्ज हो सकेगा। फिनलैंड की डीप-टेक स्टार्टअप कंपनी Willo ने CES 2026 में ऐसी तकनीक दिखाई है, जो भविष्य में चार्जिंग के लिए तार का कॉन्सेप्ट ही खत्म कर देगी। Willo की वायरलेस पावर टेक्नॉलजी की खास बात यह है कि इसमें किसी चार्जिंग पैड, सही एंगल या फोन को बिल्कुल पास रखने की जरूरत नहीं होती। जैसे ही डिवाइस पावर सोर्स के करीब आता है, वह अपने आप चार्ज होने लगता है। जल्द ही यह चार्जर मार्केट में लॉन्च हो सकता है।

पॉलिथीन को ईंट में बदल देगी यह डस्टबिन

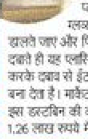

घर में सबसे बड़ी रीसाइक्लिंग समस्या अक्सर प्लास्टिक की थैलियां होती हैं। CES 2026 में स्टार्टअप कंपनी Clear Drop ने इसी के लिए अपना सॉफ्ट प्लास्टिक कंपैक्टर (SPC) दिखाया है। यह एक डस्टबिन जैसा है। इसमें प्लास्टिक बैग, रैपर जैसी चीजें डालते जाएं और फिर एक बटन दबाते ही यह प्लास्टिक को गर्म करके दबाव से ईंट जैसी शेप में बना देता है। मार्केट में बिक्री के लिए इस डस्टबिन की कीमत अभी करीब 1.26 लाख रुपये में रखी गई है।

पीरियड के दर्द में राहत देगी यह डिवाइस

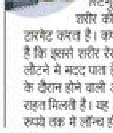

पीरियड से जुड़ी तकलीफ को दूर करने के लिए OhmBody ने एक ऐसा वियरेबल डिवाइस पेश किया है, जो बिना दवा के पीरियड के दर्द और लक्षणों को कम करने में मदद करने का दावा करता है। यह कान के पास पहना जाने वाला डिवाइस है, जो नर्व स्टिमुलेशन के जरिए शरीर की कुछ नसों को टारगेट करता है। कंपनी का कहना है कि इससे शरीर रेस्टेड स्टेट में लौटने में मदद पाता है और पीरियड के दौरान होने वाली असहजता में राहत मिलती है। यह 52 हजार रुपये तक में लॉन्च हो सकता है।

बच्चे की प्लानिंग आसान करेगी यह डिवाइस

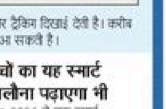

Mira कंपनी ने फर्टिलिटी ट्रैकर नाम की एक डिवाइस दिखाई है, जो अंडे जैसी है और AI की मदद से हार्मोन लेवल का एनालिसिस करके यूजर को बेहतर फर्टिलिटी इनसाइट देने का दावा करती है। यूजर एक टेस्ट वैंड को यूरिन में डिप करता है, फिर उसे डिवाइस में लगाता है और डेटा ऐप में चला जाता है, जहां रिजल्ट और ट्रैकिंग दिखाई देती है। करीब 22,500 रुपये में यह डिवाइस जल्द मार्केट में आ सकती है।

पैरों पर खड़ा होना सिखाएगी यह डिवाइस

इटली की कंपनी Cosmo रोबॉटिक्स ने Bambini Kids नाम की एक रोबॉटिक डिवाइस दिखाई। इसे 2.5 से 7 साल की उम्र के उन बच्चों के लिए बनाया गया है जिनको जन्म से या दुर्घटना के कारण चलने में कठिनाई होती है। यह रोबॉटिक डिवाइस है जो खास तौर पर एड़ियों को इलेक्ट्रिक मोटर से चलाने में मदद करता है। बच्चे फिजियोथेरेपी के जरिए इससे चलना सीख जाते हैं।

बच्चों का यह स्मार्ट खिलौना पढ़ाएगा भी

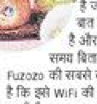

CES 2026 में एक स्मार्ट खिलौना Fuzozo भी दिखाया गया। इसे Tuya Smart और Robopoet ने तैयार किया है। यह छोटा सा AI बेस्ड रोबॉट है जो बच्चों से बात कर सकता है और उनके साथ समय बिता सकता है। Fuzozo की सबसे खास बात यह है कि इसे WiFi की जरूरत नहीं पड़ती है। अगर बच्चा उदास है या अकेलापन महसूस कर रहा है, तो Fuzozo मन बहला सकता है।

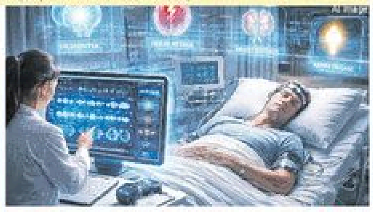
AI image

नींद को ट्रैक कर बता देंगे 130 बीमारियां: रिसर्च

Pradeep.Tiwari@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** अगर आप सोचते हैं कि नींद सिर्फ थकान मिटाने के लिए होती है, तो अब यह सोच बदलने का वक्त है। अमेरिका की स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की एक रिसर्च में पता चला है कि हमारी एक रात की नींद आने वाले कई वर्षों की सेहत की जानकारी दे सकती है। दिल की बीमारी, स्ट्रोक, डिमेंशिया (याददाश्त की बीमारी), किडनी फेल होना और यहां तक कि मौत का खतरा भी, इन सबका अंदाजा नींद के पैटर्न से लगाया जा सकता है। यह रिसर्च नेचर मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित हुई है। इसमें वैज्ञानिकों ने एक खास AI मॉडल तैयार किया है, जिसका नाम है SleepFM। यह मॉडल इंसान की नींद के दौरान शरीर में होने वाली गतिविधियों को समझकर भविष्य में होने वाली 130 बीमारियों का अनुमान लगाता है।

नींद में ऐसा क्या होता है, जो AI बता रहा?

जब हम सोते हैं, तब हमारा दिमाग, दिल, सांस और मांसपेशियां लगातार काम कर रही होती हैं। नींद के दौरान दिमाग की तरंगें बदलती हैं, दिल की धड़कन धीमी या तेज होती है, सांस लेने का तरीका बदलता है और शरीर पूरी तरह आराम की स्थिति में जाता है। डॉक्टर जिस जांच को 'स्लीप टेस्ट' कहते हैं, उसमें इन सभी संकेतों को रेकॉर्ड किया जाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि कई बार इन बीमारियों के लक्षण शरीर में बहुत पहले दिखने लगते हैं, लेकिन हम उन्हें समझ नहीं पाते। नींद उन शुरुआती संकेतों को पकड़ सकती है।

मॉडल का रिजल्ट 75% तक रहा सटीक

AI मॉडल की भविष्यवाणी की सी-इंडेक्स पर सटीकता 0.75 से अधिक आई है, यानी करीब 75% मामलों में मॉडल ने सही जानकारी दी। हार्ट अटैक के मामलों में मॉडल ने 10 में से 8 अनुमान सही बताए। इसी तरह डिमेंशिया के 8.5, किडनी रोग के करीब 8, स्ट्रोक के 7.8 और ब्रेस्ट कैंसर के 10 में से करीब 9 अनुमान सही रहे। इस रिसर्च में करीब 65 हजार लोगों की नींद से जुड़ा डेटा इस्तेमाल किया गया। यह डेटा 5 लाख 85 हजार घंटों की नींद का था।

डिमेंशिया और दिल की बीमारी में नींद का रोल

रिसर्च में पाया गया कि जिन लोगों की नींद बार-बार टूटती है, उनमें आगे चलकर दिमागी बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है। इसी तरह सांस से जुड़ी गड़बड़ियां और नींद में ऑक्सीजन की कमी दिल और फेफड़ों की बीमारियों से जुड़ी पाई गई। इस मॉडल ने यह भी दिखाया कि अलग-अलग बीमारियों के लिए नींद के अलग संकेत अहम होते हैं। दिल की बीमारियों में दिल की धड़कन और सांस से जुड़े संकेत ज्यादा जरूरी होते हैं।

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 17-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMKHEL User: cci Time: 01-16-2026 23:29 Color:

NBT AI टाइम मशीन

आज ही हुई थी UNSC की पहली बैठक

आज ही के दिन 1946 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की पहली बैठक लंदन में हुई थी। इस दौरान कुल 11 सदस्य (5 स्थायी और 6 अस्थायी) थे। बैठक का मकसद परिषद के संचालन का नियम तय करना और विश्व शांति के लिए ढांचा तैयार करना था। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानूनी रूप से बाध्यकारी फैसला लेने वाली इकलौती ग्लोबल इकाई है। हालांकि इसकी पर्मानेंट मेंबरशिप पर कई सवाल उठते हैं।

NBT
Front Page-2
नवभारत टाइम्स। मुंबई
शनिवार, 17 जनवरी 2026, पेज 13

भारत बनेगा UNSC का स्थायी सदस्य

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्वरूप ज्यादा समावेशी होगा। पर्मानेंट मेंबरशिप का दायरा बढ़ेगा और भारत जनसंख्या, अर्थव्यवस्था, सैन्य क्षमता और ग्लोबल साउथ की आवाज होने से स्थायी सदस्य बनेगा। परिषद में AI बेस्ड अर्ली वार्निंग सिस्टम, साइबर और स्पेस सिक्योरिटी जैसे नए आयाम जुड़ेंगे। वीटो पावर सीमित हो सकती है। यह संस्था पूरी शांति तो नहीं, लेकिन युद्ध रोकने में अब से कहीं अधिक प्रभावी भूमिका निभाएगी।

AI Images

ईरान मसले पर अमेरिका बोला- सभी ऑप्शन खुले

कहा- प्रदर्शनकारियों की हत्याएं जारी रहीं, तो गंभीर परिणाम होंगे

■ NBT रिपोर्ट

अमेरिका के वाइट हाउस ने कहा है कि ईरान के मामले में राष्ट्रपति ट्रंप के लिए सैन्य कार्रवाई समेत 'सभी विकल्प खुले हुए हैं'। साथ ही, चेतावनी दी कि अगर ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों की हत्याएं जारी रहीं तो तेहरान को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार (अमेरिकी टाइम जोन के हिसाब से) को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ट्रंप और उनकी टीम ने ईरान को साफ संदेश दिया है कि अगर हत्याएं नहीं रुकीं तो सख्त कदम उठाए जाएंगे। सहयोगी देशों द्वारा ट्रंप से हमले टालने का अनुरोध किए जाने संबंधी खबरों के बारे में पूछे जाने पर लेविट ने सीधे तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

US का दावा, ईरान में प्रदर्शनकारियों की 800 फांसियां रोकीं

CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, लेविट ने दावा किया कि ईरान में प्रदर्शनकारियों की 800 फांसियां, जो कथित तौर पर तय थीं, रोक दी गई हैं। हालांकि, उन्होंने इस दावे के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप और उनकी टीम हालात पर करीबी नजर बनाए हुए हैं और राष्ट्रपति के लिए सभी विकल्प खुले हैं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक बैठक में अमेरिका के राजदूत माइक वॉल्ट्स ने कहा कि सैन्य कार्रवाई एक विकल्प है जो अब भी विचाराधीन है। यह बयान ऐसे समय आए हैं, जब ट्रंप ने अपने रुख में थोड़ी नरमी दिखाई थी।

AP

तनाव कम कराने की कोशिश

पूतिन ने ईरान-इस्राइल के नेताओं से बात की

एपी, मॉस्को: रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने गुरुवार को इस्राइल और ईरान के शीर्ष नेताओं से फोन पर बातचीत की। पूतिन क्षेत्र में बढ़ते तनाव को कम करने के लिए मध्यस्थता की कोशिश कर रहे हैं। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के चलते पूरे मिडल ईस्ट में सैन्य टकराव की आशंका बढ़ गई है। ईरान लगातार आरोप लगाता रहा है कि इन प्रदर्शनों के पीछे अमेरिका और इस्राइल का हाथ है और वे देश की राष्ट्रीय एकता को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। पूतिन ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, दोनों से बात की।

फांसी के दावे से ईरान का इनकार

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने देश में प्रदर्शनकारियों को फांसी देने की योजना से इनकार किया है। उन्होंने कहा, फांसी देना सवाल से बाहर है। उन्होंने यह बयान इंटरव्यू में दिया। हालांकि, बीते दिनों अराघची ने यह भी कहा था कि अगर अमेरिका ईरान को 'परखना' चाहता है तो देश तैयार है।

चाबहार पोर्ट पर भारत के पीछे हटने की खबरें सही नहीं: विदेश मंत्रालय

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** ईरान के चाबहार बंदरगाह को लेकर भारत सरकार ने साफ किया है कि वह इस मुद्दे पर अमेरिका के लगातार संपर्क में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम जायसवाल ने कहा कि चाबहार से भारत के पीछे हटने की खबरें सही नहीं हैं। प्रवक्ता ने बताया कि 28 अक्टूबर 2005 को अमेरिका के ट्रेजरी विभाग ने ईरान से जुड़े कुछ प्रतिबंधों में छूट दी थी।

कहा- इस मुद्दे पर अमेरिका के लगातार संपर्क में है

यह छूट 26 अप्रैल 2026 तक वैध है। भारत इसी व्यवस्था के तहत अमेरिका के साथ मिलकर काम कर रहा है।

हाल ही में एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारत ने चाबहार से साझेदारी खत्म कर दी है। रिपोर्ट के बाद विपक्ष ने सरकार पर सवाल उठाए थे। विदेश मंत्रालय ने कहा- चाबहार बंदरगाह भारत के लिए बेहद अहम है, क्योंकि इसके जरिए भारत को अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया तक सीधी कनेक्टिविटी मिलती है। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि भारत और ईरान के ऐतिहासिक संबंध रहे हैं और भारत वहां के हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है।

ईरान में स्थित चाबहार बंदरगाह भारत की कनेक्टिविटी के लिए अहम है।

गलवान पर फिल्म को लेकर मंत्रालय की दूरी

गलवान घाटी पर बनी फिल्म को लेकर पूछे गए सवाल पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि फिल्म मेकिंग से जुड़े मामलों में मंत्रालय की कोई भूमिका नहीं होती। दरअसल, यह सवाल सलमान खान स्टारर 'बैटल ऑफ गलवान' फिल्म के टीजर को लेकर उठा था, जिस पर चीन की सरकारी मीडिया ने नाराजगी जताई है। चीनी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने इसे तथ्यों से अलग बताया था। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों को भारत की दूसरी संबंधित अथॉरिटीज देखती है, मंत्रालय नहीं।

हमास को हर हालत में छोड़ने होंगे हथियार: ट्रंप

■ **पीटीआई, वॉशिंगटन:** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा शांति योजना के दूसरे चरण की शुरुआत का ऐलान किया है। इस चरण में हमास से हथियार डालने और उसके टनल नेटवर्क को खत्म करने की मांग की गई है। ट्रंप ने कहा, गाजा में अब एक फलस्तीनी टेक्नोक्रेटिक प्रशासन काम करेगा, जिसे अमेरिका के नेतृत्व वाले 'बोर्ड ऑफ पीस' का समर्थन मिलेगा। पहले चरण में हमास ने सभी जीवित बंधकों को रिहा कर दिया था।

चिनफिंग और कनाडाई PM कार्नी की मुलाकात

■ **आईएएनएस, पेइचिंग:** कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शुक्रवार को चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात की। इस दौरान, उन्होंने पेइचिंग के साथ नई रणनीतिक साझेदारी की सराहना भी की। यह आठ साल में किसी कनाडाई नेता का पहला चीन दौरा था। बीते कुछ समय में चीन और कनाडा के बीच तनाव देखने को मिला है। दोनों देशों के बीच एक-दूसरे के नागरिकों के खिलाफ बदले की कार्रवाई में गिरफ्तारी और कई ट्रेड विवादों को लेकर तनाव भी था।

ग्रीनलैंड पर अमेरिका के साथ बातचीत में

'असहमति' सामने आने के बीच यूरोपीय सैनिक द्वीप पहुंचे।

ब्रिटेन सरकार ने बांग्लादेश में हो रही

हर तरह की हिंसा की कड़ी निंदा की है और वहां शांतिपूर्ण, विश्वसनीय चुनाव कराने की अपील की है।

अमेरिका और ताइवान ने गुरुवार को

एक बड़े व्यापार समझौते पर सहमति जताई, जिसके तहत ताइवान की वस्तुओं पर शुल्क में कटौती की जाएगी।

SPEED News पर आप अपनी राय हमें 9220747220 पर वट्सऐप करके बताएं।

फटाफट खबरें

राबड़ी की याचिका पर CBI को नोटिस

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को RJD प्रमुख लालू प्रसाद यादव की पत्नी और बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी की याचिका पर सीबीआई से जवाब मांगा। राबड़ी ने आईआरसीटीसी से जुड़े कथित घोटाले में आरोप तय करने को चुनौती दी है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने याचिका पर नोटिस जारी किया और सुनवाई के लिए 19 जनवरी की तारीख तय की। उस दिन लालू और तेजस्वी की याचिकाएं भी लगी हैं।

अमर्त्य सेन के घर से लिए दस्तावेज

■ **भाषा, कोलकाता :** SIR प्रक्रिया के तहत शुक्रवार को निर्वाचन अधिकारियों ने नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन के आवास जाकर उनके आवश्यक दस्तावेज प्राप्त किए। उनके परिवार के एक सदस्य ने यह जानकारी दी। अधिकारी बीरभूम जिले के बोलपुर स्थित सेन के पुश्तैनी घर 'प्रतीची' पहुंचे और उनका आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र संख्या, उनकी मां अमिता सेन का मृत्यु प्रमाण पत्र और एक पत्र एकत्र किया।

वक्फ संपत्तियों के केस में सुनवाई नहीं

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वक्फ मुतवल्ली की रिट याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि केंद्र सरकार के UMEED पोर्टल में वक्फ संपत्तियों का ब्योरा अपलोड करने के दौरान तकनीकी खामियां हैं। हालांकि, चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने याचिकाकर्ता को अपनी शिकायतें संबंधित अथॉरिटी के सामने उठाने की स्वतंत्रता दी है।

आज पहली वंदे भारत स्लीपर को हरी झंडी दिखाएंगे PM

Maneesh.Aggarwal@timesofindia.com

■ **मालदा (पश्चिम बंगाल):** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन रेलवे स्टेशन से देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। अभी दो वंदे भारत स्लीपर बनी हैं जिसमें से एक कोलकाता (हावड़ा) से गुवाहाटी (कामाख्या) और दूसरी गुवाहाटी से कोलकाता के बीच चलेगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल को एक दर्जन से अधिक नई ट्रेनों की सौगात देंगे। इस दौरान, पीएम मालदा में 3250 करोड़ रुपए से अधिक की रेल और सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास और शुभारंभ भी करेंगे।

वंदे भारत का अब तक का सफर...

15 फरवरी, 2019 में पहली वंदे भारत चेयरकार ट्रेन लॉन्च हुई थी।

30 सितंबर 2022 में वंदे भारत-2.0, 2025 में वंदे भारत 3.0 लॉन्च हुई।

17 जनवरी, 2026 को पहली वंदे भारत स्लीपर लॉन्च हो रही है।

2027 में अडवांस वर्जन 4.0 देखने को मिलेगा। ये कवच अडवांस वर्जन 5.0 से लैस होंगी।

164 थीं वंदे भारत चेयरकार ट्रेनों की संख्या दिसंबर 2025 तक। इसमें बढ़ोतरी हो रही है।

800 हो जाएगी वंदे भारत ट्रेनों की यह संख्या 2030 तक। 2047 तक ये 4500 होने की उम्मीद है।

और बढ़ेंगी स्लीपर ट्रेनें

■ नई वंदे भारत स्लीपर 1000-1500 किमी जैसी दूरी के लिए ही बनाई गई है। रेलवे का कहना है आने वाले समय में परफॉर्मेंस देखकर कमर्शियल से कन्याकुमारी के लिए सेवा शुरू की जाएगी।

■ रेलवे हाई स्पीड ट्रेनों को चलाने के लिए बेहतर ट्रैक बनाने पर काम कर रहा है। डेडिकेटिड हाई स्पीड कॉरिडोर पर काम जारी है, जिनमें 350 किमी प्रति घंटे की स्पीड से ट्रेन दौड़ सके।

IAF के लिए मल्टीरोल फाइटर एयरक्राफ्ट लेने की प्रक्रिया एक कदम बढ़ी

Poonam.Pandey
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** इंडियन एयरफोर्स के लिए मल्टीरोल फाइटर जेट लेने की प्रक्रिया एक कदम आगे बढ़ी। शुक्रवार को डिफेंस प्रॉक्यूरमेंट बोर्ड (DPB) में MRFA (मल्टीरोल फाइटर एयरक्राफ्ट) प्रस्ताव को मंजूरी मिली। अब इसे रक्षा अधिग्रहण समिति (DAC) में भेजा जाएगा। कुछ और प्रक्रियाओं के बाद अंत में कैबिनेट कमिटी ऑन सिक्योरिटी का अप्रूवल लेना होगा।

एयरफोर्स को 114 मल्टी रोल फाइटर जेट चाहिए। इसके लिए सालों से प्रक्रिया चल रही है। पूरी संभावना है कि MRFA के तौर पर एयरफोर्स राफेल फाइटर जेट लेगी। राफेल के लिए श्रीनीपारिक बातचीत काफी वक्त से जारी है। अब औपचारिक तौर पर प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। एयरफोर्स के पास पहले से भी राफेल हैं। एयरफोर्स चीफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह कह चुके हैं कि राफेल को शामिल करना आसान होगा क्योंकि पहले से ही एयरफोर्स के पास इसके सिमुलेटर हैं और लोग इसमें ट्रेंड हैं।

MRFA प्रस्ताव स्वदेशी तेजस से बिल्कुल अलग है। इससे तेजस पर असर नहीं होगा। एयरफोर्स ने हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स को 83 तेजस-मार्क 1A का ऑर्डर दिया था, जिसकी कीमत 48000 करोड़ थी। बाद में सरकार ने अतिरिक्त 97 तेजस-मार्क 1A का और ऑर्डर देने को मंजूरी दे दी लेकिन एचएएल से एयरफोर्स को तेजस-मार्क 1A मिलने में देरी हो रही है। अभी तक एक भी एलसीए तेजस-मार्क 1A नहीं मिल पाया है। डिफेंस सूत्रों ने कहा कि एमआरएफए से रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्रभावित नहीं होगी क्योंकि एलसीए प्रोग्रेस और AMCA (अडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट) प्रोजेक्ट के लिए अलग से फंड अलॉट किया गया है।

'खिड़की गांव' फिल्म का बुसान तक सफर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

भारतीय फीचर फिल्म खिड़की गांव का एक सीन।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत संचालित वेव्स (World Audio Visual and Entertainment Summit) बाजार भारतीय फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहा है। इसका ताजा उदाहरण भारतीय फीचर फिल्म 'खिड़की गांव' है, जिसने वेव्स बाजार के माध्यम से वैश्विक पहचान हासिल की और साउथ कोरिया के बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव तक सफल यात्रा की।

मंत्रालय के अनुसार, वेव्स बाजार के जरिए फिल्मों का केंद्रित चयन (क्यूरेशन) और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक व्यवस्थित पहुंच संभव हो रही है। 'खिड़की गांव' को वेव्स बाजार के टॉप सिलेक्ट्स कार्यक्रम में चुना गया था। इसके बाद फिल्म ने वेव्स बाजार मेलबर्न इंडस्ट्री डेलिगेशन के तहत भारत का प्रतिनिधित्व किया। इससे फिल्म से जुड़े कलाकारों और निर्माताओं को अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं, महोत्सव आयोजकों और वितरकों से सीधे संवाद का अवसर मिला। संतू सुरेन्द्रन द्वारा निर्देशित 'खिड़की गांव' दिल्ली के खिड़की गांव इलाके की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह फिल्म शहरी जीवन, बदलते सामाजिक ताने-बाने और मानवीय संबंधों को संवेदनशील ढंग से दर्शाती है। बुसान में फिल्म को Hylle Vision पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो इसकी अंतरराष्ट्रीय सराहना का प्रमाण है।

WAVES बाजार से भारतीय फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय पहचान

स्पीकर कॉन्फ्रेंस खत्म, UK को 'बैटन'

लोकतांत्रिक संस्थाओं को जन केंद्रित बनाना समय की मांग: विरला

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली**

कॉमनवेल्थ देशों की पार्लियामेंट के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 29वें सम्मेलन (CSPOC) का शुक्रवार को दिल्ली में समापन हो गया। दो-दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाएं तभी सशक्त और प्रासंगिक बनी रह सकती हैं, जब वे पारदर्शी, समावेशी, उत्तरदायी और जनता के प्रति जवाबदेह हों। भारत को 16 साल साल बाद इस सम्मेलन की अध्यक्षता का मौका मिला था। इस दौरान कनाडा, चुके समेत 42 देशों के स्पीकर और पीठासीन अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

बिरला ने 29वें सीएसपीओसी की अध्यक्षता चुनाइट्रेड किंगडम के हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष लिंडसे होयल को सौंपी और लंदन में होने वाले अगले सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

दिल्ली में शुक्रवार को 29वें CSPOC का समापन हो गया।

'पारदर्शिता से निर्णय-प्रक्रिया में खुलापन'

उन्होंने कहा कि पारदर्शिता से निर्णय-प्रक्रिया में खुलापन आता है और जनता का विश्वास बढ़ता है। सम्मेलन यह सुनिश्चित करता है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में समाज के सभी वर्गों, विशेषकर हाशिये पर खड़े लोगों की आवाज सुनी जाए। सम्मेलन में बिरला ने संसदों में AI के जिम्मेदार इस्तेमाल, सोशल मीडिया के प्रभाव, नागरिक सहभागिता और सांसदों और संसदीय कर्मचारियों के स्वास्थ्य व कल्याण जैसे विषयों पर हुई चर्चाओं को विशेष रूप से उपयोगी बताया।

बिरला ने AI के जिम्मेदार इस्तेमाल की बात की

सरकार का सट्टेबाज़ी पर ऐक्शन, 242 अवैध वेबसाइट लिंक बैन

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** सरकार ने शुक्रवार को सट्टेबाजी और जुआ खेलने से संबंधित 242 अवैध वेबसाइट के लिंक को प्रतिबंधित कर दिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह आदेश पिछले साल अगस्त में पैसे के इस्तेमाल वाले गेमिंग ऐप पर लगाए गए सरकारी प्रतिबंध के बाद आया है।

सूत्रों ने कहा, 'भारत सरकार ने शुक्रवार को अवैध सट्टेबाजी और जुआ से जुड़े 242 अवैध वेबसाइट लिंक को प्रतिबंधित कर दिया। ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम पारित होने के बाद से अब तक 7,800 से अधिक अवैध सट्टेबाजी और जुआ संबंधी वेबसाइट को बंद किया जा चुका है।'

'गैर-हिंदू की नो एंट्री', हर की पैड़ी में लगा चेतावनी का बोर्ड

■ **NBT रिपोर्ट, हरिद्वार: विश्व प्रसिद्ध** हर की पैड़ी पर शुक्रवार को 'अहिंदू प्रवेश निषेध' लिखा बोर्ड लगाए जाने से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस बोर्ड को लेकर कानून, आस्था और प्रशासनिक जिम्मेदारी पर सवाल उठ रहे हैं। बोर्ड श्री गंगा सभा क्षेत्र में लगाया है। गंगा सभा का कहना है कि यह नया नियम नहीं है, बल्कि निगम के पुराने कानूनों की जानकारी देने को लगाया है।

रणनीतिक संवाद 17वे भारत–जापान रणनीतिक संवाद में कई अहम सहमतियां, तकनीक, डिफेंस और स्टार्टअप पर फोकस

AI, आर्थिक सुरक्षा में भारत-जापान का बढ़ेगा साथ

Alpyu.Singh@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: भारत और जापान, आने वाले वक्त में गहरे आर्थिक सुरक्षा के साझेदार बनेंगे, इस दिशा में AI में सहयोग अहम रहेगा। जापान और भारत के बीच 17वें भारत-जापान रणनीतिक डायलॉग में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने इस तरह की सहमति पर मंजूरी दी।

जापान के विदेश मंत्री तेशिमित्सु मोतेगी इन दिनों भारत दौरे पर हैं। इस यात्रा के मद्देनजर भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने जापानी भाषा में सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर मोतेगी का स्वागत किया। जापान के विदेश विभाग के प्रवक्ता तोशीहीरो किताग्पा ने कहा कि दोनों देश जल्द क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में एक ठोकिंग ग्रुप बनाएंगे, जिससे इस दिशा में सहयोग कायम हो सके।

दोनों देशों के बीच AI को लेकर सहयोग एक बड़ा एजेंडा रहेगा। इसके तहत डिपभीप AI डायलॉग शुरू किया जाएगा। जापान ने भारत की प्रस्तावित AI इंपैक्ट समिट को समर्थन दिया है।

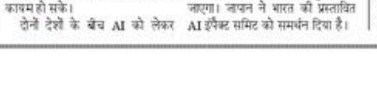

जयशंकर ने जापान के विदेश मंत्री को टीम इंडिया का साइन किया बैट दिया।

रिश्ते मजबूत

डिफेंस, टेक्नॉलजी पर रहेगा फोकस

डिफेंस सहयोग के तहत जापान अपनी नेवी रडार तकनीक UNICORN भारत को ट्रांसफर करेगा। इसके अलावा बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर भी बातचीत जारी है। टेक्नॉलजी ट्रांसफर के साथ-साथ दोनों देशों के निजी सेक्टर के बीच संवाद के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम बनाया जाएगा। जापान भारतीय स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने पर भी जोर देगा।

क्रिकेट और डिप्लोमेसी

डिप्लोमेसी की इस बातचीत में क्रिकेट ने उस वक्त दखल दिया, जब रणनीतिक संवाद वार्ता शुरू करने से पहले जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने जापान की नैशनल क्रिकेट टीम की जर्सी डॉ जयशंकर को गिफ्ट की। जयशंकर ने भी उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम का साइन किया बैट दिया।

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 17-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMIND User: kamlesh.mestry Time: 01-16-2026 22:31 Color:

जनता कर्फ्यू | my GOV मेरी सरकार

सत्यमेव जयते
Government of Assam

Bagurumba Dwhou
2026

A Historic
Bagurumba Dance Performance

10,000+ artistes ▸ 81 LACs ▸ 23 Districts

Chief Guest

Shri Narendra Modi
Prime Minister

In the august presence of

Shri Lakshman Prasad Acharya
Governor, Assam

Dr Himanta Biswa Sarma
Chief Minister, Assam

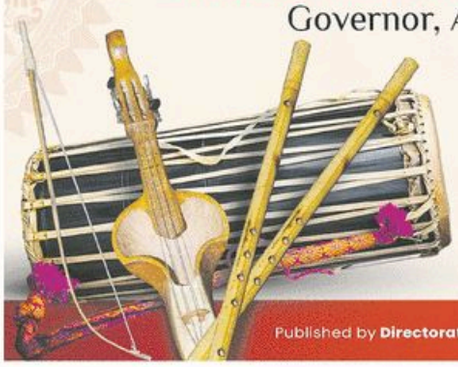

17 January 2026 6:00 PM
Arjun Bhogeswar Baruah Sports Complex, Sarusajai, Guwahati

न्यूज़ | The event will be telecast live on DD News

Janasanyog/DIPR/D/NBR/782/17-Jan-26

Published by Directorate of Information and Public Relations, Assam | Connect with us @diprassam | dipr.assam.gov.in

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 17-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMHJK2 User: arvind.yadav1 Time: 01-16-2026 23:51 Color:

2017 के बीएमसी चुनाव में बीजेपी की शिवसेना से दो सीटें कम रह गई थीं।

41 साल के संघर्ष के बाद BMC में BJP सबसे बड़ी पार्टी

ठाकरे परिवार की बादशाहत खत्म
BMC की नई बॉस BJP

Brijesh.Tripathi@timesofindia.com

■ **मुंबई :** 1985 में बीजेपी ने पहली बार बीएमसी चुनाव लड़ा था, लेकिन पार्टी का प्रदर्शन बहुत निराशाजनक रहा। इसके बाद 1992 के चुनाव में बीजेपी ने 14 सीटें जीतीं। तब से वह बीएमसी में शिवसेना के सामने छोटे भाई की भूमिका निभाती रही। कभी उसका मेयर नहीं बन सका। लेकिन अब 41 साल के संघर्ष के बाद पहली बार बीएमसी में बीजेपी का एकछत्र राज होगा। अब वह सबसे बड़ी पार्टी है। ढाई दशक से बीएमसी पर 'ठाकरे परिवार' की बादशाहत कायम थी।

बीएमसी की 227 सीटों के शुक्रवार को आए रिजल्ट में बीजेपी 89 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। वहीं साथ चुनाव लड़ने वाले शिंदे सेना के खाते में 29 सीटें आईं। महायुति ने चुनाव में 118 सीटें जीतकर बीएमसी में मेयर पद पर कब्जा कर लिया है। वहीं उद्धव ने 65 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि मनसे 6 सीटें जीत सकी। ठाकरे भाइयों के खाते में 71 सीटें आईं, जबकि शरद पवार की एनसीपी 1 सीट जीत पाई।

देवेंद्र फडणवीस साबित हुए धुरंधर

सीएम फडणवीस इस चुनाव में धुरंधर साबित हुए। उन्होंने दावा किया था कि बीजेपी 100 से अधिक सीटें जीतेगी। बीएमसी का मेयर महायुति का होगा, जो सच हुआ। 2017 में अकेले लड़ते हुए बीजेपी ने 82 सीट जीती थी, 84 सीट जीतने वाली शिवसेना ने अपना मेयर बनाया था।

मुंबई में शिंदे सेना पर भारी उद्धव ठाकरे

उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे के सामने खुद को असली शिवसेना साबित करने की चुनौती थी। सत्ता गंवाने के बाद भी इसमें काफी हद तक उद्धव ठाकरे सफल रहे। जबकि 90 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली शिंदे सेना 29 सीटों पर सिमट गई।

विधानसभा से भी बड़ा झटका लगा

बीएमसी चुनाव से ठीक पहले घबरे भाई राज ठाकरे को साथ मिलाकर चुनाव लड़ने वाले उद्धव ने बीजेपी को टक्कर दी, लेकिन बीएमसी की सत्ता बीजेपी के हाथों गंवा दी। उद्धव के लिए बीएमसी का चुनाव विधानसभा चुनाव परिणाम से भी बड़ा झटका रहा है।

स्ट्राइक रेट में उद्धव से बेहतर रही BJP

137 सीटें लड़कर 89 सीटें जीतने वाली बीजेपी का स्ट्राइक रेट 66% से अधिक रहा है। जबकि 90 लड़कर 29 सीट जीतने वाली शिंदे सेना का स्ट्राइक रेट 32% रहा। स्ट्राइक रेट के मामले में भी उद्धव और राज बीजेपी-शिंदे सेना का मुकाबला नहीं कर सके। उद्धव सेना की जीत का स्ट्राइक रेट 46 से ज्यादा है, जबकि मनसे की जीत में स्ट्राइक रेट सिर्फ 15% रहा।

राज का साथ भी उद्धव को नहीं आया रास

बीएमसी चुनाव में राज ठाकरे की मनसे के साथ आने वाले उद्धव ठाकरे को यह गठबंधन रास नहीं आया। 163 सीट पर चुनाव लड़ने वाली उद्धव सेना 65 सीट और 53 सीट पर लड़ने वाली मनसे 6 सीट जीतने में कामयाब रही, जो पिछले चुनाव से 2 ज्यादा है। राज ठाकरे के साथ उद्धव के गठबंधन का प्रमुख कारण मराठी वोटों का बंटवारा रोकना था। लेकिन इसके कारण उद्धव से मुस्लिम और हिंदी भाषी वोटर दूर हो गए, जिसका खामियाजा चुनाव में हार के रूप में भुगतना पड़ा।

KDMC: उद्धव और राज रहे चुनाव प्रचार से दूर

■ **अरविंद त्रिपाठी, कल्याण :** कल्याण-डोंबिवली मनपा चुनाव के नतीजों ने राज्य की राजनीति में एक स्पष्ट संदेश दिया है कि यह क्षेत्र अब शिंदे-बीजेपी महायुति का मजबूत गढ़ बन चुका है। चुनाव में शिंदे सेना ने अधिकतर सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि बीजेपी को अधिक सीटों पर सफलता मिली। इस तरह दोनों दलों को मिलाकर महायुति ने 122 सीट वाले केडीएमसी में सत्ता पाने से अधिक सीटों पर विजय हासिल की, जिसे एक निर्णायक और प्रभावशाली जनादेश माना जा रहा है। कल्याण-डोंबिवली मनपा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके सांसद बेटे श्रीकांत शिंदे के लोकसभा क्षेत्र में आती है। ऐसे में इस जीत को न केवल स्थानीय निकाय चुनाव की सफलता, बल्कि शिंदे परिवार की राजनीतिक पकड़ और संगठनात्मक ताकत के प्रमाण के रूप में भी देखा जा रहा है। जीत के बाद शिंदे सेना और बीजेपी नेता डोंबिवली में एक साथ एकत्रित हुए और संयुक्त रूप से विजय उत्सव मनाया, जिससे दोनों दलों के बीच मजबूत तालमेल का प्रदर्शन हुआ।

प्रतिद्वंद्वी कार्यकर्ताओं के कमजोर उत्साह का फायदा मिला शिंदे सेना-बीजेपी को

ठाकरे परिवार रहा प्रचार से नदारद

इसके उलट ठाकरे बंधुओं ने मुंबई की तर्ज पर कल्याण-डोंबिवली में भी साथ मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें यहां सीमित सफलता ही मिल सकी। उद्धव सेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को केवल कुछ सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, शिवसेना के विभाजन से पहले यह इलाका ठाकरे परिवार का पारंपरिक गढ़ माना जाता था और हर मनपा चुनाव में उद्धव ठाकरे यहां विशेष ध्यान देते थे। हालांकि, इस बार न तो उद्धव ठाकरे और न ही आदित्य ठाकरे ने यहां कोई चुनावी सभा की, जिससे कार्यकर्ताओं में उत्साह की कमी साफ नजर आई।

राज ठाकरे सिर्फ एक बार आए

मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे भी केवल एक बार प्रचार के लिए आए और सीमित शाखाओं में कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर लौट गए। इसके विपरीत एकनाथ शिंदे ने अपने गढ़ को मजबूत बनाए रखने के लिए चार चुनावी सभाएं की, जबकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी एक सभा को संबोधित किया। इन्हीं कारणों से 2017 की तुलना में इस बार शिंदे की शिवसेना और बीजेपी का प्रदर्शन कहीं अधिक सशक्त और प्रभावी माना जा रहा है। कार्यकर्ताओं ने माइक्रो लेवल पर प्लानिंग की। साथ ही किसी भी प्रभाव में अपने उम्मीदवार का उत्साह कमजोर नहीं होने दिया।

ठाणे: एकनाथ शिंदे की कॉमनमैन की छवि रंग लाई

■ **अनिल कुमार शुक्ल, ठाणे:** शिवसेना में विभाजन के बाद से ठाणे में एकनाथ शिंदे का दबदबा बना हुआ है। ठाणे की 131 सीटों में से शिंदे सेना ने करीब 70 सीटें अपने नाम की। राज्य की राजनीति में ठाणे के बढ़ते महत्व को देखते शिंदे लगातार अपने क्षेत्र पर पैनी नजर बनाए हुए थे। ये विधानसभा चुनाव का अपना प्रदर्शन दोहराना चाहते थे। जो नतीजे आए हैं, वह पहले से अपेक्षित थे। नतीजों में शिंदे सेना का वर्चस्व बना रहेगा, इसको लेकर पहले से ही चर्चा जोरों पर थी और वैसा ही हुआ।

उद्धव सेना के पूर्व नगरसेवकों में 2 को छोड़ शेष सभी शिंदे के साथ हो गए थे। इसके साथ ही शिंदे ने दूसरी पार्टियों के कई पूर्व नगरसेवकों को अपने पाले में लेने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। शिंदे ने शुरुआत से ही जिस तरह की रणनीति बनाई थी, उसका परिणाम लोकसभा चुनाव और उसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में देखने को मिला था। शिंदे ने उद्धव सेना को खत्म करने और खुद की सेना को बढ़ाने के लिए रात-दिन एक कर दिया था। राज्य के CM के अपने कार्यकाल एक दौरान शिंदे हमेशा अपने आप को कॉमनमैन और उसके बाद DCM के कार्यकाल के दौरान वे खुद को डेडिकेटेड टू कॉमन मैन कहते ही रहे हैं। वे खुद की छवि आम लोगों के बीच में पैठ बनाने वाली ही रखे हैं।

बड़े भाई के रोल में शिंदे

एक के बाद एक चुनाव में ठाणे मनपा क्षेत्र से उद्धव सेना का शहर से सफाया हुआ है और शिंदे शिवसेना का गढ़ बना है। खुद को दिवंगत बालासाहेब ठाकरे और आनंद दिघे का राजनीतिक उत्तराधिकारी बताने वाले शिंदे BJP के साथ बड़े भाई की भूमिका में ठाणे में दमदार साबित हुए हैं। आने वाले दिनों में यह बहुत अहम होगा और स्थानीय BJP के नेताओं को इसकी टीस बनी रहेगी। बीजेपी और शिंदे सेना की सीटों में बड़ा अंतर हो गया है। हो सकता है स्थानीय लेवल पर इसका असर कार्यकर्ताओं में असंतोष के रूप में देखने को मिले।

और NCP का क्या?

दोनों एनसीपी (अजित पवार) का प्रदर्शन ठाणे में कमजोर साबित हुआ है। यह भी कहा जा सकता है कि महायुति को एनसीपी ने कहीं न कहीं नुकसान पहुंचाया है। दूसरी ओर एनसीपी ने उस उत्साह से चुनाव प्रचार नहीं किया, जितना रखेचा गया था।

वसई-विरार: बविआ ने हार से लिया सबक, गई आम जनता के बीच

■ **सुरेंद्र नेगी, वसई:** वसई-विरार मनपा चुनाव में एक बार फिर बहुजन विकास आघाडी (बविआ) को बहुमत मिला है। बविआ ने 115 सीटों में से 71 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं, बीजेपी 42 सीटों पर जीत दर्ज कर मजबूत विपक्ष बनी है। इस बार भी शहर में पानी, सड़क, बिजली, गटर व अन्य बुनियादी सुविधाओं के मुद्दे पर चुनाव लड़ा गया। मतदाताओं ने एक बार फिर स्थानीय पार्टी बविआ पर विश्वास जताया है। उनके पक्ष में मतदान किया। लोकसभा व विधानसभा चुनाव को छोड़कर मनपा चुनाव में हितेन्द्र ठाकुर जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ काम करते हैं। इससे पहले चुनाव को देखा जाए, तो बविआ ने एकतरफा जीत दर्ज की थी। विपक्ष कमजोर होने की वजह से विकास कार्यों के लिए कोई आवाज नहीं उठाता था। इस बार बीजेपी ने 42 सीटें जीती हैं। अब यह अनुमान लगाया जा रहा है कि विपक्ष मजबूत होने के बाद आने वाले दिनों में विकास कार्यों को जिम्मेदारी व ईमानदारी से किए जाएंगे।

बविआ की जीत के कारण

पार्टी प्रमुख हितेंद्र ठाकुर की हर समाज के लोगों में अच्छी खासी पकड़ है और निकाय चुनावों में जनता का उन्हें अच्छा समर्थन मिलता है। ठाकुर ने शहर के कई प्रमुख विकास कार्यों को प्राथमिकता दी है। हालांकि उनके सत्ता में रहने पर राज्य सरकार से यहां के विकास कार्यों को नजरअंदाज किया गया। लेकिन मनपा में उनकी सत्ता रहने पर वह जन समस्याओं पर तत्काल संबंधित अधिकारियों से कहकर समाधान करते थे। बविआ की इस जीत का श्रेय पार्टी अध्यक्ष हितेंद्र ठाकुर ने अपनी पार्टी कार्यकर्ताओं को दिया है।

पनवेल में विपक्ष के नेताओं के BJP में जाने का प्रभाव

■ **NBT रिपोर्ट, पनवेल:** पनवेल मनपा चुनाव में महायुति के खिलाफ महाविकास आघाडी के सभी दल एक साथ मिलकर मैदान में उतरे थे। इसके बावजूद उन्हें अपेक्षा के अनुरूप परिणाम नहीं मिले। कुल 78 सीटों में से बीजेपी को 55, शिंदे सेना को 2, NCP (अजित पवार) को 2 और आरपीआई आठवले को एक सीट पर जीत मिली। वहीं, शेतकरी कामगार पार्टी (शेकाप) को 9, शिवसेना पूर्वोटी को 5, कांग्रेस को 4 सीटों पर जीत मिली। इस तरह महायुति को 60 सीटों पर और महाविकास आघाडी को 18 सीटों पर जीत मिली है। बीजेपी के 7 उम्मीदवार पहले ही निर्विरोध चुने जा चुके थे।

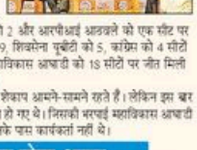

नतीजों के पीछे क्या रही रणनीति: पनवेल मनपा में बीजेपी और शेकाप आमने-सामने रहते हैं। लेकिन इस बार चुनाव से पहले शेकाप के बड़े नेता रहे प्रीतम म्हात्रे बीजेपी में शामिल हो गए थे। जिसकी बदौलत महाविकास आघाडी नहीं कर पाई और विपक्ष के मुद्दे जनता तक पहुंचाने के लिए उनके पास कार्यकर्ता नहीं थे।

इन नतीजों का यह होगा असर

शेतकरी कामगार पार्टी को ग्रामीण अंचल में पकड़ वाली की पार्टी माना जाता है। जब तक पनवेल का शहरीकरण नहीं हुआ था, तब तक शेकाप को इस क्षेत्र में जीत मिलती थी, लेकिन शहरीकरण के साथ शेकाप की विचारधारा से अब बहुत कम लोग जुड़े हैं। अब सत्ता नहीं होने के कारण अगले पांच वर्षों में शेकाप की राजनीति का भविष्य काफी कमजोर होने की संभावना है। ऐसे में कई अन्य कार्यकर्ता अथवा नगरसेवक पार्टी छोड़ सकते हैं या पार्टी किसी अन्य दल में विलय का भी निर्णय ले सकती है।

09
मनपाओं का जीत-हार का विश्लेषण

उल्हासनगर: शिंदे सेना की गुटबंदी की रणनीति कर गई काम

■ **अरविंद त्रिपाठी, उल्हासनगर :** उल्हासनगर मनपा चुनाव रोचक और सियासी मायनों में अहम साबित हुआ। महायुति के 2 प्रमुख घटक दल बीजेपी और शिंदे सेना आमने-सामने नजर आए। कुल 78 सीटों वाली इस मनपा में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला, जिससे सत्ता गठन में असमंजस है। चुनाव नतीजों में बीजेपी 37 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई है। वहीं, शिंदे सेना ने स्थानीय टीम ओमी कालानी, साईं पार्टी, आरपीआई और कुछ निर्दलीयों के साथ मिलकर चुनाव लड़ते हुए कुल 38 सीटें हासिल कीं। बहुमत का आंकड़ा 40 होने के कारण किसी भी गठबंधन ने सत्ता का दावा मजबूत नहीं किया है। उल्हासनगर कभी पप्पू कालानी के दबदबे के लिए जाना जाता था। बीते वर्षों में यहां शिंदे सेना, बीजेपी और साईं पार्टी की साझा सत्ता रही, जबकि एक दौर ऐसा भी आया जब बीजेपी ने कालानी गुट के समर्थन से ढाई साल तक सत्ता का अनुभव लिया। इस बार स्थिति पूरी तरह बदली हुई दिखी।

यह था BJP का प्लान

बीजेपी ने आखिरी समय तक शिंदे सेना से गठबंधन की उम्मीद बनाए रखी, लेकिन जब कोई सकारात्मक संकेत नहीं मिला, तो पार्टी ने पहली बार उल्हासनगर की सभी 78 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया। स्थानीय नेताओं विधायक कुमार ऐलानी, जिला अध्यक्ष राजेश वाधिया और चुनाव प्रभारी प्रदीप रामचंदानी ने बिना बड़े स्टार प्रचारकों के नए-पुराने और शिक्षित युवा चेहरों के साथ चुनाव लड़ा। जिसका नतीजा यह रहा कि बीजेपी मजबूत राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरी, जबकि शिंदे सेना बहुमत के जादुई आंकड़े से चूक गई। मौजूदा हालात में वंचित बहुजन आघाडी की 2 सीटें सत्ता की चाबी है, जिससे उल्हासनगर की राजनीति दिलचस्प हो गई।

उद्धव-राज ठाकरे ने काटे वोट

शिंदे सेना चुनावी रणनीति बनाते समय उद्धव सेना और मनसे के प्रभाव का सही आकलन करने में असफल रही। करीब एक दर्जन प्रभागों में शिंदे सेना की हार में उद्धव सेना और मनसे के उम्मीदवार निर्णायक फैक्टर बने। इन दोनों दलों को मिले वोट, शिंदे सेना की हार के अंतर से अधिक रहे, जिससे स्पष्ट है कि विपक्षी वोटों का बंटवारा शिंदे सेना के खिलाफ गया। यदि इन वोटों का एकीकरण होता, तो मुकाबला कड़ी अधिक करीबी हो सकता था। लेकिन तालमेल और रणनीतिक समझ के अभाव ने शिंदे सेना को भारी नुकसान पहुंचाया।

शिंदे सेना ने चुने अपने कमजोर उम्मीदवार

जिन प्रभागों में बीजेपी के टिकट वितरण से नाराजगी थी, वहां शिंदे सेना मजबूत और स्वीकार्य उम्मीदवार उतारने में नाकाम रही। इसका सीधा लाभ पार्टी को नहीं मिल सका। कई सीटों पर शिंदे सेना की हार का अंतर NOTA पर पड़े वोटों से भी कम रहा है। इसका अर्थ यह है कि विरोधी मतों का बंटवारा शिंदे सेना के पक्ष में नहीं हो पाया। प्रभावशाली स्थानीय चेहरे, जमीनी पकड़ और विश्वसनीयता के अभाव ने शिंदे सेना बीजेपी विरोधी गढ़ों को वोटों में तब्दील नहीं कर सकी।

MBMC: उद्धव-राज ने बिगाड़ दिया शिंदे सेना का पूरा खेल

■ **अमित तिवारी, मीरा भाईंदर:** मीरा-भाईंदर मनपा में बीजेपी की बड़ी जीत का एक अहम कारण पार्टी नेतृत्व की रणनीतिक पकड़ रही। टिकट वितरण को लेकर असंतोष के बावजूद बीजेपी ने समय रहते अपने बागियों को या तो निर्वाचित किया या सीमित प्रभाव में रखा। साथ ही जिन प्रभागों में पार्टी की स्थिति कमजोर मानी जा रही थी, वहां संगठन, वरिष्ठ नेताओं और अतिरिक्त कार्यकर्ताओं की ताकत झोंक दी गई। नतीजा यह रहा कि बीजेपी ने एकतरफा 95 में से 78 सीटें जीत लीं। जबकि शिंदे सेना को सिर्फ तीन ही सीट मिल सकीं। विशेषज्ञों के अनुसार, डोर-टू-डोर प्रचार, मजबूत मैनेजमेंट और अंतिम समय में बूथ स्तर पर सक्रियता ने मुकाबले को बीजेपी के पक्ष में मोड़ दिया। इसके उलट शिंदे सेना ऐसे प्रभागों में आक्रामक रणनीति बनाने में विफल रही, जिससे बीजेपी को निर्णायक बढ़त मिली। कई सीटों पर निर्दलीयों ने भी शिंदे सेना को नुकसान पहुंचाने का काम किया।

नवी मुंबई: गणेश नाईक का चेहरा आया BJP के काम

■ **पुरुषोत्तम कनौजिया, नवी मुंबई:** मनपा चुनाव में जहां बीजेपी को कुल 111 सीटों में से 66 सीटों पर जीत मिली, तो वहीं एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 41 सीटों पर जीत हासिल हुई। वहीं उद्धव सेना और मनसे के गठबंधन के भी तीन उम्मीदवारों ने बाजी मारी।बीजेपी ने नरेंद्र मोदी और देवेंद्र फडणवीस के अलावा गणेश नाईक को यहां चेहरे के रूप में पेश किया। उनकी यह रणनीति बहुत हद तक सफल रही। बीजेपी के प्रचारक सीधे नवी मुंबई के विकास की तुलना ठाणे से कर रहे थे और कहा रहे थे कि नवी मुंबई ठाणे से कैसे बेहतर है। अगर शिवसेना जीत गई, तो कितना नुकसान हो सकता है। नवी मुंबई के परियोजना प्रभावित ग्रामीणों और शहरी क्षेत्र के लोगों का बीजेपी को समर्थन मिला। जबकि शिवसेना ने बदलाव का नारा दिया था। उसे झोपड़पट्टी इलाकों के नागरिकों और पुनर्विकास के लिए इंतजार कर रहीं सोसायटीज के लोगों से सहयोग मिला।

आगे कैसी होगी राजनीतिक तस्वीर

केंद्र और राज्य में बीजेपी और शिंदे सेना गठबंधन में सरकार चला रही है। हालांकि, नवी मुंबई में बीजेपी के गणेश नाईक और शिवसेना नेताओं में व्यक्तिगत दूरी देखने को मिलती है। इसलिए दोनों के बीच जल्दी गठबंधन होने की संभावना नहीं है। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के दिल कैसे मिलते हैं, यह देखना भी दिलचस्प होगा। पहले कई बार दोनों में तनाव की स्थिति देखी गई।

उधर, बीजेपी की इस जीत को बिल्डर लॉबी के लिए खतरे की घंटी के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि उन्हें डर है कि अब पुनर्विकास के प्रोजेक्ट्स रुक जाएंगे। कई ऐसे प्रोजेक्ट हैं, जिन्हें पालिका से अनुमति की आवश्यकता होगी, जिसमें सबसे बड़ा नाम घणसोली की सिम्पलेक्स सोसायटी है। उस क्षेत्र से शिवसेना के चारों उम्मीदवार जीते हैं और अब वहां के नागरिकों को अनेक सवाल सता रहे हैं। नवी मुंबई की राजनीति दिलचस्प हो रही है।

भिवंडी: बगावत ने दिखाया असर, किसी पार्टी को बहुमत नहीं

■ **विजयकुमार सिंह, भिवंडी :** भिवंडी मनपा के आम चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल को बहुमत हासिल नहीं हो सका है। इसके चलते मनपा में त्रिशंकु सदन की स्थिति बन गई है। इस चुनाव में 90 में से कांग्रेस ने 30 सीटें जीतकर खुद को सबसे बड़ी पार्टी के रूप में स्थापित किया है। वहीं कई प्रमुख और बड़ी राजनीतिक पार्टियों को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। उद्धव सेना, मनसे, एनसीपी (एपी) और एआईएमआईएम एक भी सीट जीतने में नाकाम रहीं। मनपा चुनाव में बीजेपी और शिंदे सेना का एकमात्र गठबंधन अंत तक कायम रहा, जो कुल मिलाकर सफल भी रहा। बीजेपी को 22 और शिंदे सेना को 12 सीटें मिलने के बाद दोनों को मिलाकर कुल 34 सीटें प्राप्त हुईं। इसके बावजूद यह गठबंधन बहुमत से 12 सीटें पीछे रह गया।

यह होगा असर: मनपा में बहुमत न होने का असर महापौर एवं उपमहापौर के चुनाव पर पड़ेगा। बीजेपी और कांग्रेस दोनों महापौर बनाने के लिए दौड़ लगाएंगी। बीजेपी-शिंदे सेना मिलाकर जहां 34 नगरसेवक हो रहे हैं, वहीं कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) को मिलाकर 42 नगरसेवक हैं। दोनों दलों को मनपा में बहुमत के लिए नगरसेवकों को अपनी तरफ लाना होगा, लेकिन इस बार मनपा में विधायक रईस शेख किंगमेकर की भूमिका में रहेंगे।

रईस की बगावत से सपा को नुकसान

बीजेपी-शिंदेसेना को छोड़कर किसी भी पार्टी ने मिलकर चुनाव नहीं लड़ा, जिसके कारण किसी को बहुमत नहीं मिला। सपा विधायक रईस शेख का अपनी पार्टी से नाराजगी होकर लड़ने का पार्टी को नुकसान हुआ। वहीं शेख द्वारा सपा के नेताओं को कांग्रेस एवं एनसीपी (एसपी) की उम्मीदवारी दिलाकर उनके लिए कड़ा परीश्रम किया। जिसका परिणाम रहा कि रईस शेख द्वारा दिलाए गए टिकट में कांग्रेस के 24 नगरसेवक और एनसीपी (एसपी) के 12 नगरसेवक चुने गए है।

कांग्रेस की अब यह रणनीति: बीजेपी-शिंदे सेना को महापौर बनाने से दूर रखने के लिए कांग्रेस ने प्रयास शुरू कर दिया है। इस चौकाने वाले परिणाम को लेकर भिवंडी शहर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष रोड.अब्दुल रशीद ताहिर मोमिन ने कहा है कि साप्रदायिक पार्टियों की सत्ता से दूर रखने के लिए सभी धर्मनिरपेक्ष दलों को एकजुट होकर अपना महापौर चुनने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। उन्होंने निर्वाचित नगरसेवकों से शहर में ही रहते हुए एक धर्मनिरपेक्ष महापौर के चुनाव की अपील की है।

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 17-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMHJK3 User: cci Time: 01-16-2026 23:44 Color:

महानगर > मुंबई > शनिवार, 17 जनवरी 2026 > पौष 28, शक संवत 1947, माघ कृष्ण द्वादुर्दशी, विक्रम संवत 2082 WATCH GOD WATCHDOG वर्ष 77, संख्या 15 > मूल्य ₹6.00 > पेज 18 > आर. एन. आई. पंजीयन नंबर 1613/57 www.nbt.in

NBT
नवभारत टाइम्स

BMC के इतिहास में BJP ने पहली बार पाई कुर्सी

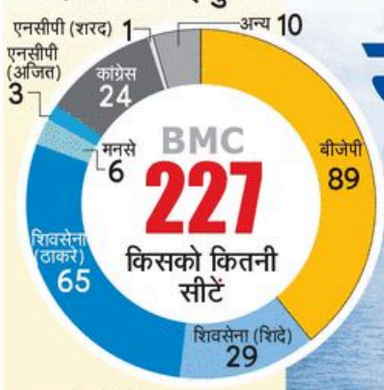

* रात 11 बजे तक के नतीजे व रुझान

वसई विरार मनपा		बीजेपी	43
		बहुजन विकास आघाडी	71
		कांग्रेस	01
		शिवसेना (शिंदे)	00
		यूबीटी	00
	टोटल सीटें 115	MNS	00
		NCP (AP)	00
		NCP (SP)	00
		AIMIM	--
		अन्य	00
उल्हासनगर मनपा		बीजेपी	37
		शिवसेना (शिंदे)	36
		कांग्रेस	01
		वंचित बहुजन अघाडी	01
		यूबीटी	00
	टोटल सीटें 78	साई पार्टी	01
		MNS	00
		NCP (AP)	00
		NCP (SP)	00
		अन्य	02
ठाणे मनपा		बीजेपी	28
		कांग्रेस	00
		शिवसेना (शिंदे)	75
		यूबीटी	01
		MNS	00
	टोटल सीटें 131	NCP (AP)	09
		NCP (SP)	12
		AIMIM	05
		SP	00
		अन्य	01
नवी मुंबई मनपा		बीजेपी	65
		शिवसेना (शिंदे)	43
		कांग्रेस	00
		यूबीटी	02
		MNS	00
	टोटल सीटें 111	NCP (AP)	00
		NCP (SP)	00
		AIMIM	--
		SP	00
		अन्य	01
कल्याण डोंबिवली		बीजेपी	50
		शिवसेना (शिंदे)	54
		कांग्रेस	02
		यूबीटी	10
		MNS	05
	टोटल सीटें 122	NCP (AP)	00
		NCP (SP)	01
		AIMIM	--
		SP	00
		अन्य	00
पनवेल मनपा		बीजेपी	55
		शेतकरी कामगार पार्टी	08
		कांग्रेस	04
		शिवसेना (शिंदे)	02
		यूबीटी	05
		MNS	00
	टोटल सीटें 78	NCP (AP)	02
		NCP (SP)	00
		RPI आठवले	01
		अन्य	01
भिवंडी निजामपुर		बीजेपी	22
		कांग्रेस	30
		शिवसेना (शिंदे)	12
		भिवंडी विकास अघाडी	03
		यूबीटी/MNS	00
	टोटल सीटें 90	NCP (AP)	00
		NCP (SP)	12
		SP	06
		कोणार्क विकास अघाडी	04
		अन्य	01
मीरा भाईंदर मनपा		बीजेपी	78
		कांग्रेस	13
		शिवसेना (शिंदे)	03
		यूबीटी	00
		MNS	00
	टोटल सीटें 95	NCP (AP)	00
		NCP (SP)	00
		AIMIM	--
		SP	--
		अन्य	01

ठाकरे बंधुओं के साथ आने का बीएमसी चुनाव परिणाम पर विशेष असर नहीं पड़ा। पिछली बार की चैंपियन उद्धव सेना को अब विपक्ष में बैठना पड़ेगा।

B बीजेपी M मुंबई C चैंपियन

महाराष्ट्र की कुल 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव में बीजेपी का डंका बजा है। 25 जगहों पर बीजेपी ने गठबंधन के साथ जीत हासिल की है। इससे पहले, नगरपरिषद के चुनावों में भी बीजेपी गठबंधन को भारी सफलता मिली थी। अब, 5 फरवरी को स्थानीय चुनावों की अंतिम कड़ी में जिलापरिषद के चुनाव होंगे। इसके साथ लंबे समय से अटके स्थानीय निकाय चुनाव की प्रक्रिया संपन्न हो जाएगी। इनमें मिली सफलता से सत्ता पक्ष की राह आसान कर दी है, जबकि विपक्ष के लिए नए सिरे से जमीन पर मौके तलाशने की चुनौती सामने लाई है। इसका असर, आगामी समय में राज्य की राजनीति के साथ-साथ विधानमंडल के कामकाज पर भी दिखाई देगा।

कुल 29 मनपा, 2,869 सीटें, 2,784 सीटों के नतीजे घोषित, बीजेपी 1,372, शिंदेसेना 394, कांग्रेस 315, अजित पवार की एनसीपी 158 सीटें, उद्धव सेना 149 सीट पर हुई काबिज।

चुनाव खत्म, अब मेयर बनाने की तैयारी

■ NBT टीम, मुंबई: बहुप्रतीक्षित महानगरपालिका चुनाव के नतीजे आ गए हैं। आचार संहिता हटने के बाद महानगरपालिकाओं में महापौर बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी। मुंबई के आसपास के क्षेत्र में केवल भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका में बहुमत का आंकड़ा किसी भी पार्टी को स्पष्ट रूप से नहीं मिला है। अन्य जगहों पर गठबंधन के साथ तस्वीर साफ हो चुकी है। भिवंडी में कांग्रेस-एनसीपी (शरद) और बीजेपी और शिवसेना (शिंदे) के बीच कांटे की टक्कर है, जहां दोनों को क्रमशः 42 और 34 सीटें मिली हैं, और मेयर बनाने के लिए 46 सीटों की जरूरत है। दोनों ओर से मेयर बनाने के लिए जोड़-तोड़ की कोशिशें शुरू हो गई हैं। एमएमआर की 9 महानगरपालिकाओं में 7 में बीजेपी और उनके सहयोगियों को बहुमत मिला है। वसई-विरार में बहुजन विकास आघाडी और भिवंडी में किसी को बहुमत नहीं मिला है।

अब आगे क्या: विजयी उम्मीदवारों को जीत का सर्टिफिकेट दिए जाने के बाद पार्टियों की ओर से कोकण आयुक्त को संख्या की जानकारी देनी होती है। जो पार्टियां गठबंधन में होती हैं, उस गठबंधन को कुल सीट संख्या बतानी पड़ती है। फिर हर महानगरपालिका की ओर से मेयर, स्थायी समिति, सुधार समिति समेत तमाम अन्य समिति के चुनाव के लिए तारीख घोषित की जाती है। इस पर इच्छुक फॉर्म भरकर मैदान में आते हैं। वैसे, बीएमसी चुनाव में मेयर पद के लिए सबसे बड़ी पार्टी चुनाव जीत सकती है, लेकिन प्रस्ताव पास कराने के दौरान बहुमत की आवश्यकता होती है।

जीत का 'हार' बीएमसी चुनाव में जीत का पश्चम लहराने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को फूलों का हार पहनाकर जश्नोत्सव मनाते बीजेपी नेता और कार्यकर्ता।

'थैंक्यू महाराष्ट्र'

महाराष्ट्र के लोगों ने NDA के जन-समर्थक सुशासन के अजेंडे को आशीर्वाद दिया है। हमारा ट्रैक रेकॉर्ड और विकास का विजन लोगों को पसंद आया है। पूरे महाराष्ट्र के लोगों का मैं आभारी हूं। यह वोट प्रगति को गति देने और राज्य की शानदार संस्कृति का जश्न मनाने के लिए है।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

'यह विकास के एजेंडे की जीत है। महानगर पालिका चुनाव में बीजेपी महायुति को महाविजय मिली है। इस जीत के लिए महाराष्ट्र की जनता का आभार। मुंबई में महायुति का महापौर बनने पर अगला जश्न मनाया जाएगा।'

- देवेंद्र फडणवीस, मुख्यमंत्री

'ये नजीते हमारे लिए निराशाजनक जरूर हैं, पर असंतोषजनक भी नहीं है। इसका कारण है कि बीजेपी के पैसे के सामने हमारे उम्मीदवार बिना किसी साधन, सुविधा के चुनाव लड़े। इस पर हम लोग मंथन करेंगे लेकिन हम हार नहीं मानेंगे।'

- सचिन सावंत, राष्ट्रीय सचिव, कांग्रेस

गठबंधन की राजनीति ने दिखाए अपने रंग

महाराष्ट्र की 29 मनपाओं में से 25 पर BJP महायुति की बढ़त

Rajkumar.Singh@Timesofindia.com

■ मुंबई : मुंबई सहित राज्य की 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव में महायुति 25 पर जीत के करीब है। कांग्रेस ने रवं. विलासराव देशमुख के लातूर मनपा पर जीत हासिल की है। चंद्रपुर मनपा पर कांग्रेस जीत के करीब है। सत्ता हासिल करने के लिए उसे उद्धव सेना का साथ चाहिए। मुंबई के करीब वसई विरार मनपा में ठाकुर बंधुओं की बहुजन विकास आघाडी जीत के करीब है।

बीजेपी और शिंदे सेना ने कई मनपा में युति कर चुनाव लड़ा, तो कहीं एक दूसरे को चुनौती दी। कहीं बीजेपी, शिंदे और अजित पवार गठबंधन से सत्ता में आ रहे हैं जबकि कुछ में कांग्रेस, उद्धव सेना और शरद पवार को साथ लेकर सत्ता में आ सकती है। हालांकि उनके लिए बीजेपी बड़ी दीवार होगी। नासिक को छोड़ ठाकरे बंधु मुंबई में निकले ही नहीं, ऐसे में नतीजे उनकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे। पुणे और पिंपरी-चिंचवड में पवार परिवार ने मिलकर बीजेपी को चुनौती दी, लेकिन पवार परिवार ही बड़ी पराजय का सामना करना पड़ा।

पुणे में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जीत पर अबीर, गुलाल उड़ाकर जश्न मनाया।

CM के घर एकतरफा जीत मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मां महानगरपालिका नागपुर में बीजेपी एकतरफा जीती है। छत्रपति संभाजी नगर में बीजेपी-शिंदे सेना जीती है, लेकिन यहां AIMIM ने 28 सीटें हासिल की हैं। उद्धव सेना 6 सीटों तक सिमट गई है। ठाकरे बंधुओं ने जिस नासिक में सार्वजनिक सभा की, वहां भी उन्हें बड़ी पराजय मिली।

■ शेष पेज 5 पर

महाराष्ट्र की 20 मनपाएं, जहां अधिकतर पर BJP आगे रही

नासिक रीजन	टोटल सीटें	विजेता
नासिक	122	72 (BJP)
अहिल्याबाई न.	68	27 (NCP अजित)
धुले	74	50 (BJP)
मालेगाव	84	18 (SS शिंदे)
जलगाव	75	46 (BJP)
पुणे रीजन	**टोटल सीटें**	**विजेता**
पुणे	165	96 (BJP)
पिंपरी चिंचवड	128	84 (BJP)
सांगली	78	39(BJP)
सोलापुर	102	87 (BJP)
कोल्हापुर	81	34 (कांग्रेस)
इचलकरंजी	65	43 (BJP)
मराठवाड़ा	**टोटल सीटें**	**विजेता**
छ.संभाजी नगर	115	57 (BJP)
लातूर	70	43 (कांग्रेस)
जालना	65	41 (BJP)
परभणी	65	25 (UBT)
नांदेड़	81	45 (BJP)
विदर्भ	**टोटल सीटें**	**विजेता**
नागपुर	151	102 (BJP)
अमरावती	87	25 (BJP)
अकोला	80	38 (BJP)
चंद्रपुर	66	27 (कांग्रेस)

नोट: रात 9:25 बजे तक का डेटा

5 पॉइंट्स में समझें BMC चुनाव का पूरा निचोड़

बीएमसी चुनाव के नतीजे हमेशा से ही दूरगामी परिणामकारक होते आए हैं। देश की सबसे बड़ी महानगरपालिका के इन नतीजों से निकले पांच अहम पॉइंट्स बता रहे हैं *विजय पांडेय*

1 पहली बार बनेगा BJP का मेयर

बीजेपी पास्ती बार देश की सबसे बड़ी महानगरपालिका BMC की सत्ता संभालेगी। पिछली बार महज 2 सीटों से चूकी बीजेपी ने इस बार कोई कसर नहीं छोड़ी। उद्धव सेना से टूटे के बाद देवेंद्र फडणवीस ने मिशन मुंबई को सफल बनाने के लिए खुद कमान संभाली। सीट बंटवारे पर सहमति बनाकर शिंदे और आठवले को साथ लिया। चुनाव से ठीक पहले अमित साटम को मुंबई BJP की कमान सौंपी। हर प्रभाग के लिए पूरी रणनीति आंकी। लगातार रणनीति में बदलाव, उम्मीदवारों की मदद के लिए ऐप समेत अन्य सुविधाएं और बगावत दूर करने को बड़े नेताओं को मैदान में उतारा।

2 उद्धव ने खुद को किया सीमित

उद्धव ठाकरे

राज ठाकरे से गठबंधन का उद्धव ठाकरे को अपेक्षित फायदा नहीं मिला। मराठी वोट एकत्रित करने के चक्कर में मैर-मराठी वोट पार्टी से छिटक गए। बीजेपी का विकल्प बनने का ख्वाब देख रही पार्टी पिछली बार का 84 सीटों का प्रदर्शन नहीं दोहरा सकी। ठाकरे ने खुद को बीएमसी तक सीमित कर लिया था। शिवाजी पार्क में राज ठाकरे के अंदाजमाक भाषण से भी शक्तिप्रिय वोटर दूर हुए। हालांकि, मुंबईमें में कई इलाकों में पार्टी का साथ दिया। इससे उद्धव सेना सम्मानजनक स्थिति में पहुंची। पार्टी ने घर-घर पहुंचने की कोशिश की लेकिन बेस वोट कम होने से मेयर की कुर्सी दूर हो गई।

3 मुंबई में शिंदे का प्रभाव नहीं चला

एकनाथ शिंदे

संसाध्यपूर्ण मेहनत, उद्धव सेना के 55 से ज्यादा नगरसेवकों को साथ लाने के बावजूद शिंदे बीएमसी चुनाव में प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। सीट बंटवारे में 90 सीटें हासिल करने के बावजूद पार्टी 30% का स्ट्राइक रेट भी नहीं हासिल कर सकी। साफ तौर पर पार्टी का वैकर उद्धव के साथ ही होने का पार्टी को भरपूर नुकसान हुआ। शिंदे सेना से जीते तमाम नगरसेवकों का अपने क्षेत्र में प्रभाव ही नतीजों में काम कर गया। अब सत्ता बंटवारे में शिंदे की पार्टी के हिस्से में अहम भूमिका आने की संभावना कम है। शिंदे को पार्टी के विस्तार के लिए अधिक संघर्ष करना होगा।

4 कांग्रेस ने कायम रखी उम्मीद

मुंबई में कांग्रेस का कोर वोट बैंक अब भी है। पार्टी ने अकेले चुनाव लड़कर समंतन को जिंदा करने की पहल की। हालांकि, सीटों के लिहाज से उसे पुरानी सफलता नहीं मिली। लेकिन अलग-अलग इलाकों से उसके नगरसेवक चुनकर आए। इससे भविष्य के लिए पार्टी को संजीवनी मिली है। बीएमसी चुनाव में देरी से उम्मीदवारों की घोषणा, स्टार प्रचारकों की दूरी, चुनाव से पहले तक समंतन पर महाबकत और पार्टी में गुटबाजी के चलते पार्टी दलित और मुस्लिम वोट बैंक का फायदा पूरी तरह नहीं ले सकी। प्रकाश आंबेडकर से गठबंधन भी पार्टी को ज्यादा लाभ नहीं दिला सका।

5 AIMIM की प्रभावी एंट्री

असदुद्दीन ओवैसी

सामान्य तौर पर, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और उद्धव सेना को मुस्लिम वोटों का दावेदार माना जा रहा था, लेकिन एआईएमआईएम ने प्रभावी रूप से इन इलाकों में चुनावी जीत दर्ज की। हालांकि, पार्टी के कई जीते उम्मीदवार दूसरी पार्टी से आए हुए थे। लेकिन असदुद्दीन ओवैसी का प्रभाव मुंबई में असरदार नजर आया। पार्टी अब आगे विपक्ष के हिस्से के वोट को कब्जे में करने की कोशिश करेगी, खासकर अन्य मुस्लिम इलाकों में। मुस्लिम इलाकों से समाजवादी पार्टी को जबर्दस्त लगा झटका पार्टी के भविष्य की चिंता को बढ़ाने के लिए काफी है।

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 17-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMHJK4 User: cci Time: 01-16-2026 23:54 Color:

निकाय चुनाव 2025-26 महामुकाबला

सड़कों पर कुछ ऐसा दिखा जीत का जश्न

मनपा चुनाव के परिणाम आने के बाद कहीं उम्मीदवारों की आंखों में जीत के आंसू दिखे, तो कहीं हार के कारण आंखें नम नजर आईं। हर पार्टी के प्रत्याशी ने अपनी जीत का जश्न अपनी तरह से मनाया। किसी ने नेमप्लेट हाथ में लेकर खुशी जाहिर की, तो कोई कार्यकर्ताओं के बीच रंग-गुलाल से रंगा नजर आया, क्योंकि सभी प्रत्याशियों ने अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए जीतोड़ मेहनत की थी।

सड़कों पर जीत का जश्न मनाती यूबीटी महिला कार्यकर्ता।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पूरा दिन मुस्कुराते दिखे।

कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार करते राज ठाकरे।

मनसे कार्यकर्ताओं ने रंग खेलकर मनाया जश्न।

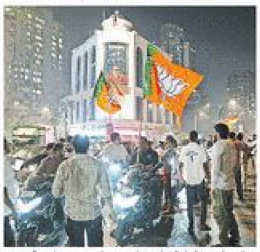

जब शिवसेना भवन के सामने पहुंचे बीजेपी कार्यकर्ता।

शिंदे सेना समर्थकों ने कुछ यूं मनाया जीत का जश्न।

इधर जीत, उधर नेम प्लेट तैयार।

प्रभाग	विजेता	वोट	उपविजेता	वोट
प्रभाग 1	रेखा यादव, (SS)	वोट 7544	शीतल म्हात्रे, (INC)	वोट 5070
प्रभाग 2	तेजस्वी घोसालकर, (BJP)	वोट 16484	धनश्री कोलगे, (UBT)	वोट 5729
प्रभाग 3	प्रकाश दरेकर, (BJP)	वोट 12325	रोशनी गायकवाड, (UBT)	वोट 8340
प्रभाग 4	मंगेश पांगारे, (SS)	वोट 14667	राजू मुल्ला, (UBT)	वोट 10789
प्रभाग 5	संजय घाडी, (SS)	वोट 15348	सुजाता पाटेकर, (UBT)	वोट 10420
प्रभाग 6	दीक्षा कारकर, (SS)	वोट 18235	संजना वेंगुर्लेकर, (UBT)	वोट 5777
प्रभाग 7	गणेश खणकर, (BJP)	वोट 10148	सौरभ घोसालकर, (UBT)	वोट 9351
प्रभाग 8	योगिता पाटील, (BJP)	वोट 12168	रत्नप्रभा जुन्नरकर, (INC)	वोट 3733
प्रभाग 9	शिवानंद शेट्टी, (BJP)	वोट 18423	संजय भोसले, (UBT)	वोट 8525
प्रभाग 10	जितेंद्र पटेल, (BJP)	वोट 20126	विजय पाटील, (MNS)	वोट 7877
प्रभाग 11	अदिति खुरसंगे, (SS)	वोट 14513	कविता माने, (MNS)	वोट 11850
प्रभाग 12	सारिका झोरे, (UBT)	वोट 11232	सुवर्णा मकरा, (SS)	वोट 8348
प्रभाग 13	रानी द्विवेदी, (BJP)	वोट 16360	आसावरी पाटील, (UBT)	वोट 5958
प्रभाग 14	सीमा शिंदे, (BJP)	वोट 14241	पूजा माईनकर, (MNS)	वोट 9192
प्रभाग 15	जिग्नासा शाह, (BJP)	वोट 26088	जयश्री बंगेरा, (UBT)	वोट 4554
प्रभाग 16	श्वेता कोरगांवकर, (BJP)	वोट 15753	स्वाति बोरकर, (UBT)	वोट 12659
प्रभाग 17	शिल्पा सांगोरे, (BJP)	-----	अश्विनी सरपरे, (UBT)	-----
प्रभाग 18	संध्या दोषी, (SS)	-----	सदीच्छा मोरे, (MNS)	-----
प्रभाग 19	दक्षता कवठणकर, (BJP)	वोट 12590	लीना गुढेकर, (UBT)	वोट 12590
प्रभाग 20	दीपक तावडे, (BJP)	वोट 10268	दिनेश साळवी, (MNS)	वोट 7530
प्रभाग 21	लीना पटेल देहरेकर, (BJP)	वोट 20267	सोनाली मिश्रा, (MNS)	वोट 7003
प्रभाग 22	हिमांशु पारेख, (BJP)	वोट 16919	आशीष पाटील, (UBT)	वोट 7188
प्रभाग 23	शिवकुमार झा, (BJP)	वोट 7090	किरण जाधव, (MNS)	वोट 5810
प्रभाग 24	स्वाती जायसवाल, (BJP)	वोट 11371	गुलाब महेश पटेल, (UBT)	वोट 5372
प्रभाग 25	निशा बंगेरा, (BJP)	वोट 12518	योगेश भोईर, (UBT)	वोट 7429
प्रभाग 26	धर्मेंद्र काले, (UBT)	वोट 6459	प्रीतम पंडागले, (BJP)	वोट 5501
प्रभाग 27	नीलम गुरव, (BJP)	वोट 10028	आशा विष्णु चांदर, (MNS)	वोट 5110
प्रभाग 28	अजंता यादव, (INC)	वोट 10579	हुंडारे कुणाली सुरेश, (SS)	वोट 5849
प्रभाग 29	सचिन पाटील, (UBT)	वोट 14038	नितिन चौहान, (BJP)	वोट 12125
प्रभाग 30	धवल वोरा, (BJP)	वोट 23346	डॉ. दिवाकर पाटील, (UBT)	वोट 2449
प्रभाग 31	मनीषा यादव, (BJP)	वोट 10501	भाग्यलक्ष्मी राजपुरोहित (INC)	वोट 10223
प्रभाग 32	गीता भंडारी, (UBT)	वोट 8677	मनाली भंडारी, (SS)	वोट 8593
प्रभाग 33	कमरजहां सिद्दीकी, (INC)	वोट 12644	उज्ज्वला वैती, (BJP)	वोट 6318
प्रभाग 34	हैदर अली शेख, (INC)	वोट 16622	विकास दामपुरे, (UBT)	वोट 2195
प्रभाग 35	योगेश वर्मा, (BJP)	वोट 16862	दीपक मोरे, (UBT)	वोट 6808
प्रभाग 36	सिद्धार्थ शर्मा, (BJP)	वोट 13203	प्रशांत महाडिक, (MNS)	वोट 7348
प्रभाग 37	योगिता कदम, (UBT)	वोट 10981	प्रतिभा शिंदे, (BJP)	वोट 9072
प्रभाग 38	सुरेखा परब, (MNS)	वोट 16226	ललिता पाथे, (SS)	वोट 7953
प्रभाग 39	पुष्पा कलंबे, (UBT)	वोट 6411	पप्पू ब्रजेश सिंह, (INC)	वोट 5228
प्रभाग 40	तुळशीराम शिंदे, (UBT)	वोट 9263	संजय अखाण, (BJP)	वोट 6523
प्रभाग 41	सुहास वाडकर, (UBT)	वोट 7196	मानसी पाटील, (SS)	वोट 6600
प्रभाग 42	धनश्री भरडकर, (SS)	वोट 8541	प्रतिमा निकम (UBT)	वोट 7519
प्रभाग 43	अजित राय राणे, (NCP-SP)	वोट 11760	विनोद मिश्रा, (BJP)	वोट 11265
प्रभाग 44	संगीता शर्मा, (BJP)	वोट 13242	शायली सकपाल, (UBT)	वोट 8500
प्रभाग 45	संजय कांबले, (BJP)	वोट 18884	नीरव बारोट, (UBT)	वोट 6081
प्रभाग 46	योगिता सुनील कोली, (BJP)	वोट 19766	स्नेहिता देहलीकर, (MNS)	वोट 8919
प्रभाग 47	तेजिंदर तिवाना, (BJP)	वोट 13558	गणेश गुरव, (UBT)	वोट 5923
प्रभाग 48	रफीक शेख, (INC)	वोट 13154	सलमा अलमेलकर, (SS)	वोट 3625
प्रभाग 49	संगीता कोली, (INC)	वोट 10733	संगीता सुतार, (UBT)	वोट 8908
प्रभाग 50	विक्रम राजपूत (BJP)	वोट 13763	तन्वी राव (UBT)	वोट 9400
प्रभाग 51	वर्षा टेंबवलकर (SS)	वोट 11567	आरती चौहान (NCP-SP)	वोट 6373
प्रभाग 52	प्रीति सातम, (BJP)	वोट 9917	सुविधा माळवे, (UBT)	वोट 8953
प्रभाग 53	जितेंद्र वालवी, (UBT)	वोट 8776	अशोक खांडवे, (SS)	वोट 6558
प्रभाग 54	विप्लव अवसरे (BJP)	-----	अंकित सुनील प्रभु (UBT)	-----
प्रभाग 55	हर्ष पटेल (BJP)	वोट 18728	शैलेंद्र अनंत मोरे (MNS)	वोट 5007
प्रभाग 56	लक्ष्मी भाटिया (UBT)	वोट 11455	राजुल देसाई (BJP)	वोट 10718
प्रभाग 57	श्रीकला पिल्ले (BJP)	वोट 10194	गौरव राणे (INC)	वोट 6516
प्रभाग 58	संदीप पटेल (BJP)	वोट 10406	वीरेंद्र जाधव (MNS)	वोट 8155
प्रभाग 59	शैलेश फणसे, (UBT)	वोट 6610	जयेश रामसागर राणे, (INC)	वोट 5221
प्रभाग 60	सायली कुलकर्णी, (BJP)	वोट 11016	मेघना माने, (UBT)	वोट 6895
प्रभाग 61	दिव्या सिंह, (INC)	वोट 8890	राजुल पटेल, (SS)	वोट 6885
प्रभाग 62	जीशान मुल्तानी, (UBT)	वोट 10154	राजू पेडणेकर, (SS)	वोट 6333
प्रभाग 63	रूपेश सावरकर, (BJP)	वोट 9193	देवेंद्र आंबेरकर, (UBT)	वोट 8655
प्रभाग 64	सबा राजा, (UBT)	वोट 10174	सरिता राजपुरे, (BJP)	वोट 6406
प्रभाग 65	मंदेरी तोप्पण्णा, (BJP)	वोट 8328	हैदर सुफियान, (INC)	वोट 6161
प्रभाग 66	हैदर मेहर मोहसिन, (INC)	वोट 14254	आरती पंड्या, (UBT)	वोट 7543
प्रभाग 67	दीपक कोटेकर, (BJP)	-----	पुरी सुरेश, (MNS)	-----
प्रभाग 68	रोहन राठौर, (BJP)	वोट 12992	संदेश देसाई, (MNS)	वोट 6368
प्रभाग 69	सुधा सिंह, (BJP)	-----	योगेश अनंत भोर, (UBT)	-----
प्रभाग 70	अनीश मकवाने, (BJP)	-----	प्रसाद नागवेकर, (UBT)	-----
प्रभाग 71	सुनीता मेहता, (BJP)	-----	श्रद्धा शरद प्रभु, (UBT)	-----
प्रभाग 72	ममता यादव, (BJP)	-----	मनीषा पांचाल, (UBT)	-----
प्रभाग 73	लोना रावत, (UBT)	वोट 13424	दीप्ती वायकर पोटणीस, (SS)	वोट 10293
प्रभाग 74	विद्या भरत कांबले, (MNS)	वोट 8036	उज्ज्वला मोडक, (BJP)	वोट 7955
प्रभाग 75	प्रमोद सावंत, (UBT)	वोट 12131	उमेश राणे, (BJP)	वोट 8609
प्रभाग 76	प्रकाश मुसले, (BJP)	वोट 12036	रमेश भाटकर, (UBT)	वोट 7084
प्रभाग 77	शिवानी परब, (UBT)	वोट 15431	प्रियंका आम्बोलकर, (SS)	वोट 6658
प्रभाग 78	नाजिया अब्दुल जब्बार, (SS)	वोट 5826	शबाना सिद्दीकी, (INS)	वोट 3220
प्रभाग 79	मानसी जुवाटकर, (UBT)	वोट 12104	सायली परब, (SS)	वोट 9519
प्रभाग 80	दिशा यादव, (BJP)	-----	एकता चौधरी, (UBT)	-----
प्रभाग 81	केसरबेन पटेल, (BJP)	वोट 13224	मोहिनी घसले, (UBT)	वोट 7841
प्रभाग 82	जगदीश्वरी अमीन, (BJP)	-----	पायल नाइक, (UBT)	-----
प्रभाग 83	सोनाली राणे, (UBT)	वोट 6691	निधि सावंत, (SS)	वोट 5654
प्रभाग 84	अंजलि सामंत, (BJP)	वोट 17692	रूपाली दलवी, (MNS)	वोट 13764
प्रभाग 85	मिलिंद शिंदे, (BJP)	वोट 19390	चेतन बेलकर, (MNS)	वोट 7853
प्रभाग 86	सुहास पावणे, (NCP)	-----	शेख वसीम सिकंदर, (निर्दलीय)	-----
प्रभाग 87	पूजा महाडेश्वर, (UBT)	वोट 11588	महेश पारकर, (BJP)	वोट 9160
प्रभाग 88	शर्वरी परब, (UBT)	वोट 10675	प्रज्ञा सावंत, (BJP)	वोट 7134
प्रभाग 89	गितेश राउत, (UBT)	वोट 11257	राजेश नाइक, (SS)	वोट 9003
प्रभाग 90	ट्युलिप मिरांडा, (INC)	वोट 5197	ज्योति उपाध्याय, (BJP)	वोट 5190
प्रभाग 91	सगुण नाइक, (SS)	वोट 8830	कृष्णा महाडगुत, (UBT)	वोट 7140
प्रभाग 92	मो. इब्राहिम कुरैशी, (INC)	वोट 8586	हाजी सलीम कुरैशी, (SS)	वोट 4274
प्रभाग 93	रोहिणी कांबले, (UBT)	वोट 10268	सुमित्रा कवाले, (SS)	वोट 6050
प्रभाग 94	प्रज्ञा भूतकर, (UBT)	वोट 10337	पल्लवी पाई, (SS)	वोट 7977
प्रभाग 95	हरी जगन्नाथ शास्त्री, (UBT)	-----	सुहास आडिवरेकर, (BJP)	-----
प्रभाग 96	आयशा खान, (NCP)	-----	शबाना जाकिर, (INC)	-----
प्रभाग 97	हेतल गाला, (BJP)	-----	ममता चौहान, (UBT)	-----
प्रभाग 98	अलका केरकर, (BJP)	-----	दीप्ती काते, (MNS)	-----
प्रभाग 99	चिंतामणि निवाटे, (UBT)	-----	जितेंद्र राउत, (BJP)	-----
प्रभाग 100	स्वप्ना वीरेंद्र म्हात्रे, (BJP)	-----	निदा शेख, (INC)	-----
प्रभाग 101	फैरन डिमेलो, (INC)	-----	अनुश्री घोडके, (BJP)	-----
प्रभाग 102	खान सहर सिराज, (INC)	-----	निलेश हंडगर, (BJP)	-----
प्रभाग 103	डॉ. हेतल गाला, (BJP)	वोट 17334	दीप्ति पांचाल, (MNS)	वोट 5205
प्रभाग 104	प्रकाश गंगाधरे, (BJP)	वोट 15569	राजेश फलारे, (MNS)	वोट 7238
प्रभाग 105	अनिता वैती, (BJP)	वोट 14742	अर्चना चावरे, (UBT)	वोट 9762
प्रभाग 106	प्रभाकर शिंदे, (BJP)	वोट 11897	सत्यवान दलवी, (MNS)	वोट 11733
प्रभाग 107	नील सोमैया, (BJP)	वोट 21229	दिनेश जाधव, (निर्दलीय)	वोट 6224
प्रभाग 108	दीपिका घाग, (BJP)	वोट 16300	सुवर्णा केणी, (UBT)	वोट 10205
प्रभाग 109	सुरेश शिंदे, (UBT)	वोट 10520	राजश्री मांडविकर, (SS)	वोट 4625
प्रभाग 110	आशा कोपरकर, (INC)	वोट 9179	जेनी शर्मा, (BJP)	वोट 8322
प्रभाग 111	दीपक सावंत, (UBT)	वोट 12206	सारिका पवार, (BJP)	वोट 7352
प्रभाग 112	साक्षी दलवी (BJP)	वोट 14045	मंजू जायसवाल, (NCP-SP)	वोट 5793
प्रभाग 113	दीपमाला बढे, (UBT)	वोट 10310	रूपेश पाटील, (SS)	वोट 8319
प्रभाग 114	राजुल पाटिल, (UBT)	वोट 11819	अनिता माजगावकर (निर्दलीय)	वोट 8055
प्रभाग 115	ज्योति राजभोज, (MNS)	वोट 12452	स्मिता परब, (BJP)	वोट 9172
प्रभाग 116	जागृति पाटील, (BJP)	वोट 11038	श्रद्धा उतेकर, (UBT)	वोट 7781
प्रभाग 117	श्वेता पावसकर, (UBT)	वोट 13440	सुवर्णा करंजे, (SS)	वोट 11117
प्रभाग 118	सुनीता जाधव, (UBT)	वोट 16191	तेजस्वी पाटे, (SS)	वोट 8787
प्रभाग 119	राजेश सोनावले, (SS)	-----	विश्वजीत ढोलम, (MNS)	-----
प्रभाग 120	विश्वास शिंदे, (UBT)	-----	राजराजेश्वरी रेडकर, (SS)	-----
प्रभाग 121	जान्हवी वलवी, (निर्दलीय)	-----	सुलोचना काले, (निर्दलीय)	-----
प्रभाग 122	चंदन शर्मा, (BJP)	-----	विशाल खंडागले, (VBA)	-----
प्रभाग 123	सुनील मोरे, (UBT)	वोट 11330	अनिल निर्मले, (BJP)	वोट 7358
प्रभाग 124	सकीना शेख, (UBT)	वोट 12496	ज्योति खान, (SS)	वोट 7439
प्रभाग 125	सुरेश आवले, (SS)	-----	सतीश पवार, (UBT)	-----
प्रभाग 126	अर्चना भालेराव, (BJP)	वोट 11134	शिल्पा भोसले, (UBT)	वोट 10263
प्रभाग 127	स्वरूपा पाटील, (UBT)	वोट 15478	अलका भगत, (BJP)	वोट 7824
प्रभाग 128	साई शिर्के, (MNS)	वोट 12831	अश्विनी हांडे, (SS)	वोट 12673
प्रभाग 129	अश्विनी मते, (BJP)	वोट 9815	तृप्ति महाले, (INC)	वोट 6467
प्रभाग 130	धर्मेश गिरि, (BJP)	वोट 14253	आनंद कोठावदे, (UBT)	वोट 7474
प्रभाग 131	राखी जाधव, (BJP)	वोट 21346	रूपाली पाटक, (UBT)	वोट 9506
प्रभाग 132	रितु तावडे, (BJP)	वोट 19810	क्रांति मोहिते, (UBT)	वोट 3645
प्रभाग 133	निर्मिति कानडे, (SS)	-----	सुप्रिया जाधव, (VBA)	-----
प्रभाग 134	मेहजबीन खान, (AIMIM)	-----	बेनजीर दिवटे, (INC)	-----
प्रभाग 135	नवनाथ बन, (BJP)	-----	इरशाद खान, (AIMIM)	-----
प्रभाग 136	जमीर कुरैशी, (AIMIM)	-----	रुखसाना सिद्दीकी, (SP)	-----
प्रभाग 137	पटेल रमजान, (AIMIM)	-----	आयशा रफीक, (SS)	-----
प्रभाग 138	रोशन शेख, (AIMIM)	-----	महफूज शेख, (SP)	-----
प्रभाग 139	शबाना शेख, (AIMIM)	-----	जरीना कुरैशी, (SS)	-----
प्रभाग 140	विजय उबाले, (AIMIM)	-----	सोनाली जाधव, (SS)	-----
प्रभाग 141	विठ्ठल लोकरे, (UBT)	-----	श्रुतिका मोरे, (BJP)	-----
प्रभाग 142	अपेक्षा खांडेकर, (SS)	-----	सुनंदा डेरे (निर्दलीय)	-----
प्रभाग 143	शबाना काजी, (AIMIM)	-----	सोना दिनकर, (SS)	-----
प्रभाग 144	दिनेश पांचाल, (BJP)	-----	निमिष जनार्दन, (UBT)	-----
प्रभाग 145	खैरुन्निसा हुसैन, (AIMIM)	वोट 7653	दीपक पडवल, (निर्दलीय)	वोट 5558
प्रभाग 146	समृद्धि काते, (SS)	वोट 9777	सतीश राजगुरु, (निर्दलीय)	वोट 4742
प्रभाग 147	प्रज्ञा सदाफुले, (SS)	वोट 5144	जयश्री शिंदे, (UBT)	वोट 4508
प्रभाग 148	अंजलि नाइक, (SS)	वोट 5004	प्रमोद शिंदे, (UBT)	वोट 3913
प्रभाग 149	सुषमा सावंत, (BJP)	वोट 13174	अविनाश मयेकर, (MNS)	वोट 5302
प्रभाग 150	वैशाली शेडकर, (INC)	वोट 8859	सविता थोरवे, (MNS)	वोट 3281
प्रभाग 151	कविता कुमावरिया, (BJP)	वोट 13606	वंदना साबले, (NCP-AP)	वोट 7384
प्रभाग 152	आशा मराठे, (BJP)	वोट 12491	सुधांशु दुनबले, (MNS)	वोट 6881
प्रभाग 153	मीनाक्षी पाटणकर, (UBT)	वोट 16069	तन्वी काते, (SS)	वोट 9618
प्रभाग 154	महादेव शिवगण, (BJP)	वोट 11349	शेखर चव्हाण, (UBT)	वोट 9885
प्रभाग 155	स्नेहल शिवकर, (UBT)	वोट 10955	वर्षा सोटे, (BJP)	वोट 8234
प्रभाग 156	अश्विनी मटेकर, (SS)	वोट 13533	सविता पवार, (INC)	वोट 8536
प्रभाग 157	डॉ. सरिता म्हस्के, (UBT)	वोट 14749	आशा तायडे, (BJP)	वोट 12946
प्रभाग 158	चित्रा सांगले, (UBT)	वोट 13286	आकांक्षा शेट्ये, (BJP)	वोट 8385
प्रभाग 159	प्रकाश मोरे, (BJP)	-----	प्रह्लाद शेट्टी, (INC)	-----
प्रभाग 160	किरण लांडगे, (SS)	वोट 11316	राजेंद्र पाखरे, (UBT)	वोट 7760
प्रभाग 161	विजेंद्र शिंदे, (SS)	वोट 7751	मोहम्मद अब्दुल, (INC)	वोट 5015
प्रभाग 162	आमिर नसीम खान, (INC)	वोट 11307	वाजिद कुरैशी, (SS)	वोट 7906
प्रभाग 163	शैला लांडे, (SS)	वोट 10007	सोनू जैन, (INC)	वोट 6949
प्रभाग 164	हरीश भांदिर्गे, (BJP)	वोट 9803	साईनाथ कटके, (UBT)	वोट 7601
प्रभाग 165	अशरफ आजमी, (INC)	वोट 7782	रूपेश पवार, (BJP)	वोट 7227
प्रभाग 166	मीनल तुर्डे, (SS)	वोट 6435	राजन खैरनार, (MNS)	वोट 4480
प्रभाग 167	समन आजमी, (INC)	वोट 11551	तबस्सुम हसन रशीद (SP)	वोट 7670
प्रभाग 168	सईदा खान, (NCP-AP)	वोट 8277	सुधीर खातु, (UBT)	वोट 7508
प्रभाग 169	प्रवीणा मोरजकर, (UBT)	वोट 8021	जय कुडालकर, (SS)	वोट 7051
प्रभाग 170	बुशरा मलिक, (NCP-AP)	वोट 9252	रजिता दिवेकर, (BJP)	वोट 3455
प्रभाग 171	राणी नेरुरकर, (UBT)	वोट 9927	सायली जाधव, (SS)	वोट 6882
प्रभाग 172	राजेश्री शिरवडकर, (BJP)	वोट 15698	माधुरी भिसे, (UBT)	वोट 5754
प्रभाग 173	शिल्पा केलुसकर, (BJP)	वोट 9310	प्रणीता वाघधरे, (UBT)	वोट 7628
प्रभाग 174	साक्षी कनौजिया, (BJP)	वोट 5523	पद्मावती शिंदे, (UBT)	वोट 3078
प्रभाग 175	मानसी सातमकर, (SS)	वोट 6895	ललिता यादव, (INC)	वोट 6646
प्रभाग 176	रेखा आर यादव, (BJP)	वोट 7138	हर्षदा पाटील, (UBT)	वोट 6195
प्रभाग 177	कल्पेश कोठारी, (BJP)	वोट 12179	नेहल अमरशाह, (निर्दलीय)	वोट 2971
प्रभाग 178	अमेय घोले, (SS)	वोट 15911	बजरंग देशमुख, (MNS)	वोट 4542
प्रभाग 179	आयशा बानू, (INC)	वोट 6934	दिपाली खोलेकर, (UBT)	वोट 6431
प्रभाग 180	तृष्णा विश्वासराव, (SS)	-----	स्मिता गांवकर, (UBT)	-----
प्रभाग 181	अनिल भाऊ कदम, (UBT)	-----	पुष्पा कोली, (SS)	-----
प्रभाग 182	मिलिंद वैद्य, (UBT)	वोट 14248	राजन पारकर, (BJP)	वोट 4394
प्रभाग 183	आशा काले, (INC)	वोट 6441	वैशाली शेवाले, (SS)	वोट 5187
प्रभाग 184	साजिदाबी खान, (INC)	वोट 8246	वर्षा नकाशे, (UBT)	वोट 6071
प्रभाग 185	टीएम जगदीश, (UBT)	वोट 8860	रवि राजा, (BJP)	वोट 6388
प्रभाग 186	अर्चना शिंदे, (UBT)	वोट 6731	नीला सोनावणे, (BJP)	वोट 5690
प्रभाग 187	जोसेफ कोली, (UBT)	वोट 7067	रोशन फकील, (SS)	वोट 5753
प्रभाग 188	भास्कर आर शेट्टी, (SS)	वोट 6513	अली मुनव्वर (AIMIM)	वोट 6035
प्रभाग 189	हर्षला आशीष मोरे, (UBT)	वोट 8081	मंगला गायकवाड, (BJP)	वोट 3602
प्रभाग 190	वैशाली पाटणकर, (UBT)	वोट 11347	रामप्रताप यादव, (INC)	वोट 2208
प्रभाग 191	विशाखा राउत, (UBT)	वोट 13236	प्रिया गुरव, (SS)	वोट 13039
प्रभाग 192	यशवंत किल्लेदार, (MNS)	वोट 14253	प्रीति पाटणकर, (SS)	वोट 12822
प्रभाग 193	हेमांगी वर्लीकर, (UBT)	-----	प्रह्लाद वर्लीकर, (SS)	-----
प्रभाग 194	निशिकांत शिंदे, (UBT)	-----	समाधान सरवणकर, (SS)	-----
प्रभाग 195	विजय भणगे, (UBT)	-----	राजेश कांगणे, (BJP)	-----
प्रभाग 196	पद्मजा चेंबूरकर, (UBT)	-----	सोनाली सावंत, (BJP)	-----
प्रभाग 197	वनिता नरवणकर, (SS)	-----	फरहीन खान, (NCP)	-----
प्रभाग 198	चेतन अबोले, (UBT)	-----	वंदना गवली, (SS)	-----
प्रभाग 199	किशोरी पेडणेकर, (UBT)	-----	रूपल कुसाले, (SS)	-----
प्रभाग 200	उर्मिला पांचाल, (UBT)	-----	संदीप पानसांडे, (BJP)	-----
प्रभाग 201	इरम सिद्दीकी, (SP)	-----	सुप्रिया मोरे, (SS)	-----
प्रभाग 202	श्रद्धा जाधव, (UBT)	-----	पार्थ बावकर, (BJP)	-----
प्रभाग 203	श्रद्धा पेडणेकर, (UBT)	-----	रश्मिता भालेकर, (SS)	-----
प्रभाग 204	किरण तावडे, (UBT)	-----	अनिल कोकिल, (SS)	-----
प्रभाग 205	सुप्रिया दलवी, (MNS)	-----	वर्षा शिंदे, (BJP)	-----
प्रभाग 206	सचिन पडवल, (UBT)	-----	संजय आंबोले, (SS)	-----
प्रभाग 207	मधुकर लोखंडे, (BJP)	-----	शलाका हरयाण, (MNS)	-----
प्रभाग 208	रहाटे सखाराम, (UBT)	-----	विजय लिपारे, (SS)	-----
प्रभाग 209	यामिनी सावंत, (SS)	-----	रश्मिका कामुर्ली, (INC)	-----
प्रभाग 210	सोनम जामसुतकर, (UBT)	-----	संतोष राणे, (BJP)	-----
प्रभाग 211	वकार खान, (INC)	-----	एजाज अहमद रज्जू, (SP)	-----
प्रभाग 212	अमरीन अब्राहनी, (SP)	-----	गीता गवली, (ABS)	-----
प्रभाग 213	नसीमा जुनेजा, (INC)	-----	आशा मामिडी, (SS)	-----
प्रभाग 214	अजय पाटील, (BJP)	वोट 13847	मुकेश भालेराव, (MNS)	वोट 5476
प्रभाग 215	संतोष ढाले, (BJP)	वोट 11924	किरण बालसराफ, (UBT)	वोट 9113
प्रभाग 216	राजेश्री भाटणकर, (INC)	वोट 11048	गौरी नरवणकर, (BJP)	वोट 7532
प्रभाग 217	गौरंग झवेरी, (BJP)	वोट 15317	नीलेश शिरधनकर, (MNS)	वोट 5440
प्रभाग 218	स्नेहल तेंडुलकर, (BJP)	वोट 16828	गीता अहिरेकर, (UBT)	वोट 9401
प्रभाग 219	सन्नी सानप, (BJP)	वोट 14764	राजेंद्र गायकवाड, (UBT)	वोट 5233
प्रभाग 220	संपदा मयेकर, (UBT)	वोट 6936	दीपाली कातुरवार, (BJP)	वोट 6748
प्रभाग 221	आकाश पुरोहित, (BJP)	वोट 6178	पृथ्वी जैन, (INC)	वोट 5277
प्रभाग 222	रीता मकवाना, (BJP)	वोट 12154	संपत ठाकुर, (UBT)	वोट 9317
प्रभाग 223	ज्ञानराज निकम, (INC)	वोट 8508	प्रिया पाटील, (SS)	वोट 8041
प्रभाग 224	फारूक अमीन, (INC)	वोट 8105	रवीना टीनवाला, (SP)	वोट 4624
प्रभाग 225	हर्षिता नार्वेकर, (BJP)	वोट 11307	अजिंक्य धात्रक, (UBT)	वोट 6423
प्रभाग 226	मकरंद नार्वेकर, (BJP)	वोट 18058	तेजल पवार, (निर्दलीय)	वोट 7997
प्रभाग 227	गौरवी नार्वेकर, (BJP)	वोट 5184	रेहाना शेख, (UBT)	वोट 2140

GCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 17-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMFP User: cci Time: 01-16-2026 23:28 Color:

महानगर > मुंबई > शनिवार, 17 जनवरी 2026 > पौष 28, शक संवत 1947, माघ कृष्ण चतुर्दशी, विक्रम संवत 2082 WATCH GOD WATCHDOG वर्ष 77, संख्या 15 > मूल्य ₹6.00 > पेज 18 > आर. एन. आई. पंजीयन नंबर 1613/57 www.nbt.in

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

भारत बनाम बांग्लादेश

U-19 वर्ल्ड कप मैच

समयः 1:00 बजे, जिम्बाब्वे में, प्रसारणः स्टार स्पोर्ट्स पर

▸p11

गोल्डन ग्लोब्स फैशन में सेलेना-प्रियंका टॉप पर

▸p10

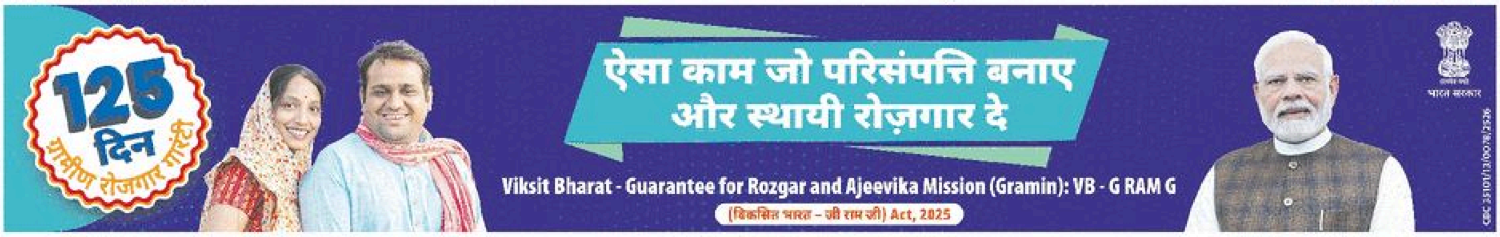

खबरों के अंदर की बात

NBT Lens

देखें पेज 10, 11

GOOD न्यूज

गुड न्यूज से जुड़ी खास खबरें

देखें पेज-12

अंतर्ज्ञान

हृदय उतना ही बड़ा होता है, जितना वह दूसरों को जगह देता है। ईर्ष्या, भय, गुस्सा - ये सब हृदय को संकुचित कर देते हैं, जबकि प्रेम, करुणा, दान, ग्रैटिट्यूड आदि उसे विशाल बना देते हैं। अगर जीवन छोटा लग रहा है, मन थका हुआ है, हृदय संकुचित है, तो किसी के लिए अच्छा कीजिए, बिना कारण। आपका हृदय फैल जाएगा। हृदय जितना बड़ा होता है, मन उतना शांत होता है। यही आध्यात्मिक विकास का वास्तविक मापदंड है। जो हृदय बांटता है, वह कभी खाली नहीं होता। हृदय का विस्तार अपने भीतर ईश्वर को जगह देने जैसा है। जितना प्रेम आप देते हैं, उतना ही आपका अस्तित्व प्रकाशमान होता है।

WPL आज के मैच

यूपी वॉरियर्ज vs मुंबई इंडियंस
3:00pm से, नवी मुंबई में

दिल्ली कैपिटल्स vs रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
7:30pm से, नवी मुंबई में

टेलिकास्टः स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

फटाफट खबरें

20 को BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष का ऐलान

बीजेपी ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कार्यक्रम जारी कर दिया है। अध्यक्ष पद के लिए नामांकन 19 जनवरी को दाखिल होंगे। 20 जनवरी को अगर जरूरत हुई, तो मतदान होगा। वरना नए अध्यक्ष के नाम का औपचारिक ऐलान कर दिया जाएगा। यू कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना लगभग तय है।

राजस्थानः सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत

राजस्थान में चित्तौड़गढ़-उदयपुर राजमार्ग पर हुए सड़क हादसे में एक दंपति समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में दंपति का छह साल का बेटा बच गया। कार में सवार परिवार उदयपुर के एक शादी समारोह से लौट रहा था।

सर्राफा

सोना स्टैंडर्ड (99.5 शुद्धता) प्रति 10 ग्राम	
मुंबई	141026 (-420)
चांदी .999 टंच प्रति किलो	
मुंबई	281890 (+4378)

अर्थसार

सेंसेक्स	83,570.35 (+187.64)
निफ्टी	25,694.35 (+28.75)
रुपया/US डॉलर	90.8 (+0.50)
रु/यूरो	105.3936 (+0.181)

मौसम

कोलाबा	29.0	19.6
सांताक्रूज	30.6	16.9
सूर्यास्त शनिवार	6:22 बजे	
सूर्योदय रविवार	7:15 बजे	

NBT नवभारत सड़क व रेल भाड़ा सेवा शुल्क 1.00 रुपया मुंबई, ठाणे और रायगढ़ जिले के बाहर।

केंद्र ने कहा- ईरान पर नज़र, वहां फंसे अपनों के लिए कुछ भी करेंगे

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AP

कश्मीर के कई इलाकों में शुक्रवार को ईरान के समर्थन में शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुए।

ईरान में बिगड़े हालात के बीच भारत सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वहां लगातार नजर बनाए हुए हैं। वहां 9000 के करीब भारतीय हैं, जिनमें छात्र, व्यावसायिक लोग, पेशेवर, तीर्थयात्री और नाविक शामिल हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने बताया कि स्थिति को देखते हुए हमने कुछ सलाहें जारी की हैं। सभी भारतीय नागरिकों से ईरान की यात्रा न करने का अनुरोध किया गया है। जो भारतीय पहले से ईरान में हैं, उन्हें उपलब्ध साधनों से, जिनमें वाणिज्यिक उड़ानें शामिल हैं, देश छोड़ने की सलाह दी गई है। हम स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं और अपने नागरिकों की भलाई के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। जो भी बन पड़ेगा, हम वह अवश्य करेंगे।

सरकार ने भारतीयों से ईरान की यात्रा न करने का किया अनुरोध

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि तेहरान स्थित भारतीय एंबेसी वहां भारतीयों के संपर्क में है। वहां हालात थोड़े मुश्किल हैं, लेकिन मदद करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। मंत्रालय ने फिर सलाह दी है कि इस समय ईरान की यात्रा न करें। ईरान के चाबहार पोर्ट पर मंत्रालय ने कहा कि उससे जुड़ी योजनाओं पर आगे बढ़ने के लिए भारत सरकार अमेरिका से बात कर रही है। इधर, कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि ट्रंप प्रशासन के दबाव में केंद्र सरकार ने ईरान के चाबहार पोर्ट पर कंट्रोल छोड़ दिया है। ▸▸पेज 13

10 भारतीय भी ईरान की हिरासत में

विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरान में 10 भारतीय हिरासत में हैं। भारत ने ईरान से उन तक कौन्सुलर एक्सेस की मांग की है। इस बारे में दोनों देशों के बीच राजनयिक बातचीत जारी है। ये सभी भारतीय तेल टैंकर MT Valiant Roar में सवार थे, जिन्हें 8 दिसंबर 2025 को ईरान ने हिरासत में लिया था। इसमें सवार 18 लोगों में से 16 भारतीय हैं। इनमें भी 10 के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है। इनके परिवारों ने भारत सरकार से अनुरोध किया है कि वह तुरंत ईरान से बात करे।

ट्रंप से ईरान पर हमले टालने का आग्रह

एपी, वाशिंगटन : अमेरिका के कई पश्चिम एशियाई सहयोगियों ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन से प्रदर्शनकारियों पर ईरान सरकार की घातक कार्रवाई को लेकर उसके खिलाफ हमलों की योजना टालने का आग्रह किया है। इस मामले से परिचित अरब के एक राजनयिक ने यह जानकारी दी। मिस्र, ओमान, सऊदी अरब और कतर के शीर्ष अधिकारियों ने पिछले 48 घंटे में चिंता जताई है कि अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिला देगा।

राहुल गांधी ने कहा, नागरिकों को गुमराह कर रहा है चुनाव आयोग

■ भाषा, नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने EC पर किया वार

कांग्रेस नेता ने कहा, वोट चोरी एक देश विरोधी कृत्य

मनपा चुनावों में मार्कर पेन की 'पक्की' स्याही की गुणवत्ता को लेकर उठे विवाद के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग पर नागरिकों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि 'वोट चोरी देश विरोधी कृत्य है।' राज्य निर्वाचन आयोग ने गुरुवार शाम कहा था कि वह मार्कर वाली 'पक्की' स्याही की गुणवत्ता की जांच करेगा। विपक्ष ने आरोप लगाया था कि निशान को हटा फर्जी मतदान हो सकता है। बीएमसी समेत 29 नगर निकायों के लिए मतदान के बीच सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो सामने आए, जिनमें दावा किया गया कि स्याही हटाई जा सकती है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इन दावों को खारिज कर दिया।

▸▸ विशेष कवरेज अंदर पन्नों पर

जनता ने मुंहतोड़ जवाब दियाः सुधांशु त्रिवेदी

■ **आईएएनएस, नई दिल्ली :** महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव में बीजेपी की जीत को लेकर नई दिल्ली में शुक्रवार को भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कार्यकर्ताओं को बधाई दी और विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने नकारात्मक राजनीति करने वालों को करारा जवाब दे दिया है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों के चुनाव परिणामों में बीजेपी और महायुति गठबंधन की बड़ी जीत हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी और एनडीए के प्रति जनता का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने महायुति की इस जीत का श्रेय खास तौर पर 'जेन-जी' को दिया।

गौरी लंकेश मर्डर के आरोपी ने जालना में निकाय चुनाव जीता

■ **भाषा, जालना :** पत्रकार व मानवाधिकार कार्यकर्ता गौरी लंकेश की 2017 में हुई हत्या के आरोपी श्रीकांत पंगारकर ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के जालना नगर निगम में पार्षद का चुनाव जीत लिया। पंगारकर ने वार्ड नंबर 13 से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीजेपी के रावसाहेब धोबले को हराया। एक निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पंगारकर को 2,661 मत मिले, जबकि धोबले को 2,477 वोट प्राप्त हुए। अगस्त 2018 में, महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ते ने पंगारकर को गिरफ्तार किया था।

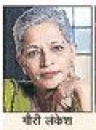

गौरी लंकेश

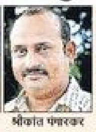

श्रीकांत पंगारकर

निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर पंगारकर ने लड़ा चुनाव

निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीजेपी के धोबले को हराया

लातूर मनपा में कांग्रेस को बहुमत

कांग्रेस ने मध्य महाराष्ट्र की लातूर महानगर पालिका का चुनाव जीत लिया, जहां पार्टी को 70 में से 43 सीटों पर विजय के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल हुआ। वहां बीजेपी 22 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। इन पार्टियों के अलावा वंचित बहुजन आघाडी को 4 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को एक सीट पर जीत मिली।

2 ट्रेनों को हरी झंडी

PM नरेंद्र मोदी आज शुरू करेंगे अमृत भारत ट्रेन

■ **भाषा, गुवाहाटी :** पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को असम के दो दिवसीय दौरे पर आएंगे, जिसके दौरान वह दो अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे और काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखेंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस पूर्वोत्तर राज्य में मोदी का यह एक महीने से भी कम समय में दूसरा दौरा है। असम में 2026 की पहली छमाही में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। 17 जनवरी की शाम मोदी अर्जुन भोगेश्वर बरुआ स्पोर्ट्स स्टेडियम में 10,000 कलाकारों द्वारा प्रस्तुत बोडो लोक नृत्य 'बागुरुम्बा' देखेंगे। ▸▸पेज 13

जस्टिस वर्मा को SC से नहीं मिली राहत

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कैश कांड में इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका को खारिज कर दिया। इसमें उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष द्वारा उनके पद से हटाने (महाभियोग) से संबंधित प्रस्ताव को स्वीकार किए जाने के फैसले और भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रहे संसदीय पैनल की वैधता को चुनौती दी थी। पिछले साल 14 मार्च को नई दिल्ली स्थित जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास से कथित तौर पर जले हुए नोटों के बंडल मिलने के बाद उन्हें दिल्ली हाई कोर्ट से इलाहाबाद हाई कोर्ट वापस भेज दिया गया था। शीर्ष अदालत ने 16 दिसंबर को जांच समिति के गठन को चुनौती देने वाली जस्टिस वर्मा की याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति दी थी।

संसदीय पैनल की वैधता को दी गई थी चुनौती

जांच के लिए बनाई थी 3 सदस्यीय समिति

इससे पहले, तत्कालीन भारत के सीजेआई संजीव खन्ना ने इन-हाउस जांच शुरू की थी और तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। समिति ने 4 मई को अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें जस्टिस वर्मा को जिम्मेदार ठहराया गया। जस्टिस वर्मा द्वारा इस्तीफा देने से इनकार किए जाने के बाद, सीजेआई ने रिपोर्ट और इनहाउस कमिटी की रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेज दी थी।

ब्रिटिश संसद में गूंजा बांग्लादेश में हिंसा का मुद्दा

■ **आईएएनएस, लंदन :** यूनाइटेड किंगडम कंजर्वेटिव पार्टी के नेता और सांसद बॉब ब्लैकमैन ने बांग्लादेश के मौजूदा खराब हालात पर गहरी चिंता जाहिर की है। यूनुस की अंतरिम सरकार में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है। ब्रिटेन के सांसद ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा का जिक्र किया, जहां सड़कों पर हिंदुओं की हत्या की जा रही है, उनके घरों और मंदिरों में आग लगाई जा रही है और दूसरे धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ भी ऐसी ही हिंसा हो रही है।

सांसद बॉब ब्लैकमैन ने सरकार से पूछा सवाल

हाउस ऑफ कॉमन्स में बोलते हुए बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि छुट्टी से पहले एडजर्नमेंट डिबेट में मैंने बांग्लादेश के हालात पर सवाल उठाए और हाउस के लीडर ने बिल्कुल सही तरीके से वहां की खतरनाक स्थिति के बारे में विदेश सचिव को लिखा। ब्रिटिश सांसद ने चेतावनी दी कि बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले चुनाव लोकतांत्रिक चिंताओं के बीच हो रहे हैं, जिसमें बड़े राजनीतिक दल अवामी लीग को हिस्सा लेने से बैन कर दिया गया, जबकि ओपिनियन पोल में उसे लगभग 30% वोट मिले हैं। इधर, इस्लामिक कट्टरपंथियों ने एक रेफरेंडम की मांग की है, जिससे बांग्लादेश का संविधान हमेशा के लिए बदल जाएगा।

ED ऑफिस पर छापा तयशुदाः हाई कोर्ट

■ पीटीआई, रांची

झारखंड हाई कोर्ट ने ईडी ऑफिस पर हुई राज्य पुलिस की छापेमारी को पहली नजर में 'पहले से तय' बताया है। ईडी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने केंद्र सरकार के गृह सचिव को मामले में पक्षकार बनाने का आदेश दिया।

जज द्विवेदी ने रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन को भी ईडी कार्यालय की समुचित सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश में कहा कि ईडी ऑफिस और अधिकारियों की सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ, बीएसएफ या किसी अन्य अर्धसैनिक बल की तैनाती हो। हाई कोर्ट ने कहा कि किसी भी लापरवाही के लिए वे ही सीधे जिम्मेदार होंगे। झारखंड हाई कोर्ट ने ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर की जांच पर भी रोक लगा दी।

23 करोड़ के कथित घोटाले की जांच

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पूर्व कर्मचारी संतोष कुमार द्वारा 12 जनवरी को शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिसकर्मियों ने गुरुवार को ईडी कार्यालय का दौरा किया था और सीसीटीवी फुटेज एकत्र किया। इधर, ईडी के वकील ने कोर्ट से कहा कि केंद्रीय एजेंसी संतोष कुमार द्वारा 23 करोड़ रुपये के कथित घोटाले की जांच कर रही है। अब तक 9 करोड़ रुपये बरामद किए जा चुके हैं।

8 ई-कॉमर्स कंपनियों पर 44 लाख का जुर्माना

अवैध वॉकी-टॉकी बेचने पर CCPA की कार्रवाई

13 कंपनियों को नोटिस जारी किए गए थे CCPA द्वारा

File

■ **पीटीआई, नई दिल्लीः** सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी (CCPA) ने ई-कॉमर्स मंचों पर वॉकी-टॉकी की बिना अनुमति और नियमों के विपरीत बिक्री के मामले में संज्ञान लेते हुए आठ कंपनियों पर 44 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सीसीपीए ने 13 ई-कॉमर्स कंपनियों को नोटिस जारी किए थे। इनमें मीशो, मेटा प्लैटफॉर्म्स, फ्लिपकार्ट और ऐमजॉन पर 10-10 लाख रुपये और चिमिया, जियोमार्ट, टॉक प्रो और मास्कमैन टॉयज पर 1-1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। CCPA ने पाया कि प्लैटफॉर्म्स ने ऐसे पर्सनल मोबाइल रेडियो (PMRs) की बिक्री की, जो लाइसेंस-एक्जेम्प्ट फ्रीक्वेंसी बैंड में नहीं थे और जिनके पास ETA प्रमाणपत्र या सही जानकारी नहीं थी। कुछ कंपनियों ने जुर्माना चुका दिया है, जबकि अन्य का भुगतान अभी बाकी है।

SC ने कहा, अनुच्छेद-32 का हुआ दुरुपयोग

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिकाएं दायर करने में हो रहे दुरुपयोग पर शुक्रवार को नाराजगी जताई। असल में इस अनुच्छेद 32 के तहत मौलिक अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में कोई शख्स सीधे सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगा सकता है। इस अनुच्छेद के तहत ही एक शख्स ने जब बॉम्बे हाई कोर्ट में सुनवाई टलने की स्थिति में इस संवैधानिक अधिकार के तहत सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, तो जस्टिस बी. वी. नागरत्ना की अगुआई वाले कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि हर छोटी बात पर, स्थगन पर भी यहां अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर कर दी जाती है। खासकर दिल्ली के आसपास के लोग इसके तहत याचिकाएं दायर कर रहे हैं। यह क्या है? यह दुरुपयोग है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 32 के तहत दायर यह याचिका अदालत की प्रक्रिया और कानून का घोर दुरुपयोग है। कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।

बॉम्बे हाई कोर्ट में अर्जी पेंडिंग, फिर भी अपील, भड़का SC

जस्टिस बी. वी. नागरत्ना की कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई

हर छोटी बात पर, स्थगन पर भी यहां आर्टिकल 32 में याचिका दायर की जाती है। यह कानून का घोर दुरुपयोग है। -SC

तृणमूल नेता मुकुल रॉय को राहत

दलबदल विरोधी कानून के तहत तृणमूल नेता मुकुल रॉय को पश्चिम बंगाल विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराने वाले कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। रॉय के बेटे की याचिका पर यह आदेश दिया। रॉय ने कृष्णानगर नॉर्थ सीट से बीजेपी के टिकट पर चुनाव जीता था। बाद में तृणमूल में शामिल हो गए थे। स्पीकर ने उन्हें विधायकी के अयोग्य ठहराया था।

वेनेजुएला की मचाडो ने सौंपा नोबेल यह सम्मान की बातः डॉनल्ड ट्रंप

■ पीटीआई, वॉशिंगटन

वेनेजुएला में विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो (Maria Corina Machado) ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से मुलाकात के दौरान उन्हें अपना नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल सौंपा। मचाडो ने कहा कि हमारी आजादी के लिए उनकी अनूठी प्रतिबद्धता को सम्मान देने के लिए मैंने यह मेडल उन्हें सौंपा है। ट्रंप ने उन्हें सराहते हुए कहा कि मारिया ने मेरे किए गए काम के लिए मुझे अपना नोबेल शांति पुरस्कार सौंपा है। ट्रंप 8 जंग रोकने का दावा करते हुए लगातार खुद के लिए नोबेल शांति की वकालत करते रहे हैं। मारिया ने उन्हें पीछे छोड़ते हुए 2025 का यह पुरस्कार अपने नाम किया था। मचाडो ने इससे पहले कई मौकों पर कहा था कि मैं अपना नोबेल ट्रंप को दूंगी। उनकी ट्रंप से मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब अमेरिका ने कुछ दिन पहले ही वेनेजुएला में हमला कर उसके राष्ट्रपति मदुरो को गिरफ्तार किया है।

सिर्फ मेडल मिलने से यह नोबेल प्राइज ट्रंप का नहीं होगा। नोबेल कमिटी ने कहा कि एक बार घोषणा के बाद इसे वापस नहीं लिया जा सकता, न साझा किया जा सकता है और न ही किसी और को ट्रांसफर किया जा सकता है। यह फैसला अंतिम है और हर समय लागू है।

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मचाडो ने ट्रंप से मुलाकात कर उन्हें अपना नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल सौंपा। ट्रंप ने कहा कि यह मेरे लिए सम्मान की बात है।

174 प्रभाग से बीजेपी की उम्मीदवार साक्षी ने जीत हासिल की है

बीएमसी चुनाव के नतीजो के बाद मुंबई की विभिन्न पार्टियो के समर्थको मे भावनाओ का उतार-चढ़ाव साफ दिखाई दिया। कही जीत का जश्न था, तो कही हार की मायूसी चेहरे पर झलक रही थी। मतगणना के साथ ही शहर के अलग-अलग प्रभागो मे नतीजो ने यह साफ कर दिया कि मतदाताओ का मिजाज एकरूप नही रहा। कुछ दलो के लिए यह चुनाव उम्मीदो से कही बेहतर साबित हुआ, जबकि कई प्रत्याशियो और पार्टियो को करारा झटका लगा। चुनावी रण मे उतरे उम्मीदवारो ने महीनो तक गली-मोहल्लो मे पसीना बहाया, वादो की झड़ी लगाई और विकास के सपने दिखाए। लेकिन लोकतंत्र की कसौटी पर वही खरे उतरे, जिन्हें जनता ने भरोसे के लायक समझा। इन नतीजो से कई संकेत मिलते है।

धारावी में BJP धराशायी, कांग्रेस ने मारी बाज़ी

कांग्रेस की आशा काले ने दी BJP को शिकस्त | रीडिवेलपमेंट पर नाराजगी बड़ी वजह

Neeraj.Tiwari@timesofindia.com

■ मुंबई: बीएमसी चुनाव में धारावी विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले प्रभागों में बीजेपी को करारा झटका लगा है। एक के बाद एक प्रभागों में हार के साथ साफ हो गया कि धारावी रीडिवेलपमेंट प्रोजेक्ट को लेकर स्थानीय लोगों की नाराजगी ने चुनावी नतीजों पर सीधा असर डाला है। धारावी क्षेत्र में आने वाले प्रभाग 183 से 189 तक में बीजेपी का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा और पार्टी को अधिकांश सीटों पर हार का सामना करना पड़ा।

प्रभाग 183 से बीजेपी की उम्मीदवार वैशाली शेवाले, जो वरिष्ठ नेता राहुल शेवाले की भाभी हैं, उनको कांग्रेस की आशा काले ने शिकस्त दी। आशा काले को 6441 वोट मिले, जबकि वैशाली शेवाले को 5187 वोट पर ही संतोष करना पड़ा। इसी तरह प्रभाग 185 में बीजेपी के वरिष्ठ नेता रवि राजा को शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के उम्मीदवार टी. एम. जगदीश ने बड़े अंतर से हराया। जगदीश को 8860 वोट मिले, जबकि रवि राजा को 6388 वोट ही हासिल हुए।

वहीं प्रभाग 184 में भी बीजेपी को सफलता नहीं मिल सकी। यहां कांग्रेस की साजिदाबी खान ने बाजी मारी। उन्होंने शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के प्रवीण जैन और शिवसेना (UBT) की उम्मीदवार वर्षा नक्काशे को पीछे छोड़ते हुए जीत दर्ज की। स्थानीय लोगों का कहना है कि धारावी रीडेवलपमेंट को लेकर असमंजस और आशंकाओं के चलते मतदाताओं ने सत्ताधारी दल के खिलाफ वोट किया।

आशा काले

प्रभाग 176 में पहली बार खिला कमल

बीएमसी चुनाव में एक दिलचस्प नतीजा प्रभाग 176 से सामने आया है। लंबे समय तक कांग्रेस के टिकट पर इसी प्रभाग से नगरसेवक रहे रवि राजा भले ही इस बार अपनी नई सीट से चुनाव हार गए हों, लेकिन उन्होंने अपने पुराने प्रभाग में बीजेपी को ऐतिहासिक जीत दिला दी।

महिला आरक्षण के चलते रवि राजा इस बार कोलीवाड़ा के प्रभाग 176 से चुनाव नहीं लड़ सके। बीजेपी ने यहां रेखा यादव को उम्मीदवार बनाया, जिनके पिता कई वर्षों तक रवि राजा के पर्सनल असिस्टेंट रहे हैं। रवि राजा ने पूरे दमखम के साथ प्रभाग 176 में प्रचार किया और अपने समर्थकों से रेखा यादव के पक्ष में मतदान की अपील की।

मतगणना में 32 वर्षीय रेखा यादव को 7138 वोट मिले और उन्होंने शिवसेना (UBT) की उम्मीदवार हर्षदा पाटिल को हराया, जिन्हें 6195 वोट मिले। इस जीत के साथ ही कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाले प्रभाग 176 में पहली बार बीजेपी का कमल खिला।

हारुन का किला ढहा, सकीना शेख की जीत

Krishna.Shukla@timesofindia

■ मुंबई: बीएमसी के प्रभाग क्रमांक 124 (विक्रोली) में शिवसेना नेता हारुन खान का 15 साल पुराना किला ढह गया। खान की पत्नी ज्योति को यहां से शिवसेना (UBT) की उम्मीदवार सकीना शेख ने हरा दिया है। इलाके से खान दस साल नगरसेवक थे, जबकि एक बार उनकी पत्नी नगरसेवक थीं। आरक्षण के चलते फिर खान की पत्नी चुनाव मैदान में उतरी थीं, लेकिन यहां के मतदाताओं ने बदलाव के लिए वोट करते हुए सकीना शेख को जीत का ताज पहनाया है। एनसीपी (अविभाजित) से नगरसेवक रहे हारुन खान चुनाव से पहले एनसीपी से शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हुए थे, लेकिन उनका पाला बदलना जनता को रास नहीं आया। इलाके में शिवसेना, शिवसेना (UBT) UBT और एनसीपी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला था।

मराठी और मुस्लिम बहुल इस इलाके में स्लम, पानी, सड़क और बुनियादी सुविधाओं की कमी बड़ी समस्या थी। चुनाव में शेख को 12 हजार 406 वोट मिले, वहीं ज्योति खान को 7,439 वोट मिले। इस हिसाब से शेख ने पांच हजार वोट से जीत हासिल की है। जीत के बाद शेख ने कहा कि क्षेत्र ने जनता ने बदलाव के लिए वोट किया है। जनता से बड़ी ताकत किसी की नहीं होती है। इलाके के लोगों के जीवन को बेहतर बनाना मेरी प्राथमिकता है। आने वाले समय में प्रभाग में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे।

इस बार भी नहीं चमकी पारकर की किस्मत

priya.Pandey@TimesOfIndia.com

■ मुंबई : सांताक्रुज ईस्ट के प्रभाग 87 से बीजेपी के कैंडिडेट रहे महेश पारकर को हार का सामना करना पड़ा है। 2 बार के नगरसेवक रहे पारकर को लगातार दूसरी बार बीएमसी चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। पहली बार 2017 में वह 34 वोट से हारे थे। सिर्फ इतना ही नहीं, 2019 विधानसभा चुनाव में भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। यह हार भी कुछ वोटों की थी। इस बार वह 2,408 वोट से हारे हैं, जो यह दर्शाता है कि उनकी किस्मत एक बार फिर साथ नहीं दे पाई। पारकर को 87 से जीत हासिल करना आसान नहीं था। क्योंकि उनके सामने उद्धव सेना की ओर से पूर्व महापौर विश्वनाथ महाडेश्वर की पत्नी पूजा महाडेश्वर लड़ रही थीं। काउंटिंग सेंटर पर एनबीटी से बात करते हुए पारकर ने कहा कि उन्हें इस वॉर्ड के निवासियों की सेवा करने का मौका नहीं मिला। मैं पूजा को बधाई देता हूं।

यह प्रभाग 2002 से ही लगातार महाडेश्वर परिवार के पास है। उसके पहले भी कई चुनाव तत्कालीन शिवसेना जीत चुकी है। 2002, 2007 में विश्वनाथ महाडेश्वर यहां से चुनाव जीते थे, 2012 में पूजा ने यहां से जीत हासिल की। 2017 में चुनावी बाउंड्री बदलने के बाद बेहद रोचक मुकाबले में विश्वनाथ महाडेश्वर चुनाव जीते और महापौर भी बने। हालांकि, कुछ साल पहले हार्ट अटैक से उनकी मौत हो गई।

65 निर्विरोध चयनित के भी रिजल्ट घोषित

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई : राज्य की 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव परिणाम सामने आ गए हैं। राज्य चुनाव आयोग ने इनमें से 10 महानगरपालिकाओं में निर्विरोध चुने गए 65 उम्मीदवारों के परिणाम भी घोषित कर दिए हैं। निर्विरोध चुने गए उम्मीदवारों में सबसे अधिक 43 भारतीय जनता पार्टी के हैं। इसके अलावा एकनाथ शिंदे की शिवसेना के 18, कांग्रेस के 2, एक निर्दलीय और एक इंडियन सेक्युलर लार्जेस्ट असेंबली ऑफ महाराष्ट्र के प्रत्याशी शामिल हैं।

> निर्विरोध जीत का दबदबा, 65 उम्मीदवार घोषित

आयोग के अनुसार पिंपरी-चिंचवड में 2 भाजपा, भिवंडी में 6 भाजपा, जबकि कल्याण-डोंबिवली में सबसे अधिक 20 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए, जिनमें 14 भाजपा और 6 शिंदे सेना के हैं। पनवेल में 7 में से 6 भाजपा और 1 निर्दलीय, पुणे में 2 बीजेपी, मालेगांव में 1, धुले में 4 भाजपा, ठाणे में 6 शिंदे सेना तथा अहिल्यानगर में 5 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए, जिनमें 3 भाजपा और 2 कांग्रेस के हैं।

बता दें कि निर्दलीय प्रत्याशियों के चयन को लेकर मनसे, कांग्रेस और उद्धव सेना ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी। जांच के चलते कुछ समय के लिए परिणाम रोके गए थे। इस मामले में मनसे की हाईकोर्ट याचिका को भी खारिज कर दिया गया था।

दगड़ी चॉल की 'धाक' कम, हारा गवली परिवार

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: दगड़ी चॉल की गूंज अब फीकी पड़ती नजर आ रही है। अंडरवर्ल्ड से राजनीति तक का सफर तय करने वाले पूर्व गैंगस्टर और पूर्व विधायक अरुण गवली के लिए बीएमसी चुनाव 2026 दोहरा झटका लेकर आया है। इस चुनाव में उनकी दोनों बेटियां गीता गवली और योगिता गवली हार गई हैं। यह हार गवली परिवार की सियासी पकड़ के कमजोर होने का संकेत माना जा रहा है।

> BMC चुनाव में अरुण गवली की दोनों बेटियों की हार

अखिल भारतीय सेना के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरीं गीता गवली को भायखला के वार्ड 212 में समाजवादी पार्टी की अमीन शहनाज अब्राहनी ने शिकस्त दी। वहीं, वार्ड 207 में योगिता गवली को बीजेपी के रोहिदास लोखंडे के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

कभी जिस दगड़ी चॉल को गवली की राजनीति और प्रभाव का केंद्र माना जाता था, वहीं से उठी यह हार उनके समर्थकों के लिए भी चौंकाने वाली रही। बदलते समीकरण, नई पीढ़ी के मतदाता और मजबूत दलों की पकड़ के सामने गवली परिवार की विरासत टिक नहीं पाई। विश्लेषक इस हार को राजनीति में नाम और अतीत से ज्यादा वर्तमान के कामकाज और संगठन की ताकत का महत्व होने का संकेत मान रहे हैं।

कालीना में BJP को फिर झटका

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: बीएमसी चुनाव में कालीना क्षेत्र ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यहां बीजेपी के लिए राजनीतिक पकड़ बनाना अब भी चुनौती बना हुआ है। इस इलाके की सीटों पर विपक्षी दलों के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। कालीना लंबे समय से राजनीतिक रूप से अहम क्षेत्र माना जाता रहा है, जहां स्थानीय मुद्दे और सामाजिक संतुलन का चुनावी नतीजों पर सीधा असर पड़ता है। बता दें कि कांग्रेस उम्मीदवारों ने सड़क, नाली, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्रमुख मुद्दा बनाया। इसका असर मतदान के रुझान में साफ दिखाई दिया। बीजेपी के लगातार प्रयासों के बावजूद पार्टी इस क्षेत्र में कोई भी सीट नहीं निकाल सकी।

कार्यकर्ता से कॉर्पोरेटर बनीं साक्षी कन्नौजिया

Neeraj.Tiwari@TimesofIndia.com

■ मुंबई : प्रभाग 174 से BJP की उम्मीदवार साक्षी कन्नौजिया ने एक मुस्लिम बहुल इलाके में BJP को जीत दिलाकर एक नई मिसाल कायम की है। स्थानीय वोटर्स ने NBT को बताया कि साक्षी एक आम कार्यकर्ता रही हैं और लोग उन तक आसानी से पहुंच जाते हैं। इस वजह से जब उन्हें BJP ने टिकट दिया, तो लोगों ने उन्हें जिताने का निर्णय लिया।

> जीत के बाद बोलीं, 20 साल की मेहनत का फल मिला

शुक्रवार को करीब डेढ़ बजे जब प्रभाग 174 के पहले राउंड की काउंटिंग की गई, तो शायद खुद साक्षी को भी यह नहीं लगा होगा कि उन्हें लोगों का इतना प्यार मिलेगा। पहले राउंड में कुल 2602 वोट मिले। वहीं, उनके सबसे करीब में जो कैंडिडेट थी वह शिवसेना (यूबीटी) की पद्मावती शिंदे थीं, जिन्हें 1219 वोट मिले थे। पहले ही राउंड में जब साक्षी को करीब 1400 वोटों की बढ़त मिल गई, तब जाकर उनके समर्थकों के चेहरे पर मुस्कान आई।

'सबने हौसला बढ़ाया, यह जीत है अहम'

काउंटिंग के समय से ही सेंटर पर हजारों की संख्या में लोग साक्षी का हौसला बढ़ाने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि साक्षी पिछले 20 वर्षों से इस प्रभाग में बतौर कार्यकर्ता काम करती आ रही हैं। पिछली बार के सर्वे में उन्हें टिकट नहीं मिल पाया था, नहीं तो हम उन्हें वर्ष 2017 में ही जिता देते थे। सुनील धारिया (युवा मोर्चा अध्यक्ष) ने बताया कि यह जीत बेहद अहम है।

समाजवादी पार्टी की तरफ से टिकट नहीं मिलने पर कांग्रेस से लड़े वकार खान

भायखला में कांग्रेस जीती, सपा के शेख खुश

भायखला में मतगणना केंद्र के बाहर वकार खान के समर्थक गले मिलकर खुशी जताते हुए।

Navin.Pandey@TimesofIndia.com

भायखला विधानसभा के अंतर्गत आने वाले प्रभाग क्रमांक 211 पर कांग्रेस के उम्मीदवार वकार खान की जीत हुई है। लेकिन, उनकी जीत पर भायखला के मतगणना केंद्र के बाहर समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख खुश नजर आए और केंद्र के बाहर जुटे वकार के समर्थकों से गले मिले। इस सीट से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार एजाज अहमद अब्बू को पराजय का मुंह देखना पड़ा है।

> प्रभाग 211 में कांग्रेस के वकार खान की जीत

शुक्रवार की दोपहर में मतगणना केंद्र के बाहर उस वक्त खास माहौल देखने को मिला, जब सपा विधायक रईस शेख पहुंचे। सपा उम्मीदवार के हार और कांग्रेस उम्मीदवार की जीत के बावजूद रईस शेख के चेहरे पर संतोष और खुशी साफ दिखाई दे रही थी। समर्थकों ने रईस शेख के समर्थन में नारे लगाए और वकार खान को जीत की बधाई दी। समर्थकों के अनुसार, रईस शेख के सबसे करीबी सहयोगियों में वकार खान का नाम शामिल रहा है। इसलिए वकार ने शुरू में सपा से टिकट की मांग की थी, लेकिन टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी थी।

नामांकन की अंतिम तिथि से एक दिन पहले कांग्रेस और अन्य दलों की ओर से उन्हें टिकट का प्रस्ताव मिला। इसके बाद वकार ने कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया। इस प्रभाग में एजाज अहमद अब्बू सपा से उम्मीदवार थे। लेकिन, जिस तरह से टिकट बंटवारे में पार्टी ने अनदेखी की थी, उसके चलते सपा को इस सीट पर हार के रूप में खामियाजा भुगतना पड़ा। वकार के समर्थकों ने कहा कि यह सपा के उन रणनीतिकारों के लिए एक आईना है, जो जमीनी हकीकत स्वीकार नहीं करते हैं।

पति की मेहनत रंग लाई, पत्नी हुई विजयी

Manish.Jha@TimesofIndia.com

■ कांदिवली: पति-पत्नी का रिश्ता सात जन्मों का होता है। लेकिन, कांदिवली के प्रभाग 24 में पति संजय जयसवाल और पत्नी स्वाति जयसवाल के बीच राजनीतिक रिश्ता बीएमसी चुनाव में देखने के मिला। संजय ने स्वाति को नगरसेविका बनाने के लिए जमीन-आसमान एक कर दिया। पोईसर जैसी झोपड़पट्टी बहुल एरिया की तंग गलियों में दिन-रात स्वाति के साथ वोट के लिए जनसंपर्क करने वाले संजय ने बताया कि स्वाति को जनसेवा का शौक बचपन से रहा। महिला सीट होने पर उनको चुनाव लड़ने को कहा तो वह पहले तैयार नहीं हुई, लेकिन लाख समझाने पर जब तैयार हुई तो परिणाम सामने है।

> शिवसेना (UBT) की मुक्ता पटेल 5999 मतों से हारी

प्रभाग 24 में विजयी कैंडिडेट स्वाति जयसवाल के साथ उनके पति।

स्वाति ने बताया कि पर्सनल हो या प्रफेशनल, पति का साथ अगर पत्नी को मिल जाए, तो दोनों मिलकर हर प्रकार की चुनौतियों का सामना कर सफलता हासिल कर सकते हैं। संजय ने मुझे जिताने के लिए अथाह मेहनत की है। वह मनोबल नहीं बढ़ाते, तो मैं चुनाव लड़ भी नहीं सकती थी। बता दें कि स्वाति ने यूबीटी सेना की प्रत्याशी मुक्ता पटेल को करीब 5999 वोटों से मात दी।

बिहार सरकार

समाहरणालय, रोहतास (सासाराम)

(मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग)

अल्पकालीन नीलामी सूचना

[illegible]

क्रम सं०	वाहनों की सूची क्रमांक	नीलामी का स्थान	नीलामी की प्रथम तिथि	नीलामी की द्वितीय तिथि
1	क्रमांक 01 से 04 तक	अनुमण्डल कार्यालय, सासाराम।	28.01.2026	31.01.2026

[illegible]

[illegible]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	[illegible]	42/25	[illegible] / 29.02.12.2025	MH04CM8059 MA3EED81S004 12313 F10DN4256056	[illegible]	36435	3644	[illegible] 421505	
2	[illegible]	80/25	[illegible] / 25.10.2025	UP65EQ1957 ME4JC83EKNG1 17224 JC83E63379539	[illegible]	25004	2500	[illegible] 400086	
3	[illegible]	85/25	1459/24 16.12.2024	MH04DI8686 MA1TB2BSL72I 96605 BS74J65J08	[illegible]	99762	9976	NATHA B MITKAR, S/O- MR BMITKAR, VILL- PURNA VILLAGE D BHARTI SARU/TIPU, P.S- BHIWANDI, STATE - MAHARASHTRA, PIN NO- 421302	
4	[illegible]	148/2025	80/2025	BR24AB4590 MD2B648YSKRJ 14201	[illegible]	14888	1489	[illegible]	

[illegible] www.rohtas.bih.nic.in [illegible]

जिला पदाधिकारी,
रोहतास, सासाराम

[illegible] state.bihar.gov.in/prdbihar [illegible]

PR. No.021783 (Excise) 2025-26

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

उम्मीदवार बदला, किस्मत नहीं बदली

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई : प्रभाग क्रमांक 168 में जीत हासिल करने की बीजेपी की रणनीति नाकाम साबित हुई। अंतिम समय में उम्मीदवार बदलने के बावजूद पार्टी हारी। हालांकि, पार्टी के सभी दांव-पेंच विफल रहे। इस प्रभाग से एनसीपी (एपी) की उम्मीदवार डॉ. सईदा खान ने 3 हजार से अधिक वोटों से जीत दर्ज की। डॉ सईदा खान को 8277, जबकि बीजेपी प्रत्याशी डॉ अनुराधा पेडणेकर को 5029 वोट मिले। पहले इस सीट पर बीजेपी ने आदित्य पानसे को एबी फॉर्म दिया था।

बीएमसी पहुंचे चाचा-भतीजी

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई : शुक्रवार को घोषित बीएमसी चुनाव परिणामों में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे चाचा-भतीजी की जोड़ी ने जीत दर्ज कर बीएमसी में एंट्री की। प्रभाग क्रमांक 165 से कांग्रेस उम्मीदवार अशरफ आजमी और प्रभाग क्रमांक 167 से उनकी भतीजी समन आजमी विजयी रही हैं। अशरफ आजमी ने इस जीत के साथ बीएमसी चुनाव में जीत की हैट्रिक पूरी की है, जबकि समन आजमी ने पहली बार चुनाव जीता। अशरफ आजमी को 7,782 वोट मिले, जबकि समन आजमी को 11,551 मत प्राप्त हुए।

555 मतों से दर्ज की जीत: प्रभाग 165 में अशरफ आजमी ने एनसीपी (एपी) उम्मीदवार कप्तान मलिक को मात दी। प्रभाग 170 महिला प्रभाग होने के बाद एनसीपी ने दो बार के नगरसेवक कप्तान मलिक को प्रभाग 165 से टिकट दिया था। दो मजबूत मुस्लिम उम्मीदवारों में टक्कर से मुकाबला रोचक हो गया था। कप्तान की हार फिलहाल चर्चा में है। चुनाव में कांग्रेस के अशरफ आजमी को 7,782, बीजेपी के रुपेश पवार को 7,227 और कप्तान मलिक को 4,863 वोट मिले।

मुंबई पत्तन प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

मुंबई पत्तन प्राधिकरण की सड़कों/एस्टेट पर मलबा/कचरा/कीचड़ वगैरह के परिवहन के नियमों के संबंध में सभी संबंधित पक्षों को इसके द्वारा सूचित किया जाता है। मुंबई पत्तन प्राधिकरण की सड़कों/एस्टेट पर मलबा/कचरा/कीचड़ वगैरह लेके परिवहन करने या फेंकनेवाले **सभी ट्रकों और डंपरों के पास मुंबई पत्तन प्राधिकरण के मुख्य अभियंता विभाग द्वारा जारी वैध अनुमति होनी चाहिए। कोई भी ट्रक या डंपर अगर बिना वैध अनुमति के मुंबई** पत्तन प्राधिकरण की सड़कों/एस्टेट पर मलबा/कचरा/कीचड़ वगैरह ले जाता हुआ **पाया गया, तो उस पर हर ट्रक/डंपर के लिए ₹50,000/- का जुर्माना लगेगा।**

मुख्य अभियंता (प्रभारी)
मुंबई पत्तन प्राधिकरण

MbPA-41-2025

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड, द्वारा पात्र ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए आईआरईपीएस पोर्टल पर ई-निविदा के माध्यम से **दो लिफाफा प्रणाली में विशेष सीमित निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का नाम:** विस्तृत डिजाइन परामर्श (डीडीसी) तथा साइट सेवाएं/पर्यवेक्षण – (i) दो नई सुरंगों के निर्माण के लिए – एक मौजूदा 544 मीटर लंबी ओल्ड गोवा सुरंग के समानांतर तथा दूसरी मौजूदा 1561 मीटर लंबी पेरनेम सुरंग के समानांतर, तथा (ii) गोवा राज्य, भारत में कोंकण रेलवे मार्ग पर स्थित मौजूदा ओल्ड गोवा और पेरनेम सुरंगों के पुनर्वास के लिए। **निविदा सूचना क्रमांक: केआर/डब्ल्यू/09/2025/19. कार्य की विज्ञापित लागत:** रु. 17,13,50,000/- (जीएसटी को छोड़कर). **समापन तिथि/समय:** 06.02.2026 को 15:00 बजे तक ऑनलाइन प्रस्ताव/बोली जमा करने हेतु। **पूर्णता अवधि:** मानसून सहित 26 (छब्बीस) माह। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विवरण/भागीदारी के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** वेबसाइट देखें। शुद्धिपत्र/परिशिष्ट केवल इसी वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएंगे।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
एलपीएससी, वलियमला, निर्माण व अनुरक्षण प्रभाग
फोन.: 0471-256 7445 / 7326 / 7577 ई-मेल: contracts_cmg@lpsc.gov.in

ई-निविदा का विस्तार

भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा द्वारा मद-दर निविदाएं आमंत्रित हैं। ई-एनआईटी सं. एलपीएससी-सी/सीएमडी/सीएस/03/7115/सी/टीई-101/2025-26 दिनांक 05.01.2026 एल पी एस सी, वलियमला अभिगम नियंत्रण गेट के शौचालयों का नवीकरण कार्य। (निविदा में दी गई अनुमानित लागत: ₹ 9.28 लाख)

अनुरोध करने की अवधि : विस्तारित तक 22.01.2026, 23:30 बजे

इच्छुक निविदाकार पात्रता मानदंड एवं अन्य विवरण हेतु वेबसाइट https://www.isro.gov.in/Tenders.html, https://www.lpsc.gov.in/tender.html पर दिए गए विस्तृत द्विभाषी (हिंदी-अंग्रेजी) निविदा आमंत्रित करने हेतु सूचना (एन आई टी) का संदर्भ लें एवं वेबसाइट https://www.tenderwizard.com/isro पर निःशुल्क निविदा देखें।

एसडी/- प्रधान, सीएमडी/एलपीएससी (वी)

UP, बिहार की राह पर है महाराष्ट्र कांग्रेस

कांग्रेस के लोग ही कांग्रेस को ले डूबे

Rajkumar.Singh
@TimesofIndia.com

■ मुंबई: मुंबई महानगरपालिका सहित पूरे एमएमआर के महानगरपालिका चुनावों में कांग्रेस को काफी नुकसान हुआ है। मुंबई और एमएमआर की बात करें तो भिवंडी में कांग्रेस को अच्छी सीटें मिली हैं। स्व. विलासराव देशमुख के लातूर और विधायक विजय वडेट्टीवार के चंद्रपुर ने कांग्रेस की लाज बचा ली है। लातूर में कांग्रेस ने बड़ी जीत हासिल की है। यहां कांग्रेस 70 में से 43 सीटों पर जीत हासिल कर सत्ता आ गई है, जबकि चंद्रपुर मनपा में दूसरे दलों के सहयोग से कांग्रेस सत्ता तक पहुंच सकती है। राज्य की बाकी महानगरपालिकाओं में कांग्रेस की स्थिति बहुत खराब रही।

महानगरपालिका चुनाव की घोषणा से पहले कांग्रेस की हार का अनुमान तो था लेकिन इतनी कम सीटें आएंगी, इसका अनुमान नहीं था। चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने जो 40 स्टार प्रचारकों के नाम दिए थे, उनमें से चंद लोग ही प्रचार करने आए। पैसे के मामले में भी कांग्रेस बेहद कमजोर साबित हुई।

मुंबई अध्यक्ष व सांसद वर्षा गायकवाड़ जूझती रहीं, पर वे ज्यादा सफल नहीं हुईं। कांग्रेस का चुनाव प्रचार भी बेहद निराशाजनक था। महाराष्ट्र प्रदेश की बात करें तो प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल प्रेस नोट जारी करने से आगे नहीं बढ़ पाए। महाराष्ट्र कांग्रेस के गलियारे में चर्चाएं शुरू हो गई हैं कि महाराष्ट्र में पार्टी अब उत्तर प्रदेश और बिहार की डगर पर निकल पड़ी है।

'उद्धव से मिलकर लड़ना था चुनाव'

कांग्रेस की राजनीति पर पैनी नजर रखने वाले राजनीतिक विशेषज्ञ संदीप सोनवलकर कहते हैं कि कांग्रेस को जो हार मिली है, उसके लिए केंद्रीय नेतृत्व का नाकारापन और स्थानीय लीडरशिप की गुटबाजी जिम्मेदार है। कांग्रेस का अपना वोट बैंक उनसे भाग गया है और इसके बाद मुंबई में कांग्रेस को गिना नहीं जाएगा। अगर कांग्रेस ने बिना ईगो के उद्धव ठाकरे के साथ मिलकर चुनाव लड़ा होता तो कम से कम उसका अपना वोट बैंक तो बना रहता।

अब बदल सकते हैं पार्टी

महाराष्ट्र में जो कांग्रेस के साथ हो रहा है, वैसा कभी उत्तर प्रदेश- बिहार में हुआ था। दोनों ही राज्यों में उनका अपना वोट बैंक मुस्लिम, दलित और ओबीसी था। जब से इन तीनों ने कांग्रेस का साथ छोड़ा, तब से कांग्रेस दोनों राज्य में सत्ता का मुंह नहीं देख सकी। अब वही इतिहास महाराष्ट्र में भी दोहराया जा रहा है। संभव है कि अब कांग्रेस में बचे-खुचे लोग भी पार्टी को अलविदा कह दें।

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 17-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMMAH User: cci Time: 01-16-2026 23:27 Color:

उद्धव-कांग्रेस की लड़ाई में MIM की उड़ी पतंग

मुंबई के मुस्लिम इलाकों में 8 सीटों पर विजय

Brijesh.Tripathi@timesofindia.com

■ **मुंबई :** बीजेपी की प्रचंड लहर के बीच सांसद असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने मुंबई सहित राज्य की 29 महानगरपालिका चुनावों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। मुंबई महानगर पालिका चुनाव में एमआईएम ने 8 सीटें जीत कर सबको चौंका दिया। क्योंकि 2017 के चुनाव में मुंबई में एमआईएम ने सिर्फ 2 सीटें जीती थीं। मुंबई में एमआईएम की जीत मुस्लिम बहुल इलाकों में हुई, जहां माना जा रहा था कि समाजवादी पार्टी और उद्धव सेना को फायदा मिलेगा। लेकिन एमआईएम ने सबको चौंकाते हुए बीएमसी में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। एमआईएम ने सबसे अधिक 6 सीटें मानखुर्द-शिवाजी नगर में जीती हैं। यहां से सपा के अबू आसिम आजमी लगातार चौथी बार विधायक हैं। मानखुर्द-शिवाजी नगर की 9 बीएमसी सीटों में से 6 सीटों पर एमआईएम के उम्मीदवार विजयी हुए। इसमें प्रभाग 134 में महताबी खान, 136 मोहम्मद जमीर कुरैशी, 137 समीर पटेल, 138 रोशन शेख, 139 शबाना शेख और 140 में विजय उबाले ने जीत हासिल की। जबकि बगल की अणुशक्ति नगर विधानसभा क्षेत्र में 2 जीतों पर एमआईएम उम्मीदवार ने जीत हासिल की। इसमें प्रभाग नंबर 143 में शबाना काजी और 145 में खैरुनिसा हुसैन विजयी रहीं। मुंबई की राजनीति में इसे एक नए बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। मुंबई में मुस्लिम समाज की आबादी 19-20 प्रतिशत है। माना जाता है कि मुस्लिमों का वोट बीजेपी के खिलाफ कांग्रेस, सपा और उद्धव सेना को मिलता है। मुस्लिम इलाके में ओवैसी ने 8 सीटें जीतीं, लेकिन एमआईएम ने कई मुस्लिम इलाकों में कांग्रेस, उद्धव सेना और एनसीपी का खेल खराब कर दिया।

उद्धव-कांग्रेस-सपा के लिए झटका

मुंबई की राजनीति में एमआईएम ने जिस तरह से बीएमसी की सीटें जीती हैं। इससे उद्धव सेना, सपा और कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। अब तक मुंबई के लगभग 20 लाख मुस्लिम मतदाताओं का वोट कांग्रेस, सपा या बीजेपी को

पूरे राज्य में बेहतरीन प्रदर्शन

एमआईएम का प्रदर्शन सिर्फ मुंबई ही नहीं, बल्कि राज्य की अन्य महानगर पालिकाओं में भी बेहतर रहा है। एमआईएम ने सपा को झटका देते हुए मुंबई, मालेगांव और नांदेड़ जैसे इलाकों में शानदार प्रदर्शन किया है। यहां मुस्लिमों के नाम पर अब तक सपा राजनीति करती आ रही थी। पूरे राज्य में 74 हारने के लिए उद्धव सेना को जाएगा ऐसा माना जा रहा था। ज्यादातर मुस्लिम बहुल इलाकों से सपा या एनसीपी जीतती थी, लेकिन इस बार यह ट्रेड बदल गया है। असदुद्दीन ओवैसी की एमआईएम ने इस ट्रेड को बीएमसी चुनाव में बदल दिया।

से अधिक महानगर पालिकाओं में एमआईएम ने जीत हासिल की है। संभाजीनगर में 24, मालेगांव में 20 और मराठवाड़ा के नांदेड में 14 सीटें जीत कर दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी है। वहीं धुले में 8 सीटें और जालना में 2 सीटें एमआईएम के कैंडिडेट ने जीती हैं।

अणुशक्ति नगर में भी AIMIM ने चक्रव्यूह भेदा

मानखुर्द के बाद अणुशक्ति नगर विधानसभा क्षेत्र में भी एआईएमआईएम (AIMIM) ने अपना राजनीतिक जलवा बरकरार रखा है। यहां एमआईएम ने दो प्रभागों में जीत दर्ज कर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। प्रभाग 143 से एमआईएम की उम्मीदवार शबाना मोहम्मद फारूख काजी ने जीत हासिल की, जबकि प्रभाग 145 से खैरुनिसा अकबर हुसैन ने 7653 मतों के अंतर से विजय दर्ज की। हालांकि, इसी सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे दीपक पालेवे ने 5551 मत हासिल कर कई राउंड तक एमआईएम को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंततः उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

मुंबई में MIM ने 5 सीटें जीतीं ▸▸ पेज 5

भारत नगर में कांग्रेस की वापसी, प्रभाग 92 में जीत

■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई :** बांद्रा के भारत नगर (प्रभाग 92) में इस बार कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। कांग्रेस उम्मीदवार मोहम्मद इब्राहिम कुरैशी ने इस चर्चित सीट पर जीत हासिल की। इससे पहले 2017 के बीएमसी चुनाव में एमआईएम उम्मीदवार गुलनाज एमडी सलीम ने पतंग उड़ाया था, जबकि 2012 में यह प्रभाग (उस वक्त 85 में आता था) निर्दलीय उम्मीदवार शेख इलियास बशीर के कब्जे में था। जीत के इस पहलू को देखते हुए, यह कहा जा सकता है कि भारत नगर के मतदाता हर चुनाव में स्थानीय मुद्दों के आधार पर रुख बदलते रहे हैं।

पार्टी का फोकस सुरक्षित और समयबद्ध री-डेवलपमेंट पर रहा

यह क्षेत्र लंबे समय से हाउसिंग और पुनर्विकास के मुद्दों में उलझा रहा है, खासकर के बाद यह एक ऐसा इलाका है, जहां पुनर्विकास एक बड़ा मुद्दा है। अधिकांश सोसाइटी इस परेशानी से पीड़ित है। कांग्रेस ने इस बार प्रचार के दौरान पुनर्विकास और बेहतर आवास सुविधाओं को मुख्य मुद्दा बनाया। पार्टी का फोकस सुरक्षित और समयबद्ध री-डेवलपमेंट पर रहा। उम्मीदवार मोहम्मद इब्राहिम कुरैशी ने अभियान के दौरान आश्वासन दिया कि पुरानी इमारतों में रहने वाले लोगों को बेहतर सुविधाओं के साथ सुरक्षित आवास उपलब्ध कराया जाएगा।

चुनाव नतीजे: किसी पर मोदी-फडणवीस का जादू, तो किसी ने SEC पर उठाए सवाल

"यह कार्यकर्ताओं, मतदाताओं की जीत है। साफ़ किया कि महाराष्ट्र की जनता विकास के साथ है। जिन लोगों ने विकास का विरोध किया, उन्हें जनता ने घर बिठा दिया है।
-एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री

"ऐसे हजारों लोगों के नाम गायब हैं, जिन्होंने विधानसभा चुनावों में वोट दिए थे और जाएं UBT, MNS या कांग्रेस मजबूत हैं। चुनाव आयोग हमारी बात सुनने को तैयार नहीं है।
-संजय राउत, सांसद उद्धव सेना

"बीजेपी एक ऐसी पार्टी है, जो नीतियां बनाती भी है और उन्हें जमीन पर लागू भी करती है। ऐतिहासिक जीत के शिल्पकार के सीएम देवेंद्र फडणवीस रहे। '
-रविंद्र चव्हाण, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष

"मुंबईकरों ने हम पर जो भरोसा दिखाया है, जिन्होंने BJP को मुंबई में दोनों ठाकरे पार्टियों की कुल सीटों से ज्यादा सीटें जिताई है। वह विकास के एक नए दौर की शुरुआत है।
-आशीष शेलार, मंत्री

"यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देवेंद्र फडणवीस द्वारा मुंबई में लाए गए क्रांतिकारी बदलाव की जीत है। यह मराठी लोग, मुंबईकर और हिंदुत्व की जीत है। -अमित साटम, मुंबई बीजेपी अध्यक्ष

"बीजेपी की जीत में फर्जी मतदान, पैसे का वितरण और चुनाव आयोग की मदद शामिल रही है। जीत-हार की परवाह किए बिना हमने वैचारिक लड़ाई लड़ी है। -हर्षवर्धन सपकाल , प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

"बीजेपी और महायुति को मिली प्रचंड जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विजन का परिणाम है। जनता ने विकास के मुद्दे को चुना।" - आचार्य पवन त्रिपाठी , महामंत्री बीजेपी

"महाराष्ट्र भर में निकाय चुनाव में बीजेपी को मिली अपार सफलता के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विकास कार्यों का नतीजा है। -अमरजीत मिश्रा, उपाध्यक्ष, मुंबई बीजेपी

BMC चुनाव में कई दिग्गज हारे

■ **NBT रिपोर्ट , मुंबई :** लोकसभा-विधानसभा चुनाव की तरह बीएमसी चुनाव में भी जहां कई दिग्गज चुनाव हार गए, वहीं कई दिग्गज अपना गढ़ बचाने में सफल रहे।

कई नेता बरकरार रख पाए अपना गढ़

रवि राजा लगातार पच्चीस साल तक नगरसेवक रहे वह 185 प्रभाग से अपना पहला बीएमसी चुनाव हार गए। वहीं प्रभाग नंबर 43 से बीजेपी के विनोद मिश्रा दूसरी बार चुनाव नहीं जीत सके और उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

चार बार नगरसेविका रही शिंदे सेना की राजुल पटेल को कांग्रेस की दिव्या सिंह के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। जबकि एनसीपी नेता नवाब मलिक के भाई फहान मलिक भी चुनाव हार गए। वहीं जीतने वाले दिग्गजों में शिंदे सेना के संजय घाडी, कांग्रेस के असरफ आजमी, एनसीपी अजित गुट की डॉ. साईदा खान, उद्धव सेना की श्रद्धा जाधव, बीजेपी की तेजस्वी घोसालकर, बीजेपी के गणेश खड़कर, बीजेपी के दीपक तावड़े, कांग्रेस की अनंता यादव, बीजेपी के तेजिंदर सिंह तिवाना, बीजेपी के मकरंद और हर्षिता नार्वेकर शामिल हैं।

चार पूर्व मेयर भी जीते : इस चुनाव में चार पूर्व मेयर भी जीत हासिल करने में कामयाब रहे। इसमें उद्धव ठाकरे गुट के मिलिंद वैद्य, विश्वास राउत, किशोरी पेडणेकर और प्रभाग नंबर 202 से श्रद्धा जाधव चुनाव जीतने में कामयाब रहीं।

कांग्रेस-उद्धव सेना का गठबंधन होता, तो बदल जाती तस्वीर

Neeraj.Tiwari@Timesofindia.com

■ **मुंबई:** बीएमसी चुनाव के नतीजों ने यह साफ कर दिया है कि अगर कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) एक साथ मैदान में उतरती, तो कई प्रभागों में नतीजे पूरी तरह अलग हो सकते थे। वोटों के बंटवारे ने न सिर्फ कांग्रेस को कमजोर किया, बल्कि शिवसेना (यूबीटी) को भी नुकसान पहुंचाया। इसका सीधा फायदा बीजेपी और एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना को मिला, जिन्होंने कई सीटों पर मामूली अंतर से जीत दर्ज की।

प्रभाग 1 में शिवसेना (शिंदे) की रेखा राम यादव को 7544 वोट मिले, जबकि कांग्रेस की शीतल अशोक भोसले को 5070 और शिवसेना (यूबीटी) के जितेन परमार को 4314 वोट मिले। यहां कांग्रेस-यूबीटी के संयुक्त वोट विजेता से कहीं ज्यादा थे। प्रभाग 7 में भी बीजेपी के गणेश खणकर को 10,148 वोट मिले, जबकि शिवसेना (यूबीटी) के सौरभ घोसालकर के 9351 और कांग्रेस के 1672 वोट निर्णायक साबित हो सकते थे। प्रभाग 9 में बीजेपी के शिवानंद शेट्टी 18,423 वोट लेकर विजयी हुए, जबकि शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के वोट बंट गए।

इसी तरह प्रभाग 13, 14, 17, 19 और 20 में भी भाजपा या शिंदे गुट के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की, लेकिन इनमें से कई सीटों पर शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के संयुक्त वोट विजेता से ज्यादा आसपास रहे। प्रभाग 19 में बीजेपी की दक्षता ने 13,466 वोट के साथ जीत हासिल की, जबकि शिवसेना (यूबीटी) को 12,590 वोट मिले। यहां कांग्रेस के वोट जुड़ते तो तस्वीर बदल सकती थी। प्रभाग 22, 24, 25 और 30 में भी बीजेपी जीती, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि विपक्षी वोटों का बिखराव बीजेपी के लिए संजीवनी बन गया। इन नतीजों के बाद कांग्रेस की रणनीति पर सवाल उठ रहे हैं। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद वर्षा गायकवाड़ का अकेले चुनाव लड़ने का फैसला पार्टी पर भारी पड़ा। पिछली बीएमसी में जहां कांग्रेस के 31 नगरसेवक थे, वहीं इस बार खबर लिखे जाने तक पार्टी 23 सीटों पर ही सिमट गई।

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 17-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMSHIK User: arvind.yadav1 Time: 01-16-2026 23:26 Color:

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad
Logon to: ads.timesofindia.com
or Call: 18001205474 (Toll Free)
Scan QR Code

प्रॉपर्टी

मुंबई प्रॉपर्टीज

चेंबूर

CHEMBUR, Shivpuri New 2 BHK, partially furnished, available for rent. Agents excuse. Contact : 9820506346

दादर

MATUNGA Five Gardens 3 BHK 1496 Sq Ft Carpet Done Up / 2 Car Parks Ramp Parking / Amenities Highrise Estates 99 200 11 888

2-BHK-FLAT Available Near Siddhivinayak Temple, Area 830 sq.ft price 3.70 Cr. with parking. Contact: 9821036115 / 9930915112

दक्षिण मुंबई

WALKESHWAR Sea Facing 3 BHK 9.45 Cr / Jodi Apt 24 Cr New Bldg Near Jain Derasar Boutique / Roof top Amenities Highrise Estates 99 200 11 888

PRATHANA Samaj, 2 BHK Furnished, 20th Flr. of Prime Location Nr. Harkisandas Hospital Usable Carpet 500', Expected 2.62 CR.Mo-8369899987

वसई

SALE 1BHK Jodi Flat Prime Location Sunteck West World Naigaon East New 21 Towers 22 Floors with Shopping Complex & 40 + Amenities. 8779956521

वर्ली

RUSTOMJEE Crown 4 BHK 1700 Sq Ft 9.50 Cr High Ceilings / Done Up Pool, Gym, Kids Play Area Highrise Estates 99 200 11 888

मुलुंड पश्चिम

FOR_SALE 2 BHK- 705 sq. ft. & 3 BHK- 951 sq. ft., 2 Parking on Podium, Valji Ladha Road, Mulund West. (P51800055546) Call 9930 333 456

महालक्ष्मी

VALUE Buy 4 BHK @ 11.90 Cr Carpet 2020 Sq Ft / 55th Floor Apt. with Panorama View Ready / OC / Amenities Highrise Estates 99 200 11 888

मलाड पश्चिम

MALAD (W) SV Road, Opp Jain Derasar for sale 1Bed 1.11cr, 2Bed 1.55cr All Incl. Poss. April 2026. 9821291100 / 7506953114.

गोरगांव पश्चिम

सांताक्रूज पश्चिम

SEAVIEW Homes Raheja's 3 BHK Carpet 1228 @ 9.8 Cr 4 BHK Carpet 1732 @ 13.85 Cr 1 Acre Gated Living/ New/ OC Highrise Estates 9820058877

प्रॉपर्टी ऐन्सलेरीज

वाणिज्यिक परिसर (अचल संपत्ति)

LL 1000 sq.ft + 700 ft covered compound, Gr. fl, 5th Rd., JVPD Juhu, 3 Phase Power, Ideal for Cafe Heat n Serve or Salon with Cafe 8976091052

लीज और किराए पर

1) ON-RENT,70,000 sq.ft. Highway face N.A.plot built to suit One Lac sqft Vertical 25000 sq.ft. x 4 floors= 100000 sq.ft. for Godown/ Pharma/ Garment / Car Centre/ assembling, Nr Fountain Hotel, 3 km from Kashimira.
2) ON Rent 6000 sq.ft.(1st-3000'& 2nd -3000') office fully furnished at Marol Maroshi Road,3 km from Airport, Nr Seven Hills Hospital.
3) Very Prime Plot 24000 sq.ft. Next to Fun Republic. One lac sqft,10000 sq.ft.@10 floors= 100000 sq.ft. built to suit Glass Facade Jewellery /Showroom /Corporate office/ Bank /IT
4) ON Rent Gr.Floor, besides Lodha Aqua, Mira Road, Super Market 1697 Carpet with A/C & with Racks / Office.
5) On Rent,Gala 4000 sq.ft.at kaman Bhiwandi Road facing, Near Bhajanlal Dairy.
Ph: 9820236654 / 9870643011, Email- gkp.fittech@gmail.com

BUNGALOW & VILLA

✔ **BUNGALOW** FOR SALE 348 sq. mtr. plot. Adjoining 12.20 mtr. Road. Location: Khar West. Outright Purchase Offers Only. Mobile: 9820111928

भर्ती

रिक्त पद

TOP-MNC-CO. Presents a LIVE Webinar & Seminar on CAREER OPPORTUNITIES. Ready to Boost Your Future? Call Shray Mehta : 98333 49022.

फोरमैन व कारपेन्टर फर्नीचर बनाने/ मरम्मत करने के लिए चाहिए, अनुभव: 8 से 10 साल. संपर्क: 9819944391/ 40020800

भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति

लेखा

अकाउंटेंट (लेखाकार)

URGENTLY required Account Executive At Wadala (w) with B.Com. plus & sound skill of Tally prime, GST/ TDS/ IT & M.S. office with other responsibilities like personal a/c, shares transaction stock related & capital gain statement etc. With 2 5 yrs of exp., mail resume at : resume@smitaelectrical.com

प्रशासन

चपरासी

एक रेप्यूटेड बिल्डर के ऑफिस में प्यून की आवश्यकता है। संपर्क : 8828869906.

दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
कॉर्पोरेट कार्यालय : एनबीसीसी कार्यालय परिसर, पूर्वी किदवई नगर, नई दिल्ली – 110023
मुकदमेबाजी वसूली मामलों में रिकवरी हेतु रिकवरी प्रोफेशनल्स से मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित करने की सूचना
(ओआईसीएल टेंडर संख्या : OICL/HO/TCHNOLEGAL/ RECOVERYMANAGEMENT/2025-2 दिनांक : 13.01.2026)
(ई-मेल : tender_technolegal@orientalinsurance.co.in)
दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (ओआईसीएल) योग्य और सक्षम रिकवरी प्रोफेशनल्स को पैनलबद्ध करने के लिए मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित करती है, जो लागत-प्रभावशीलता के साथ-साथ उच्चतम तकनीकी/कार्यात्मक गुणवत्ता प्रदान करते हों।
आवेदक कंपनी की वेबसाइट www.orientalinsurance.org.in के "टेंडर" अनुभाग से टेंडर और अन्य दस्तावेज डाउनलोड कर सकते हैं।
टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि 09.02.2026 शाम 4.00 बजे तक है।
कंपनी बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी टेंडरों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखती है।
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 16.01.2026
IRDA Reg. No. 556
हस्ता/- उप महाप्रबंधक (वाधिक विधि)
CIN: U66010DL1947GOI007158

प्रबंधक

REQ: Manager (Grad. with 2 Yrs Exp.) For Housing Society Office At Santacruz (West). Call: 9867407017 Or Email : dheritage2@yahoo.com

विपणन, विज्ञापन और बिक्री

बिक्री

CHEM SALES PERSON REQ
Graduate
(B.Sc.-Chem preferred)
Experience :
5-7 years in Chem Ind
Loc : Bom, Guj, Del, Hyd, Chennai & Cal
Post : RM & Sales Exe – 1 each
careers@dagaglobal.com

अन्य रिक्तियां

चालक

ठाणे में चालक चाहिए। 6 दिन काम, 12 घंटे शिफ्ट। वेतन Rs 22,000। ठाणे निवासी इच्छित। मो. 8291929072

घर से काम (वर्क फ्रॉम होम)

REQD Retired, Housewife, Part/ Fulltime/ Work from home Jobs for Reputed Co. Ghatkopar 9082257817

एकाधिक रिक्तियां

A-19, ANTOP Hill W/H Complex, Wadala (E), Mumbai. Dealing in imported goods for hotels & restaurants.openings :Manager- Accounts, Accountant, Sales Coordinator,Office Assistant, Sales Manager (Field), PA to MD,Receptionist, Import Assistant

REQD. at Byculla Accountant, Sales Asst, Admin Asst, Purchase Asst, Mech CAD Operator, Turners & Fitters. Whatsapp 9892230495. Mail - ranadhir52@hotmail.com

सिक्यूरीटी गार्ड, सिक्यूरीटी सुपरवायझर और डाईवर चाहिये. संपर्क: 115 - रिना कॉम्पलेक्स, Opp. नामारी स्टील, विद्याविहार (वेस्ट) 9867202170 / 9920920611

ए-1 कलेक्शन, बोरीवली वेस्ट स्टेशन के पास नाइट वेअर, इनर वेअर, मेन्स वेअर, वेस्टर्न वेअर के शोरूम के लिए काउंटर सेल्समेन/ सेल्सगर्ल्स, मेल और फीमेल हेल्पर और डेटा एन्ट्री के लिए एकाउंटेन्ट चाहिए। उम्र 18 से 40। बिहार से बांद्रा रहने वाले को प्रथम पसंदगी। संपर्क- 8828992565. (सुबह 11 से 1 तक)

पार्ट टाइम जॉब

GOVERNMENT Recognized Company Looking for Retired/ Bankers/Teachers/VRS/ NRI/ Housewives (Age 40to 70) Fixed Income+ PF+ ESIC...98206 91548

सुनहरा अवसर ! कल्याण (प.) में एक प्रतिष्ठित कंपनी में पार्ट टाइम सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों और गृहिणियों के लिए, शिक्षण एसएससी या उससे ऊपर। आयु: 35 से 65 वर्ष। संपर्क 7738747001

BECOME Insurance Advisor with India's Leading MNC. Be your own Boss, Flexible Time +Unlimited Income+Foreign Trips+Best Training 9833015947

बिजनेस

BUSINESS OFFERS

सुनहरी टुरिस्ट कार लेकर हस्ताक्षर अनुमानित 1.5 लाख से 2 लाख का पैकेज पाए। अथवा बिझनेसका भाग बन के हमारा 3% से 5% नफा कमाए। हम आपका व्यवसाय स्थापित कर देंगे। संपर्क - 7715051159/ 9930925129

सेवाएं

कानूनी सलाह

DEEMED CONVEYANCE
PROPERTY CARD TRANSFER
STRUCTURE AUDIT
MAINTENANCE RECOVERY
POINT ADVISORY
7021653529

व्यक्तिगत

नाम परिवर्तन

I have changed my name from Manhorlal sharma to Manoharlal hansraj sharma as per my documents.

I have changed my name from Bimala sharma to Vimala Manoharlal sharma as per my documents.

I have changed my name from vijay manhorlal sharma to vijay manoharlal sharma as per my documents

I, R Jyohi wife of No. 15201035Y, Hav, Raja Sekhar Revulagadda, R/o Vill & Post - Kakarla, Teh - Ardhaveedu, Dist-Prakasam, State Andhra Pradesh 523333 have changed my name from R Jyohi to Jyothi Revulagadda vide Affidavit No. 58AB 252109

I, Ramalakshamma is Mother of No. 15201035Y, Hav, Raja Sekhar Revulagadda have changed my name from Ramalakshamma to Revulagadda Ramalakshamamma vide Affidavit No. 58AB 252111.

I, Ramalakshamma is Mother of No. 15201035Y, Hav, Raja Sekhar Revulagadda have changed my name from Ramalakshamma to Revulagadda Ramalakshamamma vide Affidavit No. 58AB 252111.

टेंडर और नोटिस

न्यायालय सूचना

सम्मन वास्ते करारदाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5, कायदा 1 व 5)
Civil Judge (Jr. Div.)
Moradabad
नम्बर मुकदमा
मूलवाद 393 / 25
VEWS Technologies at Super Bazar, Tehsil & Distt. Moradabad through Prop. Ruchi Gupta ...Plaintiff
vs
M/s. Compuage Infocom Ltd., D-601/602, G-7, 601/602, Lotus Corporate Park Grahman Firth Steel Compound Jai Coach Junction Ram Mandir Lane Western Express Highway Goregaon East Mumbai-400063 through Director ...Defendent
हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बाबत के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 18 माह 02 सन् 2026 ई0 वक्त 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो उमूर अहम मुतालिके मुकदमे का जवाब दे सके या जिसके पास कोई और शख्स जो जवाब ऐसे सवालात का दे सके, हाजिर हो और जवाब देही दावे को करे और आपको वाजिब है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश करे, जिन पर आप बताइये अपनी जवाब देही के इस्तेमाल करना चाहते हो।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपको मनसूओ और फैसला होगा।
दरखास्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 02 माह 01 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।
सिविल जज (जू0 डिवी0) मुरादाबाद

निविदाएं (टेंडर्स)

IDBI BANK
सीआईएन : L65190MH2004GOI148838
आईडीबीआई बैंक लिमिटेड
वेबसाइट : www.idbibank.in
अंबाडी रोड, वसई (पश्चिम) में कार्यालय परिसर की आवश्यकता
बैंक लीज पर कार्यालय परिसर प्राप्त करना चाहता है, अंबाडी रोड, वसई (पश्चिम) में ग्राउंड फ्लोर पर, जिसका कारपेट एरिया लगभग 1500-2000 वर्ग फुट हो।
उपयुक्त परिसर रखने वाले इच्छुक पार्टियां वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रमुख को आवेदन कर सकती हैं। 27 जनवरी 2026 को शाम 6.00 बजे या उससे पहले प्राप्त प्रस्ताव ही स्वीकार किये जायेंगे। प्रोफार्मा और अन्य विवरण हमारी वेबसाइट www.idbibank.in से नोटिस - निविदाएं के तहत डाउनलोड किया जा सकता है या हमारी किसी भी शाखा से प्राप्त की जा सकती है।
मुंबई, 17 जनवरी 2026
ह./- सीजीएम और क्षेत्रीय हेड मुंबई जोन

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
प्रापण विभाग
यूनियन बैंक भवन, 239, विधान भवन मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई – 400 021.
निविदा सूचना
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, प्रतिष्ठित विक्रेताओं से निम्नलिखित कार्यान्वयन के लिए ई-निविदा प्रस्ताव आमंत्रित करता है.
जीईएम बोली संख्या–जीईएम/ 2026/बी/7111217 दिनांक: 14.01.2026.
मनी लॉन्डरिंग/आतंकवादी वित्तपोषण/प्रसार वित्तपोषण (एमएल/टीएफ/पीएफ) जोखिम मूल्यांकन के लिए विक्रेता का चयन उत्पाद स्तर एमएलटीएफ जोखिम मूल्यांकन सहित समग्र रूप से बैंक के लिए जोखिम-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए जोखिम मूल्यांकन निविदा प्रकाशन की तारीख – 14.01.2026.
बोली पूर्व बैठक – 21.01.2026 प्रातः 11:00 बजे.
बोली प्राप्ति की अंतिम तारीख –06.02.2026 अपराह्न 16:00 बजे.
अन्य जानकारी एवं बोली दस्तावेज डाउनलोड करने के लिए तथा निविदा में प्रतिभागिता के लिए सरकारी ई-मार्केट (जीईएम) पोर्टल https://gem.gov.in को देखें.

TO PLACE A PERSONAL ANNOUNCEMENT IN THIS SECTION CALL: 9867505472

THE TIMES OF INDIA
Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

रिश्तों की सियासत पर आया जनता का फैसला

बेटे-बेटियों की लड़ाई में कई विधायक-सांसद

Rajkumar.Singh@Timesofindia.com

AI image

■ **मुंबई :** महानगरपालिका चुनाव में इस बार कई सांसदों और विधायकों ने अपने परिवार के सदस्यों को नगरसेवक बनाने के लिए पूरा जोर लगाया। कईयों को जीत का स्वाद मिला, लेकिन कई जीत की सफलता के शिखर तक नहीं पहुंच सके।

शिंदे गुट के सांसद रविंद्र वायकर ने अपनी बेटी दीप्ति वायकर-पोतनीस को मैदान में उतारा था, लेकिन वे उनकी हार नहीं रोक सके। इसी तरह कांग्रेस के राज्यसभा सांसद चंद्रकांत हंडोरे भी अपनी बेटी प्रज्योति को जीत दिलाने में सफल नहीं हो पाए। वहीं शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद संजय दीना पाटील अपनी बेटी राजुल पाटील को चुनाव जीताने में सफल रहे। शिंदे गुट के पूर्व सांसद राहुल शेवाले की भाभी वैशाली शेवाले को भी हार का सामना करना पड़ा।

मिश्रित नतीजे: विधान परिषद सदस्य प्रवीण दरेकर अपने भाई प्रकाश दरेकर को जिताने में सफल रहे। उद्धव सेना के विधायक सुनील प्रभु अपने बेटे अंकित प्रभु को सदन तक पहुंचाने में कामयाब रहे, लेकिन वर्सोवा से पार्टी के विधायक हारून खान अपनी बेटी सबा खान को नहीं जिता सके। चांदिवली से शिंदे गुट के विधायक दिलीप लांडे ने अपनी पत्नी शैला लांडे की जीत दोहराई, जबकि भायखला से उद्धव गुट के विधायक मनोज जामसुतकर अपनी पत्नी सोनम को नहीं जिता पाए। शिंदे गुट के पूर्व विधायक सदा सरवणकर अपने बेटे समाधान की हार नहीं रोक सके। वहीं कांग्रेस के पूर्व विधायक नसीम खान अपने बेटे अमीर खान और भाजपा विधायक राज पुरोहित अपने बेटे आकाश पुरोहित को जीत दिलाने में सफल रहे।

नार्वेकर परिवार का प्रदर्शन चर्चा में

कोलाबा से भाजपा विधायक और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर अपने परिवार के कई सदस्यों को जिताने में सफल रहे। उनकी भाभी हर्षिता नार्वेकर, भाई मकरंद नार्वेकर और चचेरी बहन डॉ. गौरवी शिवलकर नार्वेकर ने जीत दर्ज की। प्रचार के दौरान नार्वेकर का फोकस अपने विधानसभा क्षेत्र पर ही रहा। मालाड-मालवणी से कांग्रेस विधायक असलम शेख अपने बेटे हैदर अली और बहन कमरजहां सिद्दीकी को जिताने में सफल रहे, लेकिन वे अपने दामाद सैफ अहमद खान को जीत नहीं दिला सके। अजीत पवार की पार्टी के दिग्गज नेता नवाब मलिक अपने भाई कप्तान मलिक की हार नहीं रोक पाए, हालांकि कप्तान की बहू बुशरा नदीम मलिक और नवाब मलिक की बहन डॉ सईदा मलिक ने जीत दर्ज की। इस तरह से महानगरपालिका के सदन में सास- बहू साथ में नजर आएंगे।

मुंबई की अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी

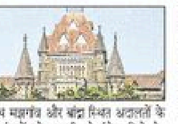

■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई:** बॉम्बे हाई कोर्ट समेत शहर की कई अदालतों को शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि, सभी परिसरों की गहन तलाशी के बाद कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर इन धमकियों को अफवाह करार दिया गया। दोपहर के समय बॉम्बे हाई कोर्ट, एक सत्र अदालत के साथ-साथ मझगांव और बांद्रा स्थित अदालतों के कार्यालयों को धमकी भरे ईमेल मिले थे। ईमेल मिलते ही प्रशासन ने सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया। धमकी को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय पुलिस ने बम निरोधक एवं निष्क्रिय दस्ता (बीडीडीएस) और श्वान दस्ते के साथ मिलकर सभी अदालत परिसरों की सघन तलाशी ली। अदालत प्रशासन की शिकायत पर आजाद मैदान पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया जाएगा।

BJP-शिंदेसेना की जीत पर सामाजिक संस्थाओं ने ये कहा

बीएमसी चुनाव में बीजेपी को सबसे ज्यादा सीटें मिलने और खबर लिखे जाने तक शिवसेना के साथ बहुमत हासिल करने की ओर बढ़ने को लेकर शहर की तमाम सामाजिक संस्थाओं से जुड़े विशिष्ट लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। ज्यादातर संस्थाओं ने उम्मीद जताई है कि बीजेपी और शिंदेसेना मिलकर शहर का विकास करेंगे।

जनता ने बीजेपी और शिंदेसेना पर भरोसा जताया है। उम्मीद है कि बीएमसी के प्रोजेक्ट तेजी से पूरे होंगे और लोगों को ट्रैफिक व प्रदूषण जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी।
- मनमोहन गोयनका, अध्यक्ष, परमार्थ सेवा समिति

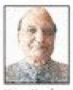

मुंबईकरों ने स्थिर नेतृत्व और विकासोन्मुख नीतियों को चुना है। नई बीएमसी से इंफ्रास्ट्रक्चर और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को प्राथमिकता देने की उम्मीद है।
- सुशील माड़िया, अध्यक्ष, हिंदुस्तान चैंबर ऑफ कॉमर्स

सनातन संस्कृति संरक्षण के लिए समर्पित पार्टी को स्पष्ट समर्थन देकर विकास के लिए ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने का जनता का ध्येय सिद्ध हो गया।
- नटवर डागा, अध्यक्ष, माहेश्वरी मंडल, भाईंदर

बीएमसी में बीजेपी की जीत दिखाती है कि मुंबईकर क्षेत्रीयता से ऊपर उठकर विकास चाहते हैं। उत्तराखंड समाज का इसमें बड़ा योगदान रहा है।
- मनोज भट्ट, मुख्य संयोजक, मुंबई कौथिग

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कुशल नेतृत्व साबित किया है। अब मुंबई को अंतरराष्ट्रीय शहर बनने से कोई नहीं रोक सकता। उद्योग, निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर को गति मिलेगी।
- मनोज जालान, अध्यक्ष, भारत मर्चेंट्स चैंबर

चुनाव में हार-जीत चलती रहती है। जनता ने बीजेपी और शिवसेना पर भरोसा किया है। उम्मीद है दोनों मिलकर मुंबई का विश्वस्तरीय विकास करेंगे।
- सरदार मनमोहन सिंह रत्ती, अध्यक्ष, श्री गुरु सिंह सभा मुंबई

यह परिणाम स्थिर नेतृत्व और स्पष्ट नीति की जीत है। उम्मीद है कि नई बीएमसी व्यापार, शिक्षा और नागरिक सुविधाओं पर विशेष ध्यान देगी।
- माणिक लाल शाह, उपाध्यक्ष, भारत जैन महामंडल

यह जनता का फैसला है, जिसे सभी दलों को स्वीकार करना चाहिए। जो जीते हैं, उन्हें जनहित में काम करना चाहिए और जो हारे हैं उन्हें आत्ममंथन करना चाहिए। - मौ. ज़हीर अब्बास रिजवी, वीपी, ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड

मुंबई को सुरक्षित, स्वच्छ और सुगम बनाने की दिशा में यह अवसर है। नई नगर सरकार को फायर सेफ्टी, पर्यावरण और शहरी सेवाओं पर ध्यान देना चाहिए।
- सीए प्रदीप बांका, अध्यक्ष, अग्रवाल जनरेशन नेक्स्ट

हमें उम्मीद है कि नई बीएमसी रोजगार, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान देगी। सभी समाजों को साथ लेकर चलना ही इस जनादेश का संदेश है।
- संतोष सिंह, अध्यक्ष, उत्तर भारतीय संघ

NBT स्मृति यादों के चिराग

आकस्मिक निधन

Ankur Kamalia
1974 – Forever
Your life is like an unfinished story....
You were a vibrant soul who lived with boundless energy of youth till the very end.
Though your time with us was far too brief, you packed it with purpose, passion and infectious optimism that touched several lives.
Your passing has left a huge void in the hearts of family, friends and the lives you touched.
We will remember you not for the way your life ended - but for the way it was lived!
Fly high Ankur - Your light will never dim!
Fondly Remembered By
Roopa- Kyra
Asha-Surendra
Purnima-Kiran
Mamta-Atul
Kanika- Sidharth
Payal-Biraj
Ariana
Kamalia, Kapadia & Tibrewala Families
Prayer meeting
Sunday 18th January 2026 - 5pm to 7 pm
Yahwantrao Chavan Centre, Runanubandh Hall (AC) Ground Floor, Gen Jagannathrao Bhosale Marg, Near Sachivalay, Nariman Point, Mumbai 400021
R.S.V.P. WhatsApp 9820084423

स्मृति सन्देश

छठी पुण्यतिथि

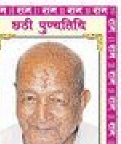

श्री भूधरमलजी सराफ
'कर्म हमेशा ऐसे किए कि सबके लिये वे गूँजते थे आपका विनम्र स्वभाव हमारे लिए प्रेरणादायक रहेगा'
श्रद्धावनत
भाई: शंकरलाल, बाबूलाल, विश्वनाथ
पुत्र, पुत्रवधू: सतीश, सुनिता
पुत्री, जमाई: सुनिता, अरुण जालान
पौत्र-पौत्री: दीपक, डॉ. ज्योति
ससुराल पक्ष: मुरलीलाल, अशोक, दीनदयाल अग्रवाल
✆ 98194 99682

TO PLACE AN ANNOUNCEMENT IN THIS SECTION CALL: 9867505472

BOOK OBITUARY ADS
To book an Obituary Ad Please contact:
Jitendra Boricha 9820 137 296 | Jitesh Dominic 9867 407 521
Asif Faridi 9594 343 468
TO BOOK ONLINE LOG ON TO
Ads.timesofindia.com
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE
SCAN TO BOOK

GET NOTICED

वैदिक ज्योतिष संस्थान रजी
ज्योतिष, हस्तरेखा, वास्तुशास्त्र एवं स्वरज्ञान
जानुआरी २०२६ से नये वर्गोका आरंभ
निःशुल्क शिक्षण
हिन्दी माध्यम केंद्र :
रविवार ९ से ११ ज्योतिष / मलाड ११ से १ वास्तु
नगीनदास खांडवाला कॉलेज, एम. के. इ. एस. हाईस्कूल (एन. एल.) गेट नं ६, ५वा माला, १ भादरण नगर, एस. वी. रोड, मालाड (प).
आचार्य अशोकजी 93222 61709
www.vedicjyotishsansthanmumbai.com / Email: vjtvv1@gmail.com
प्रवेश के लिये फोनपे पहलेसे रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है.

TO ADVERTISE IN THIS SECTION CALL JITESH DOMINIC: 9867407521

PROPERTY FOCUS

SOCIAL EVENT

LET'S INSPIRE / 2025-26
Rotary
Rotary Club of Mumbai 101
Jointly with
VIPRA FOUNDATION, MUMBAI
FREE MEGA MEDICAL CAMP
Date 18th January 2026 Time 9 AM to 3 PM
Siddhivinayak Mandir, Pushpa Park, Road No. 2, Malad (E), Mumbai - 400 097.
Co. Host: Inner Wheel Club of Mumbai 101, Kandivali (E)
Medical Team Support: Asha Maternity & General Hospital
Venue Support : Pushpa Park Siddhi Vinayak Mandir Tust
District Governor Rtn. Dr. MANISH MOTWANI
Project Chairman Rtn. LALCHAND MEWARA 93232 95244
Rotary Club of Mumbai 101
President Rtn. NATWAR PAREEK 98200 37534 | Secretary Rtn. SHYAMSUNDER DHANUKA 99876 22435 | Treasurer Rtn. RAKESH JAIN 90226 83931
Vipra Foundation, Mumbai
President SUDHIR KHANDELWAL 93236 11004 | Secretary CA SURENDRA RANGA 98202 30988 | Treasurer VIKAASH DADHADARA 99694 73533 | Ladies Wing President Dr. Khusbu Shrimali 98204 11844

कम्बल, खाद्यान्न सामग्री एवं जीवनोपयोगी वस्तुओं का वितरण

राजस्थानी मंडल गोकुलधाम यशोधाम द्वारा मकर संक्रान्ति के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम

1375 व्यक्तियों को शुद्ध देशी घी का बना भोजन

मकर संक्रान्ति के अवसर पर 1375 व्यक्तियों को कम्बल, भोजन, खाद्यान्न सामग्री एवं जीवनोपयोगी वस्तुओं का वितरण किया गया। इस अवसर पर राज दीदी, डॉ.अनील काशीप्रसाद मुरारका, परमेश्वर तुलस्यान, रमेश मोदी, अनिल कैया, कृष्णकुमार झुनझुनवाला, श्रीराम शर्मा एवं समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति रही। महिला मंडल, नारायण रेकी सत्संग परिवार की बहनों एवं युवा वर्ग ने विशेष रूप से सेवा कार्य में सहयोग दिया। संस्थापक राजेन्द्रकुमार तुलस्यान ने आगन्तुकों का मकर संक्रान्ति की शुभकामनाओं के साथ स्वागत किया तथा समस्त पदाधिकारीगण का आभार व्यक्त किया।

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 17-01-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMDEVI User: cci Time: 01-16-2026 22:44 Color:

71 सीट जीत बविआ का VVMC पर कब्जा

BJP को मिली 42 सीटें, शिंदे सेना 1, कांग्रेस 1, UBT का नहीं खुला खाता

■ सुरेंद्र नेगी, वसई

वसई-विरार मनपा की 115 सीटों की मतगणना शुक्रवार को हुई। स्थानीय पार्टी बहुजन विकास आघाडी (बविआ) ने एक बार फिर वीवीएमसी में कब्जा कर लिया है। बविआ ने 71 सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं बीजेपी 42 सीट जीत कर दूसरे नंबर रही। शिंदेसेना व कांग्रेस 1 -1 सीट ही जीत पाई, जबकि यूबीटी का यहां खाता भी नहीं खुला।

शुक्रवार सुबह 10 बजे मतगणना शुरू होते ही सभी की धड़कने तेज हो गईं। लोकसभा व विधानसभा चुनाव में करारी हार झेल चुकी बविआ वसई-विरार मनपा चुनाव में कार्डटेंग के दौरान शुरू से ही हर प्रभाग में बढ़त बना ली। मनपा चुनाव रिजल्ट के बाद यहां बविआ ने बड़ी जीत हासिल पॉलिटिकल वापसी की, हालांकि पार्टी के कुछ दिग्गज नेता

चुनाव हार गए है। इनमें पूर्व नगरसेवक व पूर्व महापौर शामिल है।

मनपा चुनाव रिजल्ट को लेकर वसई-विरार के बीजेपी खेमे में भी खुशी की लहर है, क्योंकि 2015 के मनपा चुनाव में बीजेपी ने एक ही सीट जीती थी। इस बार बीजेपी के खाते में 42 सीटें आई है, जिसे उनके लिए बड़ी जीत माना जा रहा है। जबकि, 27 सीटों पर चुनाव लड़ी शिंदे की शिवसेना को सिर्फ 1 सीट मिली है, वही उद्धव की शिवसेना यहां खाता तक नहीं खोल पाई। दस साल बाद हुए मनपा चुनाव में बीजेपी व बविआ के बीच महापौर के लिए कांटे की टक्कर मानी जा रही थी। अब चर्चा है कि टिकट बंटवारे को लेकर अंदरुनी कलह के चलते बीजेपी को यहां बड़ा नुकसान हुआ है।

कई दिग्गजों को मिली हार

2015 के चुनाव में 107 सीट जीतने वाली बहुजन विकास आघाडी इस बार 71 सीट जीती है। 7 चुनाव में बविआ के पूर्व नगरसेवक भरत मकवाना, हार्दिक राउत, पंकज ठाकुर, पूर्व महापौर रूपेश जाधव सहित कई दिग्गजो को हार का सामना करना पड़ा। शिंदेगुट के चार बार नगरसेवक व दो बार सभापति रहे सुदेश चौधरी भी हार गए। उन्हे बविआ के पूर्व नगरसेवक प्रशांत राउत ने हराया है। बीजेपी के पूर्व नगरसेवक किरण भोईर को इस बार टिकट नही मिला, तो वह निर्दलीय लड़ रहे थे। उन्हे बीजेपी के अशोक शेलके ने हराया है। शिवसेना अभिजीत का पूर्व नगरसेवक धनंजय गावडे भी हार गए।

नए चेहरों ने खिलाया कमल

वसई-विरार मनपा चुनाव में बीजेपी ने पहली बार 43 सीटों पर बड़ी जीत दर्ज की। पुराने चेहरों के बजाय नए और युवा उम्मीदवारों ने दम दिखाकर चुनाव जीता।

कहीं खुशी कहीं गम

मनपा मुख्यालय में नतीजे आते ही हारने वाले निराश होकर लौट गए, जबकि जीत की घोषणा के साथ ही हलकों में ढोल-तारो और नारे गूंजने लगे।

सीडैक CDAC | प्रगत संगणन विकास केंद्र
CENTRE FOR DEVELOPMENT OF ADVANCED COMPUTING

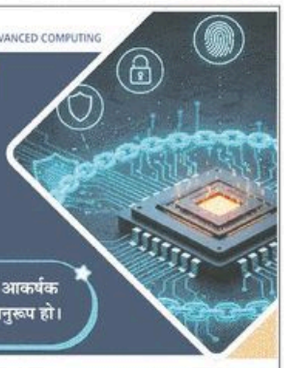

वॉक-इन इंटरव्यू

सी-डैक को निम्नलिखित में विशेषज्ञों की तलाश है:

इंटरनेट ऑफ थिंग्स

भारत में निर्मित, विश्व के लिए इंजीनियरड-IoT में योगदान दें

योग्यता और अनुभव के आधार पर आकर्षक पारिश्रमिक, जो उद्योग मानकों के अनुरूप हो।

एम्बेडेड सिस्टम, IoT सुरक्षा, एम्बेडेड हार्डवेयर डिजाइन

पद और पदों की संख्या

● प्रोजेक्ट इंजीनियर - 60 पद (0 - 4 वर्ष का अनुभव)

अग्रणी बनें। भारत के तकनीकी भविष्य का निर्माण करें।

अधिक विवरण और आवेदन करने के लिए, यहां जाएं:

https://www.cdac.in/index.aspx?id=current_jobs

cbc06113/12/0004/2526

भिवंडी : 30 सीटों के साथ कांग्रेस रही सबसे आगे

■ NBT न्यूज, भिवंडी : भिवंडी मनपा के चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। 90 सदस्यों वाली मनपा में सबसे अधिक कांग्रेस के 30 उम्मीदवार चुनाव जीते हैं। कांग्रेस ने 58 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था, जिनमें 28 लोगों को हार का सामना करना पड़ा। वहीं, दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी ने 32 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था, जिनमें से 22 उम्मीदवार चुनाव जीत गए है और 10 उम्मीदवार चुनाव हार गए है। इसी तरह शिंदेसेना ने 20 जगहों से उम्मीदवार दिया था। जिसमें 12 उम्मीदवार जीते है और आठ उम्मीदवारों को हार का सामना करना पड़ा है। एनसीपी (एसपी) ने 37 जगहों से उम्मीदवार दिया था। जिसमें 12 उम्मीदवार चुनाव जीते है और 25 उम्मीदवार चुनाव हार गए है। समाजवादी पार्टी ने 54 जगहों से उम्मीदवार दिए थे। उनमें सिर्फ छह जगहों से उम्मीदवार जीते है और 48 जगहों से चुनाव हार गए है। कोणार्क विकास अघाड़ी के सभी चारो उम्मीदवार जहां जीत गए है। वहीं भिवंडी विकास अघाड़ी (एकता मंच) के चार उम्मीदवारों में सिर्फ तीन उम्मीदवार ही जीत दर्ज कर सके है। 121 निर्दलीय उम्मीदवारों में से एक उम्मीदवार जीत सका है। इसके अलावा उध्दवसेना ने 28, एनसीपी (एपी) ने 24,आम आदमी पार्टी ने सात,मनसे ने दो,भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी ने दो,एआईएमआईएम ने 16,आरपीआई ने आठ,पीस पार्टी ने दो,लोक हिन्द पार्टी ने पांच, वंचित बहुजन अघाड़ी ने

- भिवंडी मनपा में भी पार्टियां बहुमत से दूर
- कांग्रेस ने मैदान में उतारे थे 58 उम्मीदवारों
- 22 सीटों के साथ BJP दूसरे नंबर पर

पार्टी	सीटें
कांग्रेस	30
बीजेपी	22
शिंदेसेना	12
NCP (SP)	12
SP	6
KVA	4
BVA (एकता मंच)	3
निर्दलीय	1

नौ एवं जय हिंद सेना ने पांच उम्मीदवार उतारे थे। जिनके एक भी उम्मीदवार चुनाव नहीं जीत सके है।

त्रिकोणीय मुकाबले का फायदा मुंब्रा में AIMIM को मिला

■ NBT न्यूज ,ठाणे: ठाणे मनपा के पांच प्रभागों वाले मुंब्रा क्षेत्र में भी चुनाव परिणाम चौंकाने वाले रहे। मुस्लिम बहुल इस इलाके में अधिकांश उम्मीदवार अल्पसंख्यक समाज से थे और चुनाव में कड़ा मुकाबला देखने को मिला। यहां मुख्य संघर्ष दोनों एनसीपी गुटों के बीच माना जा रहा था।

एनसीपी (एसपी) के डॉ. जितेंद्र आव्हाड वर्ष 2004 से लगातार विधायक हैं और क्षेत्र में उनका राजनीतिक प्रभाव रहा है। NCP में हुई बगावत के बाद जितेन्द्र आव्हाड के कट्टर समर्थक ठाणे मनपा के वरिष्ठ नगरसेवक नजीब मुल्ला उनसे अलग होकर उप मुख्यमंत्री अजित पवार का दामन थामा। विगत विधानसभा चुनाव में आव्हाड और मुल्ला के बीच मुकाबला हुआ था जिसमे आव्हाड बाजी मार गए थे। इसके बाद से दोनों में संघर्ष बढ़ता ही गया था। चुनाव में आव्हाड और मुल्ला ने पूरा दमखम लगाया था। इन दोनों की लड़ाई में परिणाम यह हुआ की AIMIM के उम्मीदवार बाजी मार गए।

ठाणे में सियासी उलटफेर, शिंदे के गढ़ में सेंध: मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अपनी पार्टी का गढ़ बरकरार रखने में सफल रहे, लेकिन उनके घर के वार्ड में पार्टी को झटका लगा है। लुईसवाड़ी के रामचंद्र नगर कालूवाड़ी परिसर में स्थित शिंदे के बंगले वाले प्रभाग क्रमांक 13-क में पूर्व महापौर अशोक वैती को हार का सामना करना पड़ा है।

अहिल्यानगर में अजित की पार्टी सबसे बड़ी

पेज 1 से आगे

विखे पाटील परिवार के अहिल्यानगर मनपा पर अजित पवार की पार्टी सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। श्रमवती में बीजेपी, शिंदे सेना और अजित पवार जीत की ओर बढ़ रहे है। अकोला में बीजेपी के पीछे-पीछे कांग्रेस चल रही है। धुले में बीजेपी जीत गई है। जलगांव में बीजेपी और शिंदे का बोलबाला है। जालना में बीजेपी एकतरफा जीत की तरफ जा रही है। नांदेड में बीजेपी नेता अशोक चव्हाण का जलवा कायम है। बीजेपी नेता सुधीर मुनगंटीवार के गढ़ चंद्रपुर की मनपा पर कांग्रेस जीत के करीब पहुंच गई है। इचलकरंजी मनपा में ठाकरे और कांग्रेस मिलकर बीजेपी और शिंदे सेना को चुनौती दे रही है। कोल्हापुर में कांग्रेस ने बीजेपी को कड़ी चुनौती दी है। परभणी में शिंदे, बीजेपी और अजित पवार सत्ता के करीब है। मालेगांव मनपा में इंडियन सेक्युलर पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper
Website:- onlineftp.in